फोन:-4103333, 2362400 फैक्स:-0141-2373513 वर्ष: 76 संख्या: 74 प्रभात जयपुर, मंगलवार 14 अक्टूबर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

The Parsi New Year : A Tale of Two Calendars

Jamshed was wise and compassionate and had the blessings of the Parsi god Ahura Mazda and the counsel of Sarosh Yazad, an angel of the god

Do You Have Sleep Apnea?

A Blade of Prestige

The 4,500-Year-Old Crystal Dagger of Copper Age Spain

तेजस्वी यादव सोमवार देर शाम को पटना रवाना हो गए, अपनी दिल्ली यात्रा को सफल आंकते हुए

दिल्ली में मल्लिकार्जुन खड़गे, वेणुगोपाल, बिहार के प्रभारी कृष्णा अल्लावीरु से मुलाकात करके और सीटों के बँटवारे पर मोटा-मोटी सहमति प्राप्त करके

- हालांकि, तेजस्वी की राहुल गांधी से रुबरु बातचीत नहीं हुई, किन्तु फोन पर आरजेडी व कांग्रेस के बीच सीटों के बँटवारे का फार्मूला तय हो गया।
- फार्मूले के अनुसार, कांग्रेस को इकसठ सीटें मिलेंगी जो अपने आप में काफी बड़ी उपलब्धि मानी जाती है, कांग्रेस के लिए। क्योंकि गत चुनाव में काँग्रेस को सत्तर सीटें मिली थीं और वह केवल सत्रह सीटें जीत पाई थी।
- आरजेडी ने कांग्रेस को इतना अधिक एडजस्ट इसलिए भी किया, क्योंकि राहुल, लालू, राबड़ी व तेजस्वी के साथ डटकर खड़े रहे, जब न्यायालय ने इन तीनों के खिलाफ आरोप फाइनल करने का निर्णय लिया।
- अब पटना में ही तेजस्वी को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने की प्रक्रिया पूरी की जायेगी, क्योंकि तेजस्वी दिल्ली से पटना रवाना हो चुके हैं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। कांग्रेस और आरजेडी के बीच सीट बंटवारे पर सहमति बन गई है। तेजस्वी यादव सोमवार शाम पटना लौटे और सूत्रों के अनुसार, वे बातचीत से संतुष्ट और सकारात्मक मूड में हैं।

तेजस्वी यादव ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की और राहुल गांधी से फोन पर बातचीत की, क्योंकि दोनों नेताओं की आमने-सामने मुलाकात नहीं हो पाई। तेजस्वी ने कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल और बिहार के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु के साथ भी बैठक की, जिसमें दोनों दलों के बीच सीटों का मोटा-मोटी खाका तय हो गया।

एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि कांग्रेस को इस समझौते में 61 सीटें मिली हैं, जो हर लिहाज से अच्छी और सम्मानजनक संख्या है। उन्होंने कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मदन राठौड़ की पत्नी बीमार, हैलीकॉप्टर से जयपुर ले गये

पाली, 13 अक्टूबर (नि.सं.)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, पत्नी की तबीयत अचानक बिगड़ने पर हेलीकॉप्टर से पाली पहुंचे तथा न्यूरो फिजिशियन को दिखाने के लिए पत्नी को हेलीकॉप्टर से ही जयपुर लेकर गए। मदन राठौड़ के साथ में विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल भी थे।

पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में जिला कलेक्टर एलएन मंत्री, एसपी आदर्श

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष उन्हें जयपुर में न्यूरो फिज़िशियन को दिखायेंगे।

सिद्धू सहित, बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ की पत्नी ऊषा राठौड़ का उपचार करने वाले बांगड़ हॉस्पिटल के डॉ प्रवीण गर्ग, राकेश सोनी, विकास गहलोत और सेवानिवृत्त प्रधान मैडिकल ऑफिसर की सलाह के बाद, उन्हें न्यूरो फिजिशियन को दिखाने के लिए जयपुर रैफर किया गया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ अपनी पत्नी को न्यूरो फिजिशियन को दिखाने के लिए हेलीकाप्टर से अपने साथ जयपुर के लिए लेकर रवाना हुए।

सीट शेयरिंग की घोषणा होते ही असंतोष फूट पड़ा एनडीए में

अमित शाह जल्दी ही पटना जाएंगे और सब कुछ ठीक करके ही लौटेंगे

- पार्टी के अंतरंग सूत्रों ने कहा कि एनडीए में हालात बेहद विस्फोटक हैं भाजपा-जद (यू) नेतृत्व को आपात बैठक बुलानी पड़ रही है।
- भाजपा के केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भाजपा के बिहार प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान पर प्रत्याशी चयन में भारी गड़बड़ी का आरोप लगाया। वहीं जद (यू) के वरिष्ठ मंत्री जय कुमार सिंह ने पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा व ललन कुमार सिंह पर टिकट बेचने का आरोप लगाया।
- विशेषज्ञों ने बताया कि दोनों दलों के कई नेता हैं, जिनके टिकट कटने जा रहे हैं और ये सभी निर्दलीय चुनाव लड़ने की धमकी दे रहे हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। रविवार को बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्वारा की गई सीट-बंटवारे की घोषणा के कुछ ही घंटों में एनडीए में उथल-पुथल मच गई। सत्ता पक्ष में अभूतपूर्व विद्रोह की लहर फैल गई। कई मौजूदा मंत्री और विधायक अपनी ही पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खुलकर बगावत पर उतर आए। उनका आरोप है कि शीर्ष नेताओं ने विधानसभा चुनावों से पहले टिकट वितरण में भारी अन्याय किया और उनके राजनीतिक भविष्य को नष्ट कर दिया।

दिन की शुरुआत में एनडीए ने सीट बंटवारे का फार्मूला शानदार तरीके से घोषित किया था, ताकि सहयोगी दलों में एकता और समन्वय का संदेश दिया जा सके। लेकिन घोषणा के कुछ ही घंटों बाद एक के बाद एक हुई घटनाओं से हालात विस्फोटक हो गए, जिससे गठबंधन को अपनी उम्मीदवारों की अंतिम सूची स्थगित करनी पड़ी। पार्टी सूत्रों ने पुष्टि की कि सीट आवंटन को लेकर न केवल गठबंधन न केवल के भीतर बल्कि दलों के अंदर भी संघर्ष इतना बढ़ गया है कि स्थिति विभाजन की कगार पर पहुँच गई। इसने भाजपा और जेडीयू नेतृत्व को आपात समीक्षा बैठक बुलाने पर मजबूर कर दिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अब एनडीए में "बिग ब्रदर" नहीं रहे नीतीश

संभावना है, अगर एनडीए जीता तो भी नीतीश को शायद मु.मंत्री न बनाया जाए

- नीतीश की पार्टी जद (यू) और भाजपा 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। अब तक हमेशा से ही नीतीश की पार्टी जद (यू) को भाजपा से ज्यादा सीटें मिलती थीं, चाहे एक ही सीट अधिक क्यों न हो। शेष सीटें अन्य दलों को मिली हैं, इस लिहाज से भाजपा का पलड़ा भारी है।
- निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने इस पर बड़ी सटीक टिप्पणी की। उन्होंने कहा, नीतीश को मालूम होना चाहिए, जद (यू) की 101 सीटों की तुलना में भाजपा 130 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। लोजपा (चिराग गुट) की 29 सीटें भी भाजपा की ही मानी जानी चाहिए।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। अगर राजनीति को धारणाओं का खेल कहा जाए, तो आज घोषित हुई एनडीए की सीट बंटवारे की व्यवस्था जेडीयू नेता और मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए नकारात्मक संदेश लेकर आई है, क्योंकि भाजपा और जेडीयू, दोनों ने 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा की 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है।

पिछले चुनावों में, जेडीयू ने हमेशा भाजपा से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़े थे, जिससे कुमार का गठबंधन में 'बड़े भाई' वाला दर्जा कायम रहता था। अपने राजनीतिक जीवन के इस पतझड़ में उस दर्जे से वंचित होना उनके लिए एक झटका माना जा रहा है। सीटों के बँटवारे के इस घटनाक्रम को इस संकेत के रुप में भी देखा जा सकता है कि आगामी चुनावों में एनडीए की जीत होने पर भी नीतीश कुमार को शायद मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाए।

राजनीतिक विरोधियों ने पहले ही निशाना साधना शुरू कर दिया है। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा, "नीतीश कुमार को समझ लेना चाहिए कि जेडीयू की 101 सीटों के मुकाबले, भाजपा असल में 130 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।" जाहिर है, उनका इशारा चिराग पासवान की एलजेपी-आर को दी गई 29 सीटों की ओर था। याद दिला दें कि 2020 के चुनावों में, चिराग पासवान ने नीतीश की पार्टी के खिलाफ उम्मीदवार उतारकर जेडीयू को भारी नुकसान पहुंचाया था। एनडीए द्वारा घोषित समझौते के अनुसार, जीतन राम मांझी और उपेन्द्र कुशवाहा के दल छह-छह सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

इधर, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने भविष्यवाणी की है कि चुनावों के बाद जेडीयू के टूटने की पूरी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कम्पनी बंद

चेन्नई, 13 अक्टूबर। कोल्ड्रिफ कफ सीरप से हुई मौतों के बाद तमिलनाडु सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। कफ सीरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मासूटिकल कंपनी का लाइसेंस रद कर दिया गया है। यह कफ सीरप पीने से सिर्फ मध्य प्रदेश में ही 22 बच्चों की मौत हो चुकी है।

तमिलनाडु ड्रग्स कंट्रोल विभाग ने कंपनी के खिलाफ यह कड़ा कदम

- तमिलनाडु सरकार ने इस कम्पनी, श्रीसन फार्मास्युटिकल्स का लाइसेंस रद्द कर दिया है।

उठाया है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद कंपनी को औपचारिक रूप से बंद कर दिया गया है। कोल्ड्रिफ कफ सीरप में अत्याधिक मात्रा में डायएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) होने के संकेत मिले हैं। तमिलनाडु सरकार ने राज्य में दवाइयां बनाने वाली सारी कंपनियों को भी जांच करने के आदेश दिए हैं। वहीं, अदालत ने श्रीसन कंपनी के मालिक रंगनाथन को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा है। 9 अक्टूबर को मध्य प्रदेश एसआईटी ने रंगनाथन को गिरफ्तार किया था।

अमेरिका व चीन में ट्रेड वॉर और भीषण होने का लाभ सीधे भारत को हो रहा है

अमेरिका द्वारा चीन पर सौ प्रतिशत टैरिफ और लगाने से चीनी माल अमेरिका में बहुत महँगा हो गया

- चीन पर एक सौ तीस प्रतिशत टैरिफ लगाये हैं ट्रंप ने और भारत पर पचास प्रतिशत। अब तक चीन छाया हुआ था अमेरिका में, खिलौनों, जूता-चप्पल व टैक्सटाइल प्रोडक्ट्स में।
- अब भारत के पास स्वर्णिम अवसर है चीन द्वारा छोड़े गए मैदान पर कब्जा करने का। ऐसी आशा की जा रही है कि अमेरिका से ऑर्डर की बाढ़ आएगी भारत के पास। अगर भारत के व्यापारी अपने प्रोडक्ट्स की गुणवत्ता व डिलीवरी स्टैंडर्ड्स को गिरने नहीं देते हैं तो भारत स्थाई लाभ लेने की पोज़ीशन में रहेगा।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच, भारत सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक बनकर उभर सकता है, क्योंकि अमेरिकी ख़रीददार किफायती और भरोसेमंद आपूर्तिकर्ताओं की तलाश में चीन से बाहर जाने को मजबूर हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 1 नवंबर से सभी चीनी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत का नया शुल्क लगाने की घोषणा की है, जो पहले से लागू 30 प्रतिशत शुल्क के ऊपर होगा। यानी अब अमेरिकी बाज़ार में प्रवेश करते समय चीनी उत्पादों पर कुल 130 प्रतिशत शुल्क लगेगा। इस भारी मूल्य सीमा ने भारतीय निर्यातकों के लिए एक सुनहरा अवसर खोल दिया है, क्योंकि भारत से आने वाले उत्पादों पर शुल्क कहीं कम है और वे पहले से ही अमेरिकी आयातकों के बीच वस्त्र, खिलौने, इलेक्ट्रॉनिक्स और अक्षय ऊर्जा उपकरण जैसे क्षेत्रों में लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं।

भारत के लिए यह समय बेहद अनुकूल है। अमेरिका को होने वाला भारत का निर्यात पहले से ही 86.5 अरब अमेरिकी डॉलर का है, और अमेरिकी रिटेलर और निर्माता अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं के जोखिम को कम करने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसे में यह बदलाव भारतीय व्यवसायों के लिए नए ऑर्डरों में तेज़ वृद्धि का कारण बन सकता है। भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (एफ.आई.ई.ओ.) के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा, "चीन ने बाज़ार की जो हिस्सेदारी खोई है, उसे हासिल करने का भारत के लिए यह सुनहरा अवसर है, जो एक दशक में एक बार आता है।" उन्होंने आगे कहा, हमारे वर्तमान 86 अरब डॉलर के निर्यात में तेज़ी से वृद्धि हो सकती है, क्योंकि अमेरिकी ख़रीददार अपने स्रोतों की रणनीतियों को फिर से तय कर रहे हैं।"

ट्रंप की यह घोषणा 9 अक्तूबर को चीन के उस फ़ैसले के बाद आई है, जिसमें उसने दुर्लभ धातुओं के निर्यात पर रोक लगाई थी। ये धातुएं इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहनों और अक्षय ऊर्जा उद्योगों के लिए बेहद ज़रूरी हैं। इसके जवाब में वाशिंगटन ने भी चीनी उत्पादों पर और ज़्यादा शुल्क लगाने और सॉफ़्टवेयर निर्यात नियंत्रण सख्त करने का निर्णय लिया है, जिससे यह व्यापारिक संघर्ष और तेज़ हो गया है। लेकिन जहाँ दुनिया इस कारण होने वाली आपूर्ति बाधाओं को लेकर चिंतित है, वहीं भारत इस स्थिति से उत्पन्न व्यापारिक बदलाव का लाभ उठा सकता है। अमेरिकी बाज़ार में चीनी वस्तुएं अब बहुत महंगी हो जाएंगी, जबकि भारतीय उत्पादों पर तुलनात्मक रूप से केवल 50 प्रतिशत शुल्क लगेगा। इससे भारतीय सामान अधिक प्रतिस्पर्धी बन जाएंगे। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन को भी प्रेरित कर सकता है, जिसमें भारत मध्यम और उच्च मूल्य वाले मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र में, जो अब तक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

करूर भगदड़ की जांच सीबीआई को

नयी दिल्ली, 13 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ की जांच केन्द्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने का सोमवार को आदेश दिया।

न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने संबंधित आदेश पारित करते हुए शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी को इस जांच की निगरानी

- सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से अभिनेता से नेता बने विजय को भारी झटका लगा है।

करने वाली समिति का प्रमुख नियुक्त किया। भगदड़ की जाँच के लिए विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित करने के मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर शीर्ष अदालत ने अपना यह फैसला सुनाया।

अभिनेता से नेता बने विजय के नेतृत्व वाली राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की 27 सितंबर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हमास ने बीस इज़रायली बंधकों को रिहा किया, इज़रायल ने दो हजार फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ा

यह असंभव सा दिखने वाला काम इतनी जल्दी पूरा हो जाएगा, किसी को उम्मीद नहीं थी, अतः हर दृष्टि से यह महान उपलब्धि है

- हालांकि, अभी पूर्ण शांति आने में कई बाधाएँ साफ दिख रही हैं, जैसे हमास से उनके हथियार छुड़वा देना।
- हमास ने अपने हथियार समर्पण करने से पूर्णतः इनकार कर दिया है, क्या इज़रायल इसको स्वीकार कर लेगा।
- इन मुद्दों को सुलझाने के लिए ट्रंप ने शांति वार्ता आयोजित की है, शर्म-अल-शेख में, जिसमें बीस देश भाग ले रहे हैं।
- शांति वार्ता का दौर लंबा और कठिन होगा, पर, अभी तो गाज़ा में बंदूकें शांत हो गईं, यह अपने आप में भारी खुशखबरी है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। सभी जीवित 20 इज़रायली बंधकों को हमास ने रिहा कर दिया है। यह कदम इज़रायल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष को समाप्त करने की योजना के पहले चरण के रूप में उठाया गया है। इसके बदले में इज़रायल ने 2000 गिरफ्तार फ़िलिस्तीनियों को रिहा किया।

बंधकों और कैदियों की रिहाई दोनों तरफ़ बेहद भावनात्मक रही, एक ओर फ़िलिस्तीनियों ने अपने लोगों ज़ोरदार स्वागत किया, तो दूसरी ओर इज़रायली बंधकों का भी अपने परिवारों से भावनात्मक पुनर्मिलन हुआ।

दुर्भाग्य से, एकमात्र भारतीय हिंदू बंधक बिपिन जोशी इस चरण में हमास द्वारा रिहा किए गए लोगों में शामिल नहीं थे।

इज़रायल का कहना है कि अब हमास के पास कोई भी जीवित बंधक नहीं बचा है।

जबसे हमास के लड़ाकों ने हमला कर निर्दोष इज़रायलियों की हत्या की थी और फिर उनमें से कई को उनके घरों और आसपास के इलाकों से अगवा किया था, तबसे इज़रायल ने हमास और उसके कार्यकर्ताओं के ख़िलाफ़ कठोर सैन्य अभियान शुरू कर रखा था। लेकिन इस संघर्ष के बीच सबसे ज्यादा पीड़ा गाज़ा के आम नागरिकों को झेलनी पड़ी।

इस संघर्ष में लगभग 60,000 सामान्य गाज़ावासी नागरिक मारे गए। हमास ने चार बंधकों के शव भी लौटा दिए हैं। इन शवों के सौंपने की प्रक्रिया बेहद दुखद और शोकपूर्ण रही।

बंधकों और कैदियों की इस आपसी रिहाई के बाद, इस शांति योजना के मुख्य सूत्रधार डॉनल्ड ट्रंप ने इज़रायली संसद को संबोधित करते हुए घोषणा की कि गाज़ा में युद्ध अब समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह लंबा चला टकराव अब खत्म हो गया है।

हालाँकि, यह शांति प्रक्रिया का यह पहला नतीजा है, अब भी कई कठिन और जटिल मुद्दे बाकी हैं, जिनका समाधान किया जाना है। इनमें सबसे बड़ा और प्रमुख मुद्दा होगा हमास के लड़ाकों को निशस्त्र करना।

लेकिन हमास ने अपने हथियार डालने से इनकार कर दिया है। अब देखना यह होगा कि इज़रायल और अमेरिका इस पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमास के हथियार डलवाने का वादा किया था।

अगला मुश्किल कदम होगा गाज़ा के प्रशासन के लिए ऐसी व्यवस्था तैयार करना जो हमास से स्वतंत्र हो। शांति समझौते की एक शर्त यह थी कि हमास अब गाज़ा में नहीं रहेगा। लेकिन यह बात कुछ कमज़ोर नज़र आ रही है। ऐसी रिपोर्टें हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप अब पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर को इस प्रक्रिया में शामिल करने के विचार से पीछे हट गए हैं।

इन सभी अनिश्चितताओं के बावजूद, इतनी जल्दी युद्धिवराम होना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। गाज़ा में बंदूकों की आवाज़ें अब थम चुकी हैं।

इन मुद्दों के समाधान के लिए ट्रंप ने युद्धिवराम के तुरंत बाद एक शांति सम्मेलन का प्रस्ताव रखा। मिस्र के शर्म अल शेख शहर में डॉनल्ड ट्रंप की अध्यक्षता में होने वाली इस शांति वार्ता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीन विद्वानों को अर्थशास्त्र का नोबेल

स्टॉकहोम, 13 अक्टूबर। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को साल 2025 के लिए अर्थशास्त्र का नोबेल सम्मान जोएल मोकिर,फिलिप अघियन और पीटर होविट को देने की घोषणा की।

अकादमी ने इन अर्थशास्त्रियों के नामों की घोषणा करते हुए कहा" मोकिर

- ये तीनों हैं जोएल मोकिर, फिलिप अघियन और पीटर होविट।

ने हमें यह बताया कि कैसे नवाचार प्रगति के लिए प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि प्रौद्योगिकी तेज़ी से आगे बढ़ ती है और हम सभी को प्रभावित करती है। नए उत्पाद और उत्पादन विधियाँ पुराने उत्पादों और उत्पादन विधियों का स्थान ले लेती हैं। इस प्रकार निरंतर आर्थिक विकास चलता रहता है।

जोएल मोकिर एक डच मूल के अमेरिकी-इज़रायली आर्थिक इतिहासकार हैं, जिनका जन्म नीदरलैंड के लीडेन में एक यहूदी परिवार में हुआ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK CMYK

विचार बिन्दु

उपदेश के बजाय कहीं ज्यादा हम करके सीखते हैं। –बर्क

विश्वसनीयता खोता चुनाव आयोग

भारतीय संविधान के अनुसार देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की है। इसीलिए, इसे संवैधानिक दर्जा दिया गया है और सरकार के अधीन नहीं रखा गया है। उल्लेखनीय है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान सरकार के सारे अधिकारी/कर्मचारी भी निर्वाचन आयोग के नियंत्रण में आ जाते हैं। सामान्यतया चुनाव आयोग ने अपनी निष्पक्षता को बनाए रखा है। यदा-कदा, चुनाव आयोग से सत्ताधारी दल के पक्ष में निर्णय लेने के आरोप अवश्य लगे हैं।

इस प्रकार के आरोप दो परिस्थितियों में अधिक लगे हैं।

पहला, आदर्श आचार संहिता की सत्ता धारी दल के नेताओं द्वारा अवहेलना करने पर, चुनाव आयोग ने नरमी दिखाई, जबकि इसी प्रकार का उल्लंघन विपक्षी दलों द्वारा किए जाने पर निर्वाचन आयोग ने पूरी सख्ती के साथ विपक्षी दलों के नेताओं के विरुद्ध कार्यवाही की है।

दूसरा, निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा या विधानसभाओं के चुनाव के लिए तारीख तय करने की अधिसूचना जारी करते समय। देखा गया है कि चुनाव की अधिसूचना इस प्रकार जारी की जाती है कि सरकार को लोक लुभावनी घोषणाएं करने का पर्याप्त अवसर मिल जाए। हाल के कुछ वर्षों में इस प्रकार के आरोपों की संख्या में वृद्धि अवश्य हुई है। सत्ताधारी दल के नेताओं पर आचरण संहिता का उल्लंघन करने के संबंध में कार्रवाई करने के प्रश्न पर में चुनाव आयुक्तों में भी मतभेद हुए। ऐसे ही एक प्रसंग में तत्कालीन चुनाव आयुक्त अशोक लवासा द्वारा अपनी असहमति व्यक्त करने के कारण उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति से इस धारणा को बल मिला कि चुनाव आयोग सत्ताधारी दल के इशारे पर काम कर रहा है।

इस परिप्रेक्ष्य और पृष्ठभूमि में चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) की घोषणा 25 जून 2025 को की। घोषणा के साथ ही बिहार की मतदाता सूचियां के विशेष गहन परीक्षण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया। यह उल्लेखनीय है कि बिहार में चुनाव नवंबर 2025 में संभावित थे। समय की अत्यधिक कमी, बाढ़ की स्थिति और एस आई आर की वैधानिकता को लेकर कई राजनीतिक दलों, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स तथा चुनाव विश्लेषक योगेंद्र यादव ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिकाएं दायर कीं।

सुप्रीम कोर्ट में अनेक बार सुनवाई हुई और हर बार किसी-न-किसी बहाने से चुनाव आयोग तिथि बदलवाने में सफल रहा। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किसी प्रकार का स्थगन एस आई आर पर नहीं देने के कारण निर्वाचन आयोग द्वारा एस आई आर की प्रक्रिया 25 जून से निरंतर चलती रही। कई स्वतंत्र पत्रकारो एवं टीवी संवाददाताओं द्वारा यह निरंतर दिखाया गया कि किस प्रकार बी एल ओ अपने ही स्तर पर मतदाताओं के हस्ताक्षर करके मतदाता सूची में नाम अंकन करने के लिए फॉर्म भर रहे थे। इनकी कोई रसीद भी मतदाताओं को नहीं दी जा रही थी। इन सबके प्रमाण सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत करने पर भी न्यायालय ने किसी प्रकार का स्थगन नहीं दिया। केवल यह निर्देश दिया कि चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित 11 दस्तावेजों के साथ ही 'आधार' को भी मान्य दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने पर विचार किया जाए। 31 जुलाई को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी की गई जिसमें लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम कट गए थे।

निर्वाचन आयोग के 25 जून के निर्देशों के अनुसार बिहार के सभी मतदाताओं को एक फॉर्म भरकर देना था। 2003 की मतदाता सूची में जिनके नाम नहीं थे उन्हें तो अपने एवं माता-पिता के भारत के नागरिक होने का प्रमाण भी देना था। इसके लिए निर्वाचन आयोग ने 11 दस्तावेजों की एक सूची प्रकाशित की, जिसमें न तो वोटर आईडी कार्ड सम्मिलित था, न ही आधार कार्ड। निर्वाचन आयोग ने एस आई आर के पीछे जो मुख्य कारण बताए, उनमें अवैध रूप से भारत में रह रहे मतदाता सूची में शामिल लोगों के नाम हटाना एवं सभी भारतीय नागरिकों के नाम को मतदाता सूची में सम्मिलित करना था।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश गुप्ता ने एस आई आर को मतदाता सूचियां के 'शुद्धिकरण' का नाम दिया। तीन माह में एस आई आर की प्रक्रिया को बिहार में जिस प्रकार निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित किया गया, उसको देखकर तो केवल यही कहा जा सकता है कि निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण करने के बजाय इसका 'अशुद्धिकरण' कर दिया है। निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश गुप्ता के अनुसार एस आई आर का मुख्य उद्देश्य घुसपैठियों को मतदाता सूची से बाहर करना था।आज तक आयोग यह नहीं बता पाया कि जिन व्यक्तियों के नाम हटाए गए उनमें से कितने घुसपैठिए थे?

कई ऐसे लोगों के नाम अवश्य हटा दिए गए जो वैध रूप से भारत के नागरिक थे और कई वर्षों से मतदान में हिस्सा ले रहे थे। एक बार सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सुनवाई में यहां तक कहा था कि यदि एक भी मामला हमें गलत मिला तो हम पूरी एस आई आर की प्रक्रिया को ही रद्द कर देंगे। आगामी सुनवाई की तिथि पर योगेंद्र यादव ने 16 ऐसे व्यक्तियों को माननीय सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के सम्मुख प्रस्तुत कर दिया जिन्हें मृत बनाकर उनके नाम काट दिए गए थे किंतु वे जीवित थे। इसी आधार पर, सुप्रीम कोर्ट चाहता तो एस आई आर की प्रक्रिया को रद्द कर सकता था, किंतु ऐसा नहीं किया गया।

पहली बार इस एस आई आर में नागरिकता सिद्ध करने की जिम्मेदारी मतदाताओं पर डाल दी गई।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश गुप्ता ने एस आई आर को मतदाता सूचियां के 'शुद्धिकरण' का नाम दिया। तीन माह में एस आई आर की प्रक्रिया को बिहार में जिस प्रकार निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित किया गया, उसको देखकर तो केवल यही कहा जा सकता है कि निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण करने के बजाय इसका 'अशुद्धिकरण' कर दिया है।

मजेदार बात यह है कि भारत में किसी भी व्यक्ति के पास अपनी नागरिकता सिद्ध करने का कोई प्रमाण नहीं है। निर्वाचन आयोग ने जो 11 दस्तावेज मान्य किए, उन्हें किस प्रकार से नागरिकता के प्रमाण के रूप में निर्वाचन आयोग ने मान लिया, इसका कोई स्पष्ट उत्तर निर्वाचन आयोग, सर्वोच्च न्यायालय में नहीं दे पाया। याचिका कर्ताओं ने 'आधार' को 11 दस्तावेजों के साथ ही 12 वें दस्तावेज के रूप में मान्य करने की मांग की। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्पष्ट निर्देशों के अभाव में निर्वाचन आयोग ने आधार को केवल उन 65 लाख मतदाताओं के बारे में मान्य किया जिनके नाम ड्राफ्ट सूची में हटा दिए गए थे। इसके अलावा लगभग 7 करोड़ अन्य मतदाताओं के लिए आधार को मान्य दस्तावेज माना अथवा नहीं, इस बारे में कोई चुनाव आयोग ने स्थिति स्पष्ट नहीं की।

कई ऐसे लोगों के नाम भी मतदाता सूचियां में शामिल हो गए जिनका नाम-पता स्पष्ट नहीं था। उनके नाम किस प्रकार सम्मिलित किए गए इसका भी कोई आधार स्पष्ट नहीं किया गया।

शायद यह इसलिए किया गया कि निर्वाचन आयोग को आशंका हुई कि यदि निर्धारित 11 दस्तावेजों में से किसी एक के आधार पर ही मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किए गए, तो कुल मतदाताओं की संख्या 8 करोड़ से घटकर लगभग 6 करोड़ रह सकती थी। इस कारण अनौपचारिक रूप से, बीएलओ को आपाधापी में सभी नामों को सम्मिलित करने का एक प्रकार से अलिखित आदेश दे दिया गया। इसका परिणाम बीएलओ द्वारा की गई मनमानी के रूप में सामने आया। यह मनमानी, स्पष्ट है कि, सत्ताधारी दल के प्रभाव में ही की गई होगी।

ऐसे वीडियो सामने आए हैं जिनसे पता चलता है कि एक ही बी एल ओ द्वारा अनेक व्यक्तियों की तरफ से हस्ताक्षर करके नाम जुड़वाने के लिए प्रार्थना पत्र दे दिए गए और ऐसे नाम जुड़ भी गए। अजीत अंजुम जैसे पत्रकारों ने तो ऐसे कई वीडियो प्रक्रिया के आरंभिक दौर में ही प्रसारित कर दिए थे। चुनाव आयोग के अनुसार ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशन से पहले ही 99.2% व्यक्तियों ने अपने फॉर्म भर कर दे दिए थे। बाढ़ के दौरान कैसे इतने लोगों के फॉर्म आ गए ,यह आश्चर्यजनक है क्योंकि बिहार के लाखों लोग अन्य राज्यों में मजदूरी हेतु जाते हैं और शिक्षा का स्तर भी देश में सबसे कम है। अतः यह आशंका निर्मूल नहीं है कि कई ऐसे व्यक्तियों के नाम जुड़ गए हैं जो मतदाता बनने के पात्र नहीं थे। एक अनुमान के अनुसार लगभग 40% व्यक्तियों ने ही 11 में से कोई एक दस्तावेज अपने फार्म के साथ जमा कराया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद अब तक चुनाव आयोग ने उन लोगों की सूची सार्वजनिक नहीं की है जिनके नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं। नाम काटने के कारण भी नहीं बताए हैं।। यह भी उल्लेखनीय है कि लगभग 4 लाख ऐसे लोगों के नाम सम्मिलित हैं जिनके न तो पते स्पष्ट हैं और न ही नाम।

यदि सुप्रीम कोर्ट पहली तिथि पर ही यह स्पष्ट रूप से निर्देश दे देता कि नागरिकता को जांचने का अधिकार चुनाव आयोग का नहीं है और 11 दस्तावेजों के आधार पर नागरिकता सिद्ध नहीं होती है, तो एस आई आर की प्रक्रिया तब ही रद्द कर दी जाती। यह पहली बार हो रहा है कि प्रत्येक उस मतदाता को भी फॉर्म भरकर देने की आवश्यकता पड़ रही है जिसने कई बार मतदान किया है।

बिहार की संभावित 8.28 करोड़ वयस्क जनसंख्या की तुलना में 7.42 करोड़ व्यक्तियों के नाम ही अंतिम मतदाता सूची में निर्वाचन आयोग द्वारा प्रकाशित किए गए हैं। यह संभव है कि लाखों ऐसे लोगों के नाम छूट गए हों जिनके नाम इसमें होने चाहिए थे और इसी प्रकार से लाखों ऐसे लोगों के नाम जुड़ गए हों जिनके नाम नहीं होने चाहिए थे, क्योंकि सारा काम अत्यंत जल्दबाजी में किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कोई स्पष्ट निर्णय नहीं दिया और प्रक्रिया को जारी रखने दिया। अब सुप्रीम कोर्ट अगली तिथि पर शायद यही कहेगा कि चुनाव की घोषणा हो चुकी है तिथियां निर्धारित हो चुकी हैं, मतदाता सूची अंतिम हो चुकी है, अतः इसमें अब किसी प्रकार का दखल देना संभव नहीं है। क्या इस प्रकार की स्थिति न्याय और निष्पक्षता की दृष्टि से सही कही जा सकती है? पहले तो आप समय पर निर्णय न करें और बाद में यह कह दें कि अब बहुत विलंब हो गया है और कुछ नहीं किया जा सकता।

यदि वास्तव में निर्वाचन आयोग ने भारतीय मतदाताओं की नागरिकता जांच के पश्चात उनके नाम मतदाता सूची में शामिल किए हैं, तो क्या भारत सरकार यह स्पष्ट करेगी कि जिन व्यक्तियों के नाम मतदाता सूचियों में है उन सबको भारतीय मान लिया जाएगा और उसके आधार पर उन्हें भारतीय नागरिक को मिलने वाली सभी सुविधाएं प्रदान कर दी जाएंगी? क्या जिन व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में नहीं हैं, वे भारतीय नागरिक नहीं माने जाएंगे एवं क्या उन्हें भारतीय नागरिक को मिलने वाली सभी सरकारी सुविधाओं और अधिकारों से वंचित कर दिया जाएगा? जब तक इस प्रश्न का उत्तर चुनाव आयोग और भारत सरकार द्वारा नहीं दिया जाएगा तब तक एस आई आर के उद्देश्य और इसकी परिणति पर शंका के बादल मंडराते रहेंगे।जनता को यही लगेगा कि मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के नाम पर की गई कवायद ने मतदाता सूचियां के 'अशुद्धिकरण' का ही काम किया है।

निर्वाचन आयोग को अपने हर गलत काम का बचाव करने के स्थान पर एक खुला दृष्टिकोण अपनाना चाहिए था और अपनी गलतियों को स्वीकार करते हुए अपने निर्देशों में परिवर्तन करना चाहिए था। ऐसा नहीं करने से ही इस धारणा को बल मिला कि निर्वाचन आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से नहीं, अपितु सत्ताधारी दल के राजनीतिक लाभ के लिए सभी निर्णय ले रहा है। यह स्थिति लोकतंत्र के मूल स्वरूप पर आघात करने वाली होगी क्योंकि देश में निष्पक्ष चुनाव की प्रथम आवश्यकता मतदाता सूचियों का होना है। देखते हैं, आगामी तिथि पर सर्वोच्च न्यायालय क्या निर्णय लेता है? लगता तो ऐसा ही है कि योगेंद्र यादव, विभिन्न वकीलों के तर्क का हश्र वैसा ही हुआ जैसे "भैंस के आगे बीन बजाना"। निर्वाचन आयोग को यदि अपनी पुरानी छवि को पुनः प्राप्त करना है तो उसे खुले मन से चर्चा हेतु तैयार रहना होगा और निष्पक्षता का पूरी तरह सार्वजनिक प्रदर्शन भी करना होगा। यदि ऐसा कर पाया तो निर्वाचन आयोग अपनी खोई हुई विश्वसनीयता को पुनः प्राप्त करने में सफल हो पाएगा।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राजस्थान के विश्वविद्यालयों का वित्तीय संकट: कारण, प्रभाव और समाधान

अशोक कुमार

राजस्थान के विश्वविद्यालयों के वित्तीय संकट का विश्लेषण करने के लिए, हमें इसकी आय और व्यय दोनों को समझना होगा, साथ ही उन चुनौतियों पर भी गौर करना होगा जो इसे एक स्थायी वित्तीय संकट की ओर धकेल रही हैं।

राजस्थान विश्वविद्यालय की आय के मुख्य स्त्रोत हैं:–

छात्र शुल्क : यह विश्वविद्यालय की आय का एक बड़ा हिस्सा होता है। हालांकि, सरकारी नीतियों के कारण, कुछ वर्गों के छात्रों को फीस में छूट मिलती है, जिससे विश्वविद्यालय की आय प्रभावित होती है। विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के बाद से ही राज्य सरकार पर निर्भर रहा है। हालांकि, पिछले कुछ सालों में सरकार द्वारा मिलने वाला अनुदान स्थिर रहा है या कम हुआ है, जबकि विश्वविद्यालय के खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। इसके अलावा, कुछ आय संपत्ति से ब्याज, किराये, विभिन्न परीक्षाओं से परीक्षा शुल्क, महाविद्यालयों के संबंधता और अनुसंधान परियोजनाओं से आती है।

विश्वविद्यालय के खर्चों को देखें तो इसमें कई महत्वपूर्ण मदें हैं, जो वित्तीय बोझ बढ़ाती हैं:–

कर्मचारियों का वेतन और पेंशन : यह विश्वविद्यालय के कुल व्यय का सबसे बड़ा हिस्सा है। नए वेतन आयोग की सिफारिशों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की बढ़ती संख्या के कारण, यह खर्च लगातार बढ़ रहा है।

अनुसंधान और शिक्षण सामग्री : गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व अनुसंधान के लिए आधुनिक उपकरण, प्रयोगशालाएं और पुस्तकालय की आवश्यकता होती है, जिसके लिए पर्याप्त धन की कमी है। विश्वविद्यालय के पुराने भवनों की मरम्मत और नई सुविधाओं के निर्माण के लिए भी बड़ी राशि की आवश्यकता होती है।

वित्तीय दुर्दशा के प्रमुख कारण

सरकारी नीतियों का प्रभाव: राजस्थान सरकार द्वारा विश्वविद्यालय की विभिन्न स्त्रोतों से मिली आय का 25 प्रतिशत आय काटा जाना और वंचित वर्ग के छात्रों की फीस का बोझ विश्वविद्यालय पर डालना वित्तीय संकट का एक मुख्य कारण है। यदि यह पैसा विश्वविद्यालय को वापस मिल जाए तो इसकी आय में महत्वपूर्ण वृद्धि हो सकती है। केंद्र और राज्य सरकारों से मिलने वाले अनुदान में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई है, जबकि महंगाई और कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी के कारण खर्चों में लगातार वृद्धि हो रही है। अन्य विश्वविद्यालयों की तरह, राजस्थान विश्वविद्यालय में निजी स्व-वित्तपोषण महाविद्यालयों की संख्या मे कमी और स्व-वित्तपोषण पाठ्यक्रमों की संख्या बहुत कम है, जो आय के नए रास्ते खोल सकते थे। कर्मचारियों की बढ़ती संख्या और पेंशन का बढ़ता बोझ विश्वविद्यालय के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है।

राजस्थान में कई सरकारी विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों और शिक्षकों को समय पर पेंशन नहीं मिल रही है। यह वित्तीय बोझ विश्वविद्यालयों पर है, और उनकी आर्थिक स्थिति पहले से ही खराब होने के कारण वे पेंशन का भुगतान करने में असमर्थ हैं। जोधपुर के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जैसे कई संस्थानों में पेंशनर्स को महीनों तक पेंशन का इंतजार करना पड़ता है, जिसके विरोध में वे लगातार आंदोलन भी कर रहे हैं। कर्मचारी संघों की मुख्य मांग यही है कि पेंशन का पूरा दायित्व राज्य सरकार को उठाना चाहिए, क्योंकि वे राज्य के ही कर्मचारी हैं।

बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में, सरकारें नियमित रूप से विश्वविद्यालयों को वेतन और पेंशन के भुगतान के लिए सीधे तौर पर करोड़ों रुपये का अनुदान देती हैं। ये सरकारें विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन के लिए पूर्ण वित्तीय जिम्मेदारी लेती हैं।

क्यों सरकार को यह दायित्व उठाना चाहिए?

सामाजिक सुरक्षा का दायित्व: पेंशन कर्मचारियों की जीवन भर की सेवा का प्रतिफल है और यह उनकी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करती है। यह सरकार का नैतिक और संवैधानिक दायित्व है कि वह अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आवश्यक पेंशन प्रदान करे।

समानता का सिद्धांत: जब राज्य सरकार अन्य विभागों के कर्मचारियों (जैसे पुलिस, शिक्षा विभाग, आदि) को सीधे पेंशन देती है, तो विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों के साथ भी यही नीति लागू होनी चाहिए। पेंशन नीतियों में यह दोहरा मापदंड कर्मचारियों के बीच असंतोष पैदा करता है।

विश्वविद्यालयों पर वित्तीय बोझ कम करना: यदि सरकार पेंशन का भुगतान करती है, तो विश्वविद्यालयों पर पड़ने वाला एक बड़ा वित्तीय बोझ कम हो जाएगा। इससे विश्वविद्यालय अपनी आय का उपयोग छात्रों के लिए बेहतर बुनियादी ढाँचा, अनुसंधान और शैक्षिक सुविधाओं को बेहतर बनाने में कर सकेंगे, जैसा कि आपने पहले उल्लेख किया था।

राज्य की प्रतिष्ठा: जब सेवानिवृत्त शिक्षक और कर्मचारी पेंशन के लिए सड़कों पर प्रदर्शन करते हैं, तो इससे राज्य की प्रतिष्ठा पर बुरा असर पड़ता है। सरकार का यह कदम न केवल कर्मचारियों को राहत देगा, बल्कि राज्य की छवि को भी सुधारेगा।

समाधान की राह: सरकार को विश्वविद्यालय की 25 प्रतिशत आय में कटौती बंद करनी चाहिए और वंचित वर्ग के छात्रों की फीस सीधे विश्वविद्यालय को देनी चाहिए, जैसा कि उत्तर प्रदेश सरकार करती है। विश्वविद्यालय को अपनी आय बढ़ाने के लिए स्व-वित्तपोषण पाठ्यक्रम शुरू करने चाहिए, अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देना चाहिए, और उद्योगों के साथ साझेदारी करनी चाहिए। वि.वि को अपने खर्चों को नियंत्रित करना चाहिए, विशेषकर गैर-आवश्यक खर्चों को कम करके।

यह स्पष्ट है कि राजस्थान सरकार को अन्य राज्यों के समान विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों और शिक्षकों की पेंशन का पूरा दायित्व उठाना चाहिए। यह न केवल वित्तीय रूप से विवेकपूर्ण कदम है, बल्कि यह न्याय, समानता और सामाजिक सुरक्षा के सिद्धांतों के भी अनुरूप है। यह कदम राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। जब तक इन मुद्दों को संबोधित नहीं किया जाता, तब तक राजस्थान के विश्वविद्यालयों की वित्तीय स्थिति में सुधार करना बहुत मुश्किल होगा। यह न केवल विश्वविद्यालय के लिए बल्कि राज्य की उच्च शिक्षा के भविष्य के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, कानपुर एवं गोरखपुर वि.वि.,

यथार्थ से रूबरू कराता एक दिवा स्वप्न : "अंग्रेजी में लिखी पंक्तिओं 'फुट प्रिंट्स' पर आधारित, हिंदी अनुवाद"

प्रो. वीर बहादुर सिंह

किसी व्यक्ति ने एक स्वप्न देखा कि वह ईश्वर के साथ मित्रतापूर्वक सैर करने समुद्र के किनारे जा रहा है। दोनों ने बड़ी घनिष्ट वार्तालाप करते काफी दूरी तय कर ली।

भक्त ने प्रभु से पूछा कि–'आप मेरे साथ कहाँ तक चलेंगे?' प्रभु का उत्तर–'जहाँ तक तुझे जाना है वहां तक!' भक्त बहुत प्रसन्न हुआ और चलते-चलते किनारे की गीली रेत में पीछे कभी-कभी देखता जाता वह खुश होता यह देखकर कि हम दोनों के पद चिन्ह रेत में पीछे दिख रहे हैं। भक्त को अहसास हुआ कि अच्छा है प्रभु मेरे साथ हैं।

आगे कुछ दलदल और कंटकापूर्ण स्थान आया जहाँ से सुगमता से पार जाना मुश्किल था, भक्त ने बड़ी कठिनाई से वह कठिन डगर पार की और पीछे मुड़कर देखा तो उसे केवल एक ही पद चिन्ह दिखाई दिए। भक्त बहुत निराश हुआ और सोचा कि मेरे साथी तो कठिन मार्ग आते ही साथ छोड़ गए।

इसी उधेड़बुन में भक्त ने फिर कुछ सुगम दूरी तय की तो उसने देखा कि अब फिर से दो लोगों के पद चिन्ह बन रहे हैं। अब तो भक्त ने शिकायत भरा उलाहना दिया और प्रभु से बोला कि देख ली आपकी प्रतिज्ञा। प्रभु बोले क्यों क्या हुआ, भक्त ने कहा–'जब कठिन डगर आयी तो आप मेरा साथ छोड़ कर भाग लिए।' प्रभु ने पूछा कैसे? भक्त बोला, जैसे ही मार्ग कठिन आया, जिसे मेंने अपने पूरे मनोबल और संघर्ष से पार किया और पीछे मुड़ कर देखा।

तो उस कंटिका पूर्ण राह पर केवल मेरे ही पदचिन्ह थे। प्रभु बोले–'मूर्ख, वो एक पद चिन्ह केवल मेरे थे उस कठिन डगर पर मैंनें तुझे अपने कंधे पर बिठा लिया था क्योंकि तू उस कठिन रास्ते को पार करने में असमर्थ हो रहा था। तो फिर पद चिन्ह तेरे कैसे बनते?'

भक्त सोच में पड़ गया और फिर सावचेत मुद्रा में आने पर प्रभु से अपने अज्ञान के लिए पश्चाताप कर क्षमा मांगी। सारांश ये है कि बिना ईश्वर कृपा के मनुष्य, जीवन में एक कदम आगे नहीं बढ़ सकता। सम्पूर्ण जीवन संघर्षमय, मुसीवतों और कठिनाइओं से भरा पड़ा है। सभी प्राणीओं के जीवन में भी ऐसा ही है। अतः विश्वास के साथ ईश्वर को सदैव साक्षी मान कर जीवन को जियो।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
डेरी एंड खाद्य विज्ञ, उदयपुर

सेवा का पर्व, बदलाव का संकल्प-लाखों लोगों की समस्याओं का हुआ मौके पर समाधान

ईशा सैनी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय को साकार करने के लिए गत 20 माह में अनेक अभिनव कदम उठाए हैं। इसी कड़ी में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक राज्यभर में संचालित किए जा रहे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर-2025 ने जनसेवा के नए आयाम स्थापित किए हैं।

हनुमानगढ़ के सेवा शिविरों में गूँज रही जनकल्याण की सफलता की कहानियाँ–हनुमानगढ़ जिले की भादरा तहसील के भोजासर ग्राम पंचायत के सेवा शिविर में चक 1 बीएचपी के किसान जुल्फिकार खान और रफीक खान के बीच लगभग 40 वर्षों से लंबित भूमि विवाद को राजस्व विभाग की टीम ने समझाइश से आपसी सहमति में सुलझाया। दोनों पक्षों में खातेदारी भूमि का विभाजन व रास्ते का अंकन करवाया गया। इस पहल से दो पीढ़ियों से चला आ रहा विवाद समाप्त हुआ और दोनों परिवारों ने राहत की सांस ली।

संगरिया तहसील के संतपुरा ग्राम पंचायत के शिविर में एक वृद्ध महिला गुरदेव कौर ने बताया कि संयुक्त खाते के कारण उसकी कृषि भूमि पर बार-बार विवाद होता था। उपखंड अधिकारी ने मौके पर ही अलग खाता जारी करवाया और नकल प्रदान की। भावुक होकर गुरदेव कौर बोलीं, कुछ लोगों के दिलों में आज भी राम हैं, आज सच्चाई की जीत हुई है। इसी शिविर में स्थानीय युवाओं को गिरदावरी का प्रशिक्षण भी दिया गया।

रावतसर की ग्राम पंचायत नैवासर में आयोजित शिविर में जगमाल पुत्र बीरबलराम को उसके आवास का मालिकाना पट्टा प्रदान किया गया। वर्षों से बिना दस्तावेज के रह रहे इस परिवार को अब अपने घर पर कानूनी अधिकार मिला। शिविर में मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना के अंतर्गत पंजीयन भी किए गए, जिससे वृद्धजनों को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। युवाओं के लिए पंचायत ने खेल मैदान निर्माण की घोषणा कर भविष्य के प्रति विश्वास जगाया।

हनुमानगढ़ तहसील के 22-23 एनडीआर ग्राम पंचायत निवासी मोमन राम व भेरा राम जैसे गरीब परिवार अब खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित हो गए हैं। वर्षों से सरकारी अनाज से वंचित ये परिवार अब नियमित रूप से गेंहूँ प्राप्त कर रहे हैं।

नोहर तहसील के ढंढेला गाँव के कालूराम वर्षों से अपने घर के स्वामित्व को लेकर परेशान थे। स्वामित्व योजना के तहत ड्रोन सर्वे से भूमि का डिजिटल नक्शा बना और उन्हें आवासीय स्वामित्व प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। आज वे बैंक से ऋण भी ले पा रहे हैं और सरकारी योजनाओं का लाभ भी। कालूराम कहते हैं, यह प्रमाण पत्र नहीं, आत्मसम्मान का प्रतीक है।

पीलीबंगा तहसील के प्रेमपुरा ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान दस परिवारों को मालिकाना हक के प्रॉपर्टी पार्सल जारी किए गए। लाभार्थी ईमीचंद ने कहा, सालों की समस्या एक दिन में दूर हो गई। अब हम बैंक से लोन भी ले सकेंगे और सरकारी योजनाओं का लाभ भी। उनके चेहरे की मुस्कान सेवा शिविर की सफलता की असली पहचान बनी। ग्राम पंचायत 4 केएसपी, टिब्बी में सात काश्तकारों के संयुक्त खाते का आपसी सहमति से विभाजन कर किसानों को राहत दी गई। किसानों ने कहा-सरकार ने सच में गाँव तक सरकार पहुँचाई है।

चूरू जिले के तारानगर के कोहिणा निवासी पशुपालक जयकरण ने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना अंतर्गत 22 जून, 2025 को अपने पशुधन ऊंटनी का बीमा करवाया था। दुर्भाग्यवश 16 जुलाई, 2025 को ऊंटनी की मृत्यु हो जाने से पशुपालक जयकरण को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा था। फिर 18 सितंबर को कोहिणा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में उपस्थित होकर उन्होंने अपने पशुबीमा क्लेम की जानकारी ली, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पशुपालन विभाग की टीम ने उन्हें उनके पशु बीमा क्लेम की जानकारी दी। शिविर प्रभारी व पशुपालन विभाग की टीम ने शिविर में मौके पर ही पशुपालक जयकरण को उनकी ऊंटनी के बीमा के अंतर्गत 40 हजार रुपए की क्लेम राशि उनके बैंक खाते में जारी होने का क्लेम स्टेटमेंट सौंपा।

हनुमानगढ़ और चूरू जिले में अभियान की ये सफलताएं राज्य के प्रत्येक जिले, उपखंड और ग्राम पंचायत की सफलता की कहानियां हैं। सेवा शिविर इस बात कर प्रमाण हैं कि राजस्थान सरकार की जनसेवा, जनकल्याण और जनविश्वास की नीति सिर्फ़ नारों में नहीं, ज़मीन पर उतर चुकी है। सेवा शिविरों ने यह साबित कर दिया है कि जब सरकार घर-घर सेवा के भाव से कार्य करती है, तब हर नागरिक को न केवल उसका अधिकार मिलता है बल्कि आत्मसम्मान और विश्वास भी लौट आता है।

–ईशा सैनी, एपीआरओ,
राजस्थान सरकार

राशिफल मंगलवार 14 अक्टूबर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, पुनर्वसु नक्षत्र दिन 11:54 तक, सिद्ध योग रात्रि 4:11 तक, कौलव करण दिन 11:10 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज प्लुटो मार्गी प्रातः 8:20 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:21 से 10:47 तक, लाभ अमृत 10:47 से 1:39 तक, शुभ 3:05 से 4:31 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:29, सूर्यास्त 5:56

मेष
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

कर्क
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष और भय बना रहेगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृश्चिक
धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। घर-परिवार कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

Hero
125M
CELEBRATING 125 MILLION CUSTOMERS
आया त्योहार हीरो पे सवार
XTREME 125R
Splendor+ XTEC 2.0
पुराना एक्स-शोरूम
~~₹1 00 534~~
शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत
₹92 679#
GST लाभ ₹7 855
सीमित अवधि ऑफर
पुराना एक्स-शोरूम
~~₹80 491~~
शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत
₹74 202#
GST लाभ ₹6 289
इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000^ तक
HDFC BANK FESTIVE TREATS क्रेडिट कार्ड
Powered by pine labs
कैश बोनस ₹3 500*
विशेष कॉर्पोरेट ऑफर्स ₹3 200~ तक
प्रतिदिन EMI ₹69$ से शुरू
डाउन पेमेंट ₹1 999$ से शुरू
INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply
Hero GoodLife
पाएं जीतने का मौका
100% कैशबैक
24 कैरट सोने का सिक्का
और कई अन्य सुनिश्चित लाभ*
Additional offers on:
Flipkart amazon.in
Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. ^T&C apply, Offer available only on limited stores. *Limited period offer, T&C apply. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. #Ex-showroom price of base variant of Splendor+ and Xtreme125R in Rajasthan.
TOLL FREE 1800 266 0018
अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड़, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, सुप्रीम हीरो, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, आकड़ हीरो, अजमेर रोड, 9289922192, शुभम हीरो, सहकार मार्ग, 9289922207, कोटपूतली: चौधरी हीरो, 9289922797, एसोशिएट डीलर: मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स, 9579258884, जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स, 8003088062, करबला (जयपुर): सुपर मोटर्स, 8824088678, सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन, 9261499995, बगरू: लाम्बा मोटर्स, 97728 81888, भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स, 9314013185, चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल, 9950560918, बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स, 9414312552, सर्राफ ऑटोमोबाइल्स, 9414751333, दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स, 9352727667, शाहपुरा: सत्यम मोटर्स, 8104361919, हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स, 9314050594, फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414818930, जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स, 9828090676, जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स, 8769505565, पावटा: पंकज मोटर्स, 96104 26700, कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स, 9414228404, मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स, 8560000816, 9414643816, अचरोल: हैप्पी ऑटोमोबाइल, 9829321200, 7073888288 आंतेला: सैनी ऑटोमोबाइल्स, 7790999997, जयपुर: हार्दिक मोटर, 9828085118, रेनवाल मांजी: सालासर मोटर्स, 9001094391, मेढ़: किरण मोटर्स, 9314039090, झोटवाड़ा: प्राइम मोटर्स, 9358048181, वाटिका: बालाजी मोटर्स, 8875558222, 9549997999, तुंगा: जय बालाजी मोटर्स, 8094528008, 9549652279, कोटखावादा: श्री राम मोटर्स, 9414866716, विराटनगर: बागड़ा मोटर्स, 9928776482, वैशाली नगर: सिद्धिक मोटर्स, 9610444469, कुकस: आदित्य मोटर्स, 9829494009, दौलतपुरा: त्रिवेणी मोटर्स 6377644292.

संक्षिप्त

डॉ.बुनकर व वर्मा 'उत्कृष्ट समाजसेवा अवार्ड' से सम्मानित

शाहपुरा। उपखंड के बिदारा निवासी समाजसेवी डॉ पूरणमल बुनकर व कांट निवासी लीलाधर वर्मा को समाज सहयोगी संस्थान के तत्वावधान में जयपुर के निजी सभागार में आयोजित चतुर्थ छात्रवृत्ति वितरण व सम्मान समारोह में समाजसेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष बीएल जाटावत, सेवानिवृत्त आईपीएस गुरूचरण रॉय, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रूपेन्द्र चौहान, सेवानिवृत्त एडीएम कालूराम बुनकर, प्राचार्य डॉ कैलाश मोरदिया, अशोक सामरिया, गिरधारी चौहान, हेमंत निर्मल आदि अतिथियों स्मृति चिन्ह, माल्यार्पण कर "उत्कृष्ट समाजसेवा अवार्ड " से सम्मानित किया गया।

पथ संचलन निकाला

फुलेरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का अनुशासित पथ संचलन बड़े उत्साह और गरिमा के साथ निकाला गया। पथ संचलन बालाजी रोड स्थित आदर्श विद्या मंदिर स्कूल से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए पुन आदर्श विद्या मंदिर में समापन किया गया। हर गली-चौराहे पर भारत माता की जय, जय राम और वंदे मातरम् के जयघोष गूंज उठे, जिससे पूरा नगर देशभक्ति के रंग में रंग गया। नगर में जगह-जगह रंगोलियां सजाई गईं, लोगों ने जगह जगह पुष्प वर्षा करके स्वयंसेवकों का स्वागत किया, इसी कड़ी में व्यापार महासंघ अध्यक्ष मनोज आहूजा के नेतृत्व में व्यापारियों ने जेसीबी मशीन पर चढ़कर पुष्प वर्षा की वहीं दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत के अध्यक्ष अशोक वासदेव सहित मातृ शक्तियों, व्यापारियों, बच्चों और नगरवासियों ने घरों-दुकानों से जयघोष करते हुए संघ के अनुशासन और देशप्रेम का अभिनंदन किया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने विशेष मंच से पुष्पवर्षा कर पथ संचलन का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में कतारबद्ध व अनुशासित पथ संचलन किया।

वीरेंद्र बने पटवार संघ के अध्यक्ष

निवाई। राजस्थान पटवार संघ के आदेशानुसार पटवार संघ उपशाखा निवाई के त्रैवार्षिक चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। जिसमें सर्वसम्मति से पटवारी वीरेंद्र गुर्जर को निर्विरोध अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया। इसी प्रकार कार्यकारिणी में देवकीनन्दन यादव को उपाध्यक्ष, मोनू चौधरी को महामंत्री, रामेत मीना को कोषाध्यक्ष, राजेश मीना को सयुक्त मंत्री व हेमराज गुर्जर को संघटन मंत्री के पद पर मनोनीत किया गया। इस दौरान नवनियुक्त अध्यक्ष वीरेंद्र गुर्जर सहित समस्त कार्यकारणी को पद व गोपनियता की शपथ दिलाकर माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया गया।

यज्ञ में आहुतियां देकर की खुशहाली की कामना

दौसा। ग्राम पंचायत काली पहाड़ी में भैरव महाराज के मंदिर परिसर के समीप दो दिवसीय संगीतमय रामायण पठन, हवन, यज्ञ पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न हुआ। आचार्य रामस्वरूप कटारा सिण्डोली वाले ने बताया कि इस दौरान श्रद्धालुओं ने हवन यज्ञ में आहुतियां देकर क्षेत्र में खुशहाली की कामना की गई। इस दौरान राम दरबार सजाया गया, साथ ही भैरव महाराज की फूल बंगला झांकी सजाई गई। यज्ञ में आहुतियां दी गई पूर्णाहुति व महा आरती के बाद विशाल भण्डारे का आयोजन किया गयाद्व जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान पण्डित प्रेम प्रकाश कटारा, मनमोहन शर्मा, राकेश शर्मा, राजेश शर्मा कल्याण सहाय मीणा, भगवान सहाय मीणा, मूलचंद मीणा पूर्ण मल मीणा,ओम प्रकाश मीणा, विश्राम मीणा आदि मौजूद रहे।

21 सूत्रीय मांग पत्र पर धरना दिया

मनोहरपुर। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील के प्रदेश अध्यक्ष बना राम चौधरी के नेतृत्व में हजारों शिक्षकों ने शिक्षा निदेशक बीकानेर कार्यालय के बाहर 21 सूत्रीय मांग पत्र पर धरना दिया, यह जानकारी प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रह्लाद सहाय जाट ने दी है।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने किया सिंदूर स्मारिका वाटिका का लोकार्पण

> भारत की सरहदों की रक्षा और देश की अखंडता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से कुशल नेतृत्व और वीर सैनिकों ने पाकिस्तान को सटीक जवाब दिया - शर्मा

कोटपूतली। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान सरकार संजय शर्मा ने सोमवार को कोटपूतली स्थित पानादेवी मोरीजावाला राजकीय कन्या महाविद्यालय परिसर में सिंदूर स्मारिका वाटिका का लोकार्पण किया। स्मारिका पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी हीरालाल रावत, रतनलाल शर्मा, प्राचार्य डॉ. आर.पी. गुर्जर एवं संकरलाल कसाना उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत स्मारिका पट्टिका के अनावरण, दीप प्रज्वलन एवं सात सिंदूर के पौधों के रोपण से हुई। मंत्री शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की सरहदों की रक्षा और देश की अखंडता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले में प्रभावित निर्दोष पर्यटकों को हम श्रद्धांजलि अर्पित करते है, प्रधानमंत्री और सरकार के कुशल नेतृत्व और वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान को सटीक जवाब दिया। मंत्री ने छात्राओं से आग्रह किया कि वे इस वाटिका में लगाए गए सिंदूर के पौधों की देखभाल करें और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के अनुसार कोटपूतली में बनने वाली लेपर्ड सेंचुरी की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। शीघ्र ही एक बड़ा लेपर्ड कंजर्वेशन एरिया विकसित होने जा रहा है। पर्यटन और वन संरक्षण पर मंत्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान में 5 टाइगर रिजर्व और 2 नेशनल पार्क हैं, जिनमें 135 बाघ हैं। पर्यटकों को बेहतर सुविधा देने हेतु अब ऑनलाइन टिकटिंग व्यवस्था सुदृढ़ की गई है। यही प्रयास है कि पर्यटकों को सुरक्षित, स्वच्छ और समृद्ध प्राकृतिक वातावरण मिले।

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से पूरा विश्व जूझ रहा है, उसका एक ही उपाय है कि वृक्षारोपण करें और प्रकृति का संरक्षण करें। इसके साथ ही पॉलीथिन का उपयोग न करें और यह संकल्प लेकर कि पानी की एक-एक बूंद बचाएंगे, वृक्षारोपण करेंगे और पॉलीथिन का उपयोग नहीं करेंगे, आने वाली पीढ़ियों को ये सौगात दें।

विशिष्ट अतिथि हीरालाल रावत ने कहा कि 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम हमले में शहीद हुए पर्यटकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। भारत की ओर आंख उठाने वाले हर कायराना प्रयास का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। प्राचार्य डॉ. आर.पी. गुर्जर ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि यह स्मारिका राजस्थान की पहली ऐसी स्मारिका है जो ऑपरेशन सिंदूर की स्मृति में निर्मित की गई है, जिससे छात्राओं में राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना का संचार होगा।

मिलन सौर ऊर्जा केंद्र को आरईसी लिमिटेड ने सम्मानित किया

जयपुर। मिलन सौर ऊर्जा केंद्र को आरईसी लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम) द्वारा राजस्थान में पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 10 मेगावाट से अधिक रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन का अद्वितीय प्रदर्शन करने के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार मिलन सौर ऊर्जा केंद्र के निदेशक महेश यादव को आरईसी लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक सरस्वती द्वारा भव्य समारोह में प्रदान किया गया।

तहसीलदार को ज्ञापन दिया

अलवर। अलवर में भर्तृहरि बचाओ समिति के बैनर तले दो दिन के पड़ाव के बाद सोमवार को सैकड़ों किसान हाथों में झंडे लेकर भर्तृहरि धाम से सरिस्का गेट पहुंचे। इस दौरान किसानों ने गेट पर भर्तृहरि बाबा के झंडे लगाए और थानागाजी तहसीलदार मोहित पंचोली को ज्ञापन सौंपकर सरकार को दो टूक चेतावनी दी।

किसानों ने कहा कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो 7 नवंबर को बड़ा आंदोलन किया जाएगा। किसानों की मुख्य मांग है कि सरिस्का अभयारण्य का नाम बदलकर भर्तृहरि अभयारण्य रखा जाए और खैरथल तिजारा जिले का नाम किसी भी हालत में न बदला जाए।

युवा किसान नेता राकेश दायमा ने बताया कि दो दिन पहले कुशालगढ़ में सभी किसान नेताओं ने बैठक कर आंदोलन की रणनीति बनाई थी। इसके बाद किसान भर्तृहरि धाम पहुंचे, जहां दो दिन का पड़ाव डाला गया। सोमवार सुबह सैकड़ों किसानों ने पैदल रैली निकाली।

कांग्रेस संगठन सर्जन अभियान के तहत बैठक आयोजित

> 'कांग्रेस संगठन सर्जन अभियान के तहत जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं को ऊपर लाने का काम किया जाएगा'

टोंक। कांग्रेस संगठन सर्जन अभियान के अंतर्गत जिला कांग्रेस कमेटी टोंक में कांग्रेस देहात ब्लॉक एवं शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित की गई, जिसमें मुख्य रूप से संगठन सर्जन अभियान जिला प्रभारी राजेश कश्यप, प्रदेश महासचिव फूल सिंह ओला प्रदेश सचिव प्रद्युम्न सिंह राठौड़, जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान राजेश कश्यप ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस संगठन सर्जन अभियान के तहत जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं को ऊपर लाने का काम किया जाएगा, उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति कांग्रेस के प्रति निष्ठा एवं लगाओ के साथ काम कर रहा है उसको कांग्रेस संगठन सर्जन अभियान के तहत अपनी नुमाइंदगी का अवसर प्राप्त होगा, उन्होंने कहा कि सभी लोगों की राय लेने के बाद छह लोगों का पैनल तैयार करके राष्ट्रीय कांग्रेस को भेजा जाएगा।

इस अवसर पर प्रद्युम्न सिंह, जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा के अलावा मौजूद पदाधिकारियों ने संगठन सर्जन अभियान के तहत अपने विचार व्यक्त किया तथा बैठक के बाद कार्यालय में जिलाध्यक्ष पद के लिए आवेदन किए गए। इस दौरान आवेदन के सम्बन्ध में विस्तारित रूप से कांग्रेस संगठन को लेकर चर्चा की, जिसमें कांग्रेसियों ने अपने आवेदन दिए। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष रामबिलास चौधरी, पूर्व विधायक कमल बेरवा, प्रदेश सरपंच संघ हंसराज फागना, उपाध्यक्ष दिनेश चौरसिया, देहात ब्लॉक अध्यक्ष कैलाशी देवी मीणा, ब्लॉक अध्यक्ष मिर्जा इरशाद बेग, सलीम नकवी, महमूद शाह, सलीमुद्दीन खान, सरताज अहमद, सुनील बंसल, माया सुवलका, देवकरण गुर्जर, शैलेंद्र शर्मा, धर्मेंद्र सालोदिया, शिवजी राम मीणा, रामलाल संडीला, राहुल सैनी, नरेश मीणा, सेवादल अध्यक्ष अब्दुल खालिक, अरशद चिश्ती, नवीन बैरवा, इमरान पहलवान, अमजदउल्ला आदि के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक अंत में टोंक-सवाई माधोपुर सांसद हरीश मीणा के पुत्र के आकस्मिक निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

फ्लैगशिप योजनाओं की क्रियान्विति में ढ़िलाई नही बरतें : कलक्टर

> कलक्टर ने ली फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा बैठक
>
> पशु सखी के लिए महिला समूहों को लाभान्वित करते हुए लक्ष्यों को पूरा करने के निर्देश दिये

भरतपुर। जिला कलक्टर कमर चौधरी ने कहा कि फ्लैगशिप योजनाओं की क्रियान्विति में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दास्त नहीं की जायेगी। सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करते हुए पात्रजनों को स्वप्रेरित होकर लाभान्वित करें। जिला कलक्टर सोमवार को फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने लक्ष्यों में पिछडने वाले विभागों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारी प्रतिमाह लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए फ्लैगशिप योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर पात्रजनों को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि फ्लैगशिप योजनाओं की प्रतिमाह विभागीय स्तर पर मॉनिटरिंग कर सभी अधिकारी सरकार की मंशा के अनुरूप योजनाओं में लक्ष्य अर्जित करें। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं में फॉर्मपौंड, तारबंदी, ड्रिप, फव्वारा आदि अनुदान की योजनाओं के लिए किसानों को प्रेरित करे जिससे कम लागत में अधिक मुनाफा लिया जा सके। उन्होंने जल भराव वाले क्षेत्रों में किसानों को फॉर्मपौंड के लाभ से अवगत कराते हुए वर्षा जल का सदुपयोग के लिए एक्सपोजर विजिट कराने के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने चिकित्सा के क्षेत्र में फ्लैगशिप योजनाओं के लक्ष्यों में पिछडने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मेडिकल कॉलेज स्तर पर समन्वय करते हुए प्रधानमंत्री आयुषमान भारत अवसंरचना के कार्यों को पूरा कराने, शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर शुरू करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता के सभी मानकों को पूरा करना सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में लक्ष्यों के अनुरूप कार्य पूरा करायें। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत शेष कार्यों को गति देने ग्रामीण क्षेत्रों में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान में रिचार्ज पिट बनवाने के लिए भामाशाहों को प्रेरित करने, राजीविका के तहत ड्रोन दीदी, नमो दीदी, सोलर दीदी, लखपति दीदी, बैंक सखी, कृषि सखी, पशु सखी के लिए महिला समूहों को लाभान्वित करते हुए लक्ष्यों को पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्राम विभाग को भवन निर्माण संक्रमिक योजना में पात्र लोगों को चिन्हित कर लाभान्वित करने, ऊर्जा विभाग को कुसुम योजना के तहत विद्युत तंत्र सुधार, सौर ऊर्जा संयत्र के लिए लक्ष्यों को पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी विभाग पंच गौरव के तहत जिला की विशेषताओं के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पुन: प्रस्ताव तैयार कर आवंटित बजट का उपयोग करने के निर्देश दिये। इस अवसर जिला परिषद सीईओ मृदुलसिंह, निदेशक घना मानससिंह, सचिव बीडीए सुरेश नवल, एडीएम प्रशासन घनश्याम शर्मा, सिटी राहुल सैनी, आयुक्त नगर निगम श्रवण विश्नोई, जिला आबकारी अधिकारी राजीव शर्मा, उपखंड अधिकारी भारती गुप्ता सहित संबन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

समारोह में बालमुकुंदाचार्य शिरकत करेंगे

सांभरझील। सांभर में नवनिर्मित बाबा श्याम मंदिर में स्थापित की जाने वाली अनेक देवी देवताओं की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मुख्य अतिथि की हैसियत से हाथोज धाम के पीठाधीश्वर व हवामहल से विधायक बालमुकुंदाचार्य शिरकत कर धार्मिक आयोजन की शोभा बढ़ाएंगे। इसके लिए बालमुकुंद आचार्य ने भी अपनी हर्ष सहित स्वीकृति शामिल होने हेतु दी है, उन्हें जब आयोजको ने मंदिर की भव्यता व इसकी खास जानकारी के बारे में बताया तो वे अभिभूत हो गए। श्याम रंगीला परिवार व प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से इसमें अपना सहयोग एवं योगदान देने वाले तमाम श्याम भक्तों की ओर से प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारी को लेकर दी गई जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं। सांभर सहित आसपास से गांव में जाकर भी श्याम भक्तों की टोली धार्मिक समारोह मे भाग लेने हेतु वहां के गणमान्य नागरिकों व जनप्रतिनिधियों सहित अधिक से अधिक संख्या में लोगों से धार्मिक आयोजन का लाभ लेने की अपील की जा रही है। 2100 महिलाओं की निकाली जाने वाली कलश यात्रा में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु बता दें कि यहां के हर समाज के लोगों ने श्याम रंगीला परिवार को इसके लिए अपना हर संभव योगदान देने का भी मन बना लिया है।

कानूनों के संबंध में जानकारी दी

फुलेरा। स्थानीय रेल परिसर स्थित राजकीय रेलवे पुलिस थाना फुलेरा में सोमवार को नए आपराधिक कानूनों के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जेईसीआरसी सीतापुरा, जयपुर में आयोजित मुख्य समारोह का लाइव प्रसारण किया गया, जिसमें भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के उद्बोधन तथा राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संबोधन को उत्साहपूर्वक देखा गया। कार्यक्रम में सीएलजी सदस्य, वयोवृद्ध नागरिक, पुलिसकर्मी सहित अन्य विभागों के कार्मिक व सैकड़ों की संख्या में आमजन मौजूद रहे।

कार्यक्रम में भाग लेकर नए कानूनों की जानकारी प्राप्त की। थाना परिसर में नवीन आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता से संबंधित पंपलेट व बुकलेट वितरित की गई तथा सूचनात्मक पोस्टर लगाकर नागरिकों को प्रमुख प्रावधानों से अवगत कराया गया। एसएचओ ने बताया कि नए कानूनों का उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और जनहितकारी बनाना है।

'सहकारिता आंदोलन को आम जनता तक पहुंचाने में समिति का महत्वपूर्ण योगदान'

> कार्यक्रम में महिलाओं तथा युवाओं को सहकारी समितियों से जोड़ने पर विशेष रूप से फोकस किया गया। इस दौरान समिति द्वारा 206 महिला पुरुषों को सदस्य बनाया गया

पावटा। सहकारिता हमारी सामाजिक एवं आर्थिक व्यवस्था का अभिन्न अंग है। राज्य में सहकारी क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। 2 से 15 अक्टूबर तक प्रदेश भर में 'सहकार सदस्यता अभियान' का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से पांच प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करने तथा नई सहकारिता नीति के अनुरूप सहकारिता का दायरा बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम साबित होगा। ग्राम सेवा सहकारी समिति पावटा व्यवस्थापक कैलाश यादव ने बताया कि इसी क्रम में सोमवार को पंचायत समिति पावटा की ग्राम सेवा सहकारी समिति में सहकार सदस्यता अभियान का आयोजन सहकारी समिति के पूर्व अध्यक्ष एवं स्टेट चेयरमैन एससी एसटी विकास परिषद राजस्थान जगदीश मीणा, सहकार सदस्यता अभियान पर्यवेक्षक जिला कोटपुतली बहरोड़ प्रकाश जीजवाडिया, सहा. रजिस्ट्रार जिला कोटपुतली बहरोड़ अशोक दीप पिंगोलिया, ऋण पर्यवेक्षक जेसीसीबी शाखा पावटा राजेश कुमार यादव व अजय कुमार यादव, जेसीसीबी शाखा पावटा प्रबंधक नवरत्न देतवाल, पावटा जीएसएस अध्यक्ष पुष्पा देवी मीणा, समाज सेवी पावटा कन्हैयालाल मीणा, समिति व्यवस्थापक कैलाश चंद यादव, प्रागपुरा जीएसएस अध्यक्ष उपेंद्र सिंह शेखावत के विशिष्ट आतिथ्य में गतिविधियां आयोजित की गई।

इस दौरान विशिष्ट अतिथियों व कर्मचारी शिवशंकर सैनी, सुमेर यादव, दीपेंद्र मीणा सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में महिलाओं तथा युवाओं को सहकारी समितियों से जोड़ने पर विशेष रूप से फोकस किया गया। इस दौरान समिति द्वारा 206 महिला पुरुषों को सदस्य बनाया गया। वही साधु सिंह वाली सरस डेयरी द्वारा 83 महिला सदस्य बनाई गई। इस दौरान सहकारी समिति के पूर्व अध्यक्ष एवं स्टेट चेयरमैन एससी एसटी विकास परिषद राजस्थान जगदीश मीणा ने कहा कि सहकारिता आंदोलन को असल रूप में लागू करने के लिए आम किसान दलित पिछड़े छोटे व्यापारी एवं महिलाओं को प्रोत्साहन देकर सहकारिता विभाग की जानकारियां देकर जोड़ने की जरूरत है सहकारिता आंदोलन के माध्यम से देश एवं प्रदेश में खुशहाली आ सकती है।

खोया पाया

मेरे मकान 12/45 ग्राउंड फ्लोर मालवीय नगर जयपुर के तीन आवंटन पत्र, कब्जापत्र, डिक्लेरेशन, अदेय प्रमाणपत्र- दुर्गापुरा जयपुर में कहीं खो गए है मिलने पर सूचित करें- जीवन नारायण माथुर- 9829221342

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 85/2025

(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री रमेश सिंह ने पंजीकृत प्रन्यास एम्याचोर सोफ्ट हाकी फेडरेशन ऑफ इण्डिया (Amateur Soft Hockey Fedration of India) 116, देवी नगर, हरनाथपुरा झोटवाडा जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 07 जयपुर 2022 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास में नवीन उद्देश्य संशोधित प्रन्यास विधान को प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुए परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 9.10.25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइन्दा तारीख पेशी 14.11.25

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/746

चूंकि प्रार्थी श्री AMRIK SINGH, 22 BAL NAGAR-H, GONER ROAD JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा गोनेर रोड, SARDAR COLONY, PANKHA FACTRY KE PASS, GINER ROAD. JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र

निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 09-10-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 18/12/2025

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/809

चूंकि प्रार्थी श्री KARAN SINGH, MANDALIYA JOGA JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास मन्दिर श्री सीताराम जी महाराज ट्रस्ट माधोराजपुरा, MANDIR SHRI SITARAM JI GRAM MADHORAJPURA, TEH, MADHORAJPURA, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र

निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 09-10-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 16/12/2025

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकद्मा नम्बर 86/2025

(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि सुश्री रचना भार्गव प्रन्यासी ने पंजीकृत प्रन्यास आईआईएस (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) ट्रस्ट गुरूकुल मार्ग, एस. फ. एस मानसरोवर जयपुर राजस्थान जिसका पंजीयन क्रमांक 13 जयपुर 2008 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास के अध्यक्ष डॉ. अशोक गुप्ता का स्वर्गवास तथा श्री अलोक अग्रवाल द्वारा प्रन्यासी पद से इस्तीफा देने के कारण उनके स्थान पर विजय गुप्ता को प्रन्यासी, श्री सुमीत गुप्ता प्रन्यासी व सचिव व स्वयं का नाम बतौर संयुक्त सचिव मनोनीत कर तथा प्रन्यास विधान में संशोधन कर उक्त संशोधनों को प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुए परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 9/10/25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी गया।

आइदा तारीख पेशी 14/11/25

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर -0141-4901853

क्रमांक- 3095 दिनांक - 17/09/25

जाहिर आम-सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या 2/L/334 इंदिरा गांधी नगर जयपुर, क्षेत्रफल 67.500 वर्ग मीटर का आवंटन श्रीमती संगीता जैन पुत्री श्री हीरा लाल सावनसुखा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2090 दिनांक 20.06.2006 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर, प्रथम में दिनांक 28.05.2007 को करवाया गया। (उक्त पंजीयन प्रपत्रों में आवास संख्या गलत अंकित होने के कारण शुद्धि पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर अष्टम में दिनांक 02/07/2014 को करवाया गया। तत्पश्चात श्रीमती संगीता जैन पुत्री श्री हीरा लाल सावनसुखा के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरीये विक्रय पत्र के श्री राजकमल शर्मा पुत्र श्री जगदीश चन्द शर्मा को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर अष्टम में दिनांक 02/07/2014 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री राजकमल शर्मा पुत्र श्री जगदीश चन्द शर्मा के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरीये विक्रय पत्र के श्रीमती भूमि धावनी पत्नी श्री हेमन्त कुमार धावनी को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर अष्टम में दिनांक 05/10/2016 को करवाया गया। तत्पश्चात श्रीमती भूमि धावनी पत्नी श्री हेमन्त कुमार धावनी के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरीये विक्रय पत्र के श्री मांगी लाल महावर पुत्र श्री रामजी लाल महावर को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर द्वितीय में दिनांक 09/11/2021 को करवाया गया। श्री मांगी लाल महावर पुत्र श्री रामजी लाल महावर के द्वारा आवास का मूल आवंटी के नाम पंजीयन हो जाने के बाद पश्चातवर्ती अंतिम क्रेता का नाम मण्डल अभिलेख में दर्ज करने बाबत निवेदन किया गया है। अतः नाम दर्ज के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री मांगी लाल महावर पुत्र श्री रामजी लाल महावर का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जायेगा।

सम्पदा प्रबन्धक वृत तृतीय, रा.आ.म. जयपुर

नाम परिवर्तन

मैं वर्षा सागर लोहार, पत्नी सुभेदार लोहार सागर शामराव निवासी गाव/पोस्ट- सिद्धनेर्ली, तहसील - कागल, जिला - कोल्हापूर (महाराष्ट्र) ने अपना नाम लोहार वर्षा सागर से बदलकर वर्षा सागर लोहार कर दिया है भविष्य मे मुझे वर्षा सागर लोहार इस नाम से जाना जाए

मैं, सुंदरलाल पिता नं. 15155206Y, हवलदार (क्लर्क एस.डी.) संजय कुमार, निवासी ग्राम बसंतीपुर, डाकघर- बरारा बुजुर्ग, तहसील- डलमऊ, जिला रायबरेली (उत्तर प्रदेश)। मेरे बेटे के सेवा रिकॉर्ड में मेरा नाम सुंदर लाल है। मेरे आधार और वोटर कार्ड के अनुसार मेरा सही नाम सुंदरलाल है।

जयपुर विकास प्राधिकरण — सार्वजनिक सूचना/विज्ञप्ति
www.jda.rajasthan.gov.in

क्रमांक / ज.वि.प्रा./ उपा./ जोन-4/2025/डी-6041 दिनांक 19.09.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती धनपति कडवासरा पत्नी श्री हरिराम कडवासरा द्वारा हथरोई गढी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना शिव शक्ति नगर-ए के भूखण्ड संख्या 107 (दक्षिणी भाग) का उपविभाजन पत्र जारी करवाने हेतु ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 248632 दिनांक 11.09.2025 प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण में पूर्व में इस कार्यालय द्वारा हथरोई गढी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना शिव शक्ति नगर-ए के भूखण्ड संख्या 107, क्षेत्रफल 300 वर्गगज का पट्टा श्रीमती धनपति कडवासरा पत्नी श्री हरिराम कडवासरा के पक्ष में क्रमांक 1625 दिनांक 08.12.2012 को जारी किया गया था, जिसे उप पंजीयक जयपुर-प्रथम के यहां दिनांक 11.12. 2012 को पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती धनपति कडवासरा पत्नी श्री हरिराम कडवासरा द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र 22.07.2024 के आधार पर उक्त भूखण्ड में से 107, दक्षिणी हिस्सा क्षेत्रफल 150 वर्गगज का बेचान श्री लीलाराम प्रेमचन्दानी पुत्र श्री किशन चन्द प्रेमचन्दानी के पक्ष में कर दिया गया। श्री लीलाराम प्रेमचन्दानी पुत्र श्री किशन चन्द प्रेमचन्दानी के द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 10.03.2025 के द्वारा उक्त भूखण्ड 107, दक्षिणी हिस्सा क्षेत्रफल 150 वर्गगज का बेचान श्री अंशुल यादव पुत्र श्री राजेश कुमार यादव को कर दिया गया। उक्त संबंध में आवेदिका द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र एवं दस्तावेजों के आधार पर आवेदिका के पक्ष में उक्त भूखण्ड का उपविभाजन पत्र जारी करने की कार्यवाही करने के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, हितधारी, संस्था को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षरकर्ता को इस सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिवस में प्रस्तुत कर देवें। नियत अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदिका के पक्ष में नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त जोन-4, जविप्रा, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853

क्रमांक 3481 दिनांक 07.10.25

आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या- 4/य/14 जवाहर नगर जयपुर, क्षेत्रफल 260.00 वर्ग गज का आवंटन श्रीमती डॉ. ओम प्यारी गहलोत को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 6948 दिनांक 25/06/1977 जारी किया गया था। उनके द्वारा आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर प्रथम में दिनांक 18/05/1990 को करवाया गया। श्रीमती डॉ. ओमप्यारी गहलोत की मृत्यु दिनांक 03/03/2025 को हो जाने के कारण श्री मनीष गहलोत पुत्र डॉ. कुशाल सिंह गहलोत के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र एवं रजिस्टर्ड वसीयतनामा की छाया प्रति प्रस्तुत कर उक्त आवास का नाम प्रतिस्थापन अपने पक्ष में करने का निवेदन किया गया है।

अत: उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री मनीष गहलोत पुत्र डॉ. कुशाल सिंह गहलोत के पक्ष में उक्त आवास के नाम प्रतिस्थापन की कार्यवाही करदी जावेंगी।

सम्पदा प्रबंधक वृत तृतीय,रा.आ.मण्डल जयपुर

कार्यालय उपायुक्त, (विद्याधर जोन) नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(अम्बाबाडी सामुदायिक केन्द्र, अम्बाबाडी सर्किल, जयपुर)

क्रमांक-एफ.55()वि.जोन/न.नि.ज.(ग्रे)/2024/2083

सार्वजनिक सूचना
दिनांक-8/10/25

भूखण्ड संख्या 212, 1 डी प्रेम नगर, झोटवाडा, जयपुर (श्री जनता गृह निर्माण सहकारी समिति) जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल पुत्र श्री दुर्गा प्रसाद अग्रवाल को क्षेत्रफल 230.00 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल पुत्र श्री दुर्गा प्रसाद अग्रवाल ने जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 04.08.2010 को उक्त भूखण्ड का उत्तरी भाग क्षेत्रफल 115.00 वर्गगज श्री विजय सिंह राठौड पुत्र श्री चतर सिंह को विक्रय कर दिया गया। श्री विजय सिंह राठौड पुत्र श्री चतर सिंह ने जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 18.07.2011 को उक्त उत्तरी भाग क्षेत्रफल 115.00 वर्गगज श्रीमती इंदुबाला पंवार पत्नी श्री गंगा सिंह को विक्रय कर दिया गया। श्रीमती इंदुबाला पंवार पत्नी श्री गंगा सिंह ने जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 19. 10.2024 को उक्त उत्तरी भाग क्षेत्रफल 115.00 वर्गगज श्री लक्ष्य माटोलिया पुत्र श्री गोपाल शर्मा को विक्रय कर दिया गया। नगर निगम ग्रेटर द्वारा जरिये पत्र क्रमांक 726 दिनांक 14.07.2025 को भूखण्ड संख्या 212 (उत्तरी भाग), 1-डी प्रेमनगर झोटवाडा, जयपुर क्षेत्रफल 115.00 वर्गगज का उप भाजन पत्र श्री लक्ष्य माटोलिया पुत्र श्री गोपाल शर्मा के नाम जारी किया गया। श्री लक्ष्य माटोलिया पुत्र श्री गोपाल शर्मा द्वारा भूखण्ड संख्या 212 (उत्तरी भाग), 1-डी प्रेमनगर, झोटवाडा, जयपुर का नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।

उपायुक्त विद्याधर नगर जोन नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
(पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)
(राजस्व-द्वितीय प्रकोष्ठ)

क्रमांक: एफ-6() उपा.राज.-द्वितीय (सा.प्र.)/ननिग्रे/2025/215 **सार्वजनिक-सूचना** दिनांक: 13.10.2025

मूल भूखण्ड संख्या सी-67, मोती डूंगरी योजना (तिलक नगर) जयपुर का अर्बन इम्प्रूवमेंट बोर्ड, जयपुर द्वारा श्री भंवर लाल टांक के नाम से क्षेत्रफल 600.6 वर्गगज भूमि का आवंटन किया गया दिनांक 03.03.1983 को जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या सी-67, मोती डूंगरी योजना, जयपुर, क्षेत्रफल 600.6 वर्गगज श्री भंवर लाल टांक पुत्र श्री कालु राम टांक के नाम से पट्टा जारी किया गया। दिनांक 25.10.1993 को श्री भंवर लाल टांक पुत्र स्व० श्री कालु राम टांक द्वारा भूखण्ड संख्या सी-67, राम मार्ग / प्रियदर्शी मार्ग, तिलक नगर, जयपुर की वसीयत अपने पुत्रों 1. श्री ओम प्रकाश 2. डा० हरिशंकर 3. श्री नवरतन 4. श्री अमरनाथ 5 श्री राजेन्द्र 6. श्री जितेन्द्र के पक्ष में निष्पादित की गई। दिनांक 30.01.2001 को श्रीमती भंवरी देवी की मृत्यु हो गई। दिनांक 19.11.2007 को श्री भंवर लाल टांक की मृत्यु हो गई। दिनांक 04.02.2008 को 1. श्री ओम प्रकाश टांक 2. श्री हरिशंकर टांक 3. श्री नवरत्न टांक 4. श्री अमरनाथ टांक 5. श्री राजेन्द्र टांक 6. श्री जितेन्द्र टांक पुत्रान् स्व. श्री भंवर लाल टांक (प्रथम पक्ष) श्रीमती मंजू शर्मा पत्नी श्री रमेश चन्द शर्मा पुत्री स्व. श्री भंवर लाल टांक (सहमतिकर्ता) द्वारा भूखण्ड संख्या सी-67 (कार्नर), मोती डूंगरी योजना, तिलक नगर, जयपुर क्षेत्रफल 501.66 वर्गमीटर श्री प्रतीक कोठारी एवं श्री पीयूष कोठारी पुत्रान् श्री पुखराज कोठारी को बेचान किया गया। दिनांक 24.06.2011 को श्री प्रतीक कोठारी एवं श्री पीयूष कोठारी पुत्रान् श्री पुखराज कोठारी द्वारा भूखण्ड संख्या सी-67 (कार्नर), मोती डूंगरी योजना, तिलक नगर, जयपुर क्षेत्रफल 600.60 वर्गगज अर्थात 502.16 वर्गमीटर एच.जी. इन्फ्रा इंजिनियरिंग प्राईवेट लि. जरिये निदेशक श्री हरेन्द्र सिंह पुत्र श्री होडल सिंह को बेचान किया गया। दिनांक 03.09.2012 को एच.जी. इन्फ्रा इंजिनियरिंग प्राईवेट लि. जरिये निदेशक श्री हरेन्द्र सिंह पुत्र श्री होडल सिंह द्वारा भूखण्ड संख्या सी-67, मोती डूंगरी योजना, तिलक नगर, राम मार्ग, जयपुर क्षेत्रफल 502.16 वर्गमीटर श्री मुकेश शाह पुत्र श्री शिव प्रसाद शाह को बेचान किया गया। दिनांक 15.09.2014 को नगर निगम, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या सी-67, मोती डूंगरी योजना, जयपुर क्षेत्रफल 600.6 वर्गगज श्री मुकेश शाह पुत्र श्री शिवप्रसाद शाह के नाम से नाम हस्तान्तरण पत्र जारी किया गया। दिनांक 24.11. 2016 को श्री मुकेश शाह पुत्र श्री शिव प्रसाद शाह द्वारा भूखण्ड संख्या सी-67 (कार्नर), मोती डूंगरी योजना, तिलक नगर, राम मार्ग, प्रियदर्शी मार्ग, जयपुर क्षेत्रफल 600.60 वर्गगज अर्थात 502.16 वर्गमीटर श्री विजय कुमार अग्रवाल पुत्र श्री भगवान दास अग्रवाल को बेचान किया गया। दिनांक 13.03.2024 को श्री विजय कुमार अग्रवाल पुत्र श्री भगवान दास अग्रवाल द्वारा भूखण्ड संख्या सी-67 (कार्नर), मोती डूंगरी योजना, तिलक नगर, राम मार्ग, प्रियदर्शी मार्ग, जयपुर क्षेत्रफल 600.60 वर्गगज अर्थात 502.16 वर्गमीटर श्रीमती निधि बैराठी पत्नी श्री विकास बैराठी को बेचान किया गया। आवेदिका द्वारा प्रस्तुत पट्टे की प्रति, वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र, रजिस्टर्ड विक्रय पत्र, नाम हस्तान्तरण, अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजो के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा श्रीमती निधि बैराठी पत्नी श्री विकास बैराठी के पक्ष में क्षेत्रफल 600.6 वर्गगज का ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण जारी किया जाना है। इस ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, राजस्व द्वितीय) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व-द्वितीय), नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय अपर जिला एंव सैशन न्यायाधीश श्रीमाधोपुर जिला सीकर

भागीरथ वगैरह बनाम् हीरसिंह वगैरह

दावा निरस्त किये जाने विक्रय लेख दिनांकित 06.09.2013 हकत्याग लेख दिनांकित 11.09.1961 एंव स्थाई निषेधाज्ञा

वाद संख्या 74/2013

बनाम्

1/1/1. हनुमानसिंह 1/1/2. बलबीरसिंह पुत्रगण मालसिंह 1/2/1 पुष्पा कंवर पुत्री मनोहरसिंह 1/2/2. सोनू कंवर 1/2/3. सीमा कंवर पुत्रीया मनोहरसिंह 1/2/4. राजेन्द्रसिंह पुत्र मनोहरसिंह 1/2/5. राज कंवर पत्नी मनोहरसिंह, 1/3 रामसिंह 1/4 श्यामसिंह पुत्रगण हीरसिंह समस्त जाति राजपूत निवासीगण ग्राम परसरामपुरा तहसील श्रीमाधोपुर हाल रींगस जिलासीकर (राज0)

वादीगण भागीरथ आदि ने आपके विरूद्ध उपरोक्त वादपत्र पंजीकृत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 16.10.2025 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वंय या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करे और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या सुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है, तो आप ऐसी दस्तावेजो को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

यह वाद ता.04 माह 10 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर — न्यायाधीश- अपर जिला न्यायाधीश श्रीमाधोपुर, जिला-सीकर (राज.)

कार्यालय पंचायत समिति कोटखावदा, जयपुर (राज.)
क्रमांकः **ई निविदा सूचना संख्या 07, 08/2025-26** दिनांकः-

पंचायत समिति कोटखापदा के अधीनस्थ ग्राम पंचायतों में वितीय वर्ष 2025-26 के लिये हैण्डपम्प / सिंगलफेरा ट्यूबमवेल निर्माण कार्यो एवं अन्य निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं केन्द्रीय / राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विगाग / डाक व दूर संचार विभाग / रेलवे / जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता नियम 2013 के अनुसार राज्य सरकार के अधिकृत कार्यालय / संस्थाओं यथा, पंचायतीराज़ विभाग, सार्वजनिक विभाग, पीएचईडी विभाग, नगर निगम इत्यादि से पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त जानकारी https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://cproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB NO.- ZIP2526A1036 AND ZJP2526A1051

UBN NO.- ZIP2526WSOB01655, ZJP2526WSOB01669 TO ZIP2526WSOB01673

विकास अधिकारी, पचायत्त समिति कोटखावदा

bida भिवाड़ी इंटीग्रेटेड विकास प्राधिकरण
एच-6, भगत सिंह कॉलोनी, भिवाडी, अलवर, दूरभाष 01493230819 ई-मेल-bida.bhiwadi@rajasthan.gov.in

क्रमांक-बीडा/अयो/07165/ **सार्वजनिक विज्ञिप्त** दिनांक-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं0 यूआर.बी. इन्जीनियरिंग प्रा0 लि0 जरिये निदेशक श्री रिशव दुबे पुत्र श्री रविन्द्र बाबू पताः 001, फराओहस टावर, ओमेक्स नाईल, सोहना मार्ग, सैक्टर 49, इस्लामपुर (97) गुड़गांव (हरि) द्वारा ग्राम पथरेडी, तहसील टपुकड़ा, जिला खैरथल तिजारा के खसरा नं. 287/1. 1. 2, 3, 4 रकबा 14400 वर्ग मीटर हेतु औद्योगिक (Non polluting Industry) प्रयोजनार्थ ले-आउट प्लान अनुमोदन बाबत आवेदन इस कार्यालय मे प्रस्तुत किया गया है, जिसके क्रम मे प्रकरण बीडा स्तरीय ले-आउट प्लान समिति की 41वी बैठक दिनांक 23/7/2025 में रखा गया।

प्रकरण मे नगरीय विकास विभाग की अधिसूचना दिनांक 10/08/2020 के अनुसार आस-पास की कनेक्टिविटी एवं नियोजन की दृष्टि से प्रशनगत भूमि के उत्तर दिशा में स्थित चौपानकी औद्योगिक क्षेत्र से टपुकडा की ओर जाने वाली सडक का मार्गाधिकार 18 मी0 नियत किये जाने का निर्णय समिति द्वारा किया गया है।

उक्त क्रम मे यदि किसी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध मे कोई आपत्ति/आक्षेप / सुझाव हो तो वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 10 दिवस के भीतर कारणों सहित प्रमाण दस्तावेज संलग्न कर इस कार्यालय मे प्रस्तुत करें। किसी प्रकार की आपति / सुझाव प्राप्त न होने की स्थिति मे समिति द्वारा लिया गया निर्णय प्रभावी होगा एवं 18 मी0 मार्गाधिकार अनुसार भविष्य मे कार्यवाही होगी।

(अतुल प्रकाश आई.ए.एस.) मुख्य कार्यकारी अधिकारी भिवाड़ी इन्टीग्रेटेड विकास प्राधिकरण

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड जयपुर-302015, राजस्थान)

क्रमांक :- जसअ/2025/250 दिनांक: 10.10.2025

ई-टेण्डरिंग - बोली सूचना सं 01 वर्ष 2025-26

केन्द्र/राज्य सरकार के सरकारी/अर्द्ध सरकारी/विभिन्न नगर निकायों के सभी विभागो में पंजीकृत सभी श्रेणी के संवेदकों से नगर निगम ग्रेटर जयपुर के समस्त जोन/वार्डो मे दैनिक सफाई व्यवस्था को सूपारू बनाये रखने हेतु स्वास्थ्य स्टोर द्वारा आवश्यक सफाई सामग्री डस्टबिन एंव रिफलेक्टर जैकेट आपूर्ति कार्य के लिये ई-बोली आमंत्रित की जाती हैं।

उपरोक्त कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख टेण्डर की शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.jaipurmc.org.com व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.rajasthasn.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

UBN No. JMC2526GLOB01639 हैं।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी (प्रभारी अधिकारी स्वास्थ्य स्टोर) नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

राज.संवाद/सी/25/12018

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर - 302004

क्रमांक: संस्था.-2/2025/5029 दिनांक: 13.10.2025

सार्वजनिक विज्ञप्ति

सुश्री प्रेरणा यादव, सहायक कर्मचारी दिनांक 23.03.2024 से निरन्तर अपने कार्य से अनुपस्थित चल रही हैं इस सम्बन्ध में उन्हें नोटिस दिनांक 27.02.2025 व आरोप पत्र दिनांक 02.05.2025 को जारी किया चुका है किन्तु वे कार्य पर उपस्थित नहीं हुई हैं। एतद्नुसार सुश्री प्रेरणा यादव को इस सार्वजनिक विज्ञप्ति के माध्यम से निर्देशित किया जाता है कि वे विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तिथि से 07 दिवस में अपना स्पष्टीकरण मय प्रमाण प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें अन्यथा उनके विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही प्रयोग में लाते हुए उनकी सेवायें विश्वविद्यालय से समाप्त कर दी जायेंगी।

उक्त आदेश सक्षम स्तर से अनुमोदित है। — कुलसचिव

150 यूनिट प्रतिमाह नि:शुल्क बिजली योजना पोर्टल शुरू

6864 उपभोक्ताओं ने पहले ही दिन अपनी सहमति दर्ज करवाई

जयपुर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 150 यूनिट प्रतिमाह नि:शुल्क बिजली योजना में विद्युत उपभोक्ताओं के पंजीयन के लिए विकसित पोर्टल का सोमवार को जेईसीसी में आयोजित कार्यक्रम में शुभारम्भ किया। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहे। राजस्थान डिस्कॉम्स ने यह पोर्टल विकसित किया है।

प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को सस्ती एवं सुलभ सौर ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जादाता बनाने की दिशा में यह योजना मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अनूठी पहल है। वर्ष 2025-26 के बजट में राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना के लाभार्थियों को और अधिक लाभ देने की मंशा के उद्देश्य से पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के साथ लीवरेज करते हुए 150 यूनिट प्रतिमाह नि:शुल्क बिजली योजना की महत्वपूर्ण घोषणा की थी। इस घोषणा की क्रियान्विति के प्रथम

- **1.1 किलोवाट क्षमता के रूफ टॉप सोलर पर प्रथम चरण में डिस्कॉम्स देंगे 17 हजार की अतिरिक्त आर्थिक सहायता**

चरण में मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना के रजिस्टर्ड उपभोक्ता वेबसाइटट तथा वेबपोर्टल के माध्यम से अपना पंजीयन करा सकते है।

पोर्टल के शुभारंभ के पहले दिन शाम 7.30 बजे तक मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना के 6864 रजिस्टर्ड उपभोक्ताओं ने 150 यूनिट नि:शुल्क बिजली योजना के अन्तर्गत स्वयं की छत पर रूफ टॉप सोलर लगाने की सहमति दर्ज कराई। इनमें जयपुर डिस्कॉम के 3570, अजमेर डिस्कॉम के 1975 तथा जोधपुर डिस्कॉम के 1319 उपभोक्ता हैं। पोर्टल के जरिए मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना के रजिस्टर्ड उपभोक्ता अपने के नम्बर दर्ज करके 150 यूनिट नि:शुल्क बिजली योजना में ओटीपी के माध्यम से अपनी पात्रता की स्थिति जान सकेंगे। इस प्रक्रिया में मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना के रजिस्टर्ड उपभोक्ता स्वयं की छत की उपलब्धता की जानकारी पोर्टल पर देंगे तथा स्वयं रूफ टॉप सोलर लगाने की सहमति देंगे। जिससे डिस्कॉम्स के पास यह विवरण दर्ज होगा कि उपभोक्ता अपने घर की छत पर स्वयं सोलर पैनल लगाने के इच्छुक हैं।

यह पात्र उपभोक्ता पीएम सूर्यघर पोर्टल पर रजिस्टर्ड वेन्डरों के माध्यम से स्वयं की छत पर रूफ टॉप सोलर लगवाएंगे। ऐसे प्रत्येक उपभोक्ता को 1.1 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल पर प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत प्रति संयंत्र 33 हजार रुपये की वित्तीय सहायता (3 किलोवाट क्षमता तक अधिकतम 78 हजार रूपए) भारत सरकार से मिलेगी। वहीं राजस्थान डिस्कॉम्स द्वारा 150 यूनिट प्रतिमाह नि:शुल्क बिजली योजना के अन्तर्गत 17 हजार रूपए प्रति संयंत्र की अतिरिक्त वित्तीय सहायता दी जाएगी। इससे 1.1 किलोवाट क्षमता का पैनल पूरी तरह नि:शुल्क हो जाएगा। वहीं जो उपभोक्ता मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना में रजिस्टर्ड नहीं हैं, वे पीएम सूर्यघर पोर्टल के माध्यम से वेंडर्स चुनकर स्वयं का रूफ टॉप सोलर लगा सकेंगे। इस पर वे नियमानुसार केन्द्रीय वित्तीय सहायता ही प्राप्त कर सकेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2070 तक भारत को कार्बन उत्सर्जन मुक्त राष्ट्र बनाने का विराट संकल्प लिया है। इस संकल्प की सिद्धि में यह योजना देश के अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय सिद्ध होगी। इससे जहां स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग कर प्रदेश का प्रत्येक घरेलू बिजली उपभोक्ता न केवल स्वयं की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि ऊर्जादाता भी बन सकेगा।

अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाली गैंग गिरफ्तार

जयपुर। मुरलीपुरा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर पैसा लेने वाली गैंग की महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित व्यापारी को होटल में बुला कर उसे नशीला पदार्थ पिलाया और बेहोशी की हालत में पीड़ित के वीडियो और फोटो लिये,जिस के बाद आरोपियों ने फोटो और वीडियो को पीड़ित के मोबाइल पर भेज कर पैसे की डिमांड की। पीड़ित ने तत्काल पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने आरोपियों को एग्रीमेंट करने के दौरान एक लाख रुपए के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि मुरलीपुरा पुलिस ने गैंग के सुनील लालवानी उर्फ सनी (37) निवासी मुरलीपुरा और नेहा कुमावत (24) निवासी नीमराना कोटपूतली बहरोड़ हाल वैशाली नगर को गिरफ्तार किया।

एयरपोर्ट से हल्दी घाटी सर्किल की 100 फीट चौडी रोड का रास्ता साफ

वर्ष 2011 के सेक्टर प्लान के अनुसार बनेगी सड़क

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एयरपोर्ट से प्रताप नगर के हल्दी घाटी सर्किल तक की 100 फीट चौडी रोड के निर्माण का रास्ता साफ कर दिया है। वहीं जेडीए को कहा है कि 2011 के सेक्टर प्लान के अनुसार तय अलाइनमेंट के अनुसार रोड निर्माण किया जाए। सडक़ का जो हिस्सा राजस्थान हाउसिंग बोर्ड व जयपुर नगर निगम के क्षेत्राधिकार में है, उसके निर्माण का खर्चा हाउसिंग बोर्ड व नगर निगम से वसूला जाए। यदि उनसे खर्चा नहीं मिले तो राज्य सरकार अपने खर्चे पर ही सडक़ का निर्माण करे, केवल खर्चे के आधार पर ही सडक़ का निर्माण कार्य नहीं रोका जाए। वहीं राज्य सरकार इस रोड की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी भी ले। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश अजय मार्ग निर्माण संघर्ष समिति सहित अन्य की याचिकाओं पर दिया। खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि यदि इस रोड के संबंध में किसी भी कोर्ट में कोई स्टे चल रहा है तो वह इस आदेश में ही समाहित हो जाएगा। वहीं इस रोड के निर्माण कार्य के संबंध में कोई भी ट्रिब्यूनल या कोर्ट किसी के दावे को मंजूर नहीं करे। इसके अलावा रोड के निर्माण के दौरान चाहें तो पुलिस की मदद भी ली जा सकती है। याचिका में कहा था कि सेक्टर प्लान में यह रोड 100 फीट की है, लेकिन कई सालों से इस सडक़ का निर्माण नहीं हो पा रहा है। सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के कारण ही हाउसिंग बोर्ड सेक्टर एक व दो को आज तक विकसित नहीं कर पाया है। इसलिए रोड का निर्माण करवाया जाए। वहीं 2018 के अलाइनमेंट बदलाव से हुए प्रभावित मकान मालिकों की ओर से अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने कहा कि उन्होंने सोसायटी से भूखंड खरीदे थे और वे कई सालों से रह रहे हैं, लेकिन अलाइनमेंट बदलने के कारण उनके मकानों पर भी टूटने की तलवार लटक गई थी। गौरतलब है कि पूर्व में इस रोड को लेकर जेडीए व हाउसिंग बोर्ड के दो अलग-अलग मत होने पर हाईकोर्ट ने प्रमुख यूडीएच सचिव को पेश होकर यह बताने के लिए कहा था कि इस रोड के निर्माण के लिए उनकी क्या कार्य योजना है।

पाम ऑयल से भरे टैंकर को डंपर ने टक्कर मारी

जयपुर-अजमेर हाईवे पर छीतरोली के पास देर रात हुआ भीषण हादसा

जयपुर। बगरू थाना इलाके के अजमेर हाईवे पर स्थित छीतरोली स्टैंड के पास विवार-सोमवार की मध्यरात्रि को पाम ऑयल से भरे टैंकर को पीछे से आए तेज रफ्तार डम्पर ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे पाम ऑयल रोड पर बिखर गया और सड़क पर फिसलन हो गई। तभी एक एंबुलेंस फिसलकर अनियंत्रित हो गई और ट्रक से जा टकराई। इस हादसे में एंबुलेंस में सवार दो लोगों की मौत हो गई। वहीं तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को नजदीकी अस्पताल भिजवाया और जाम यातायात को सुचारू करवाया।

एसआई शेरसिंह मीणा ने बताया कि रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि को छीतरोली स्टैंड के पास पाम ऑयल से भरा टैंकर खड़ा हुआ था। पीछे से आए तेज रफ्तार डम्पर ने खडे टैंकर को टक्कर मार दी। जिससे पाम ऑयल सड़क पर फेल गया और डम्पर का आगे वाला हिस्सा पूरी तरह क्षितग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद ऑयल का रिसाव शुरु हो गया और हाईवे पर फैल गया। तभी किशनगढ़ की तरफ से मरीज को लेकर आ रहीं एम्बुलेंस अनियंत्रित होकर ट्रक में घुस गई। जिसमें एबुलेंस चालक सतीश धामनी (31) सहित चार लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। पुलिस ने

- **ऑयल रोड पर फैलने से एम्बुलेंस फिसली, ट्रक में घुसने से दो लोगों की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल**

चारों घायलों को उपचार के लिए बगरू के अस्पताल में भिजवाया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हे जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। वहीं इस हादसे में किशनगढ, अजमेर निवासी दिनेश कुमारी (55) और विक्की उर्फ वीरम सिंह (31) पुत्र गोविंद सिंह की मौत हो गई। एम्बुलेंस चालक सतीश धामनी, अमित वैष्णव (30) और बिठुदास (60) का सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचार जारी है। एसआई ने बताया कि बिठुदास की रविवार देर रात अचानक से तबीयत खराब हो गई थी। जिसके बाद परिजनों ने उसे नजदीकी निजी अस्पताल में दिखाय। चिकित्सकों ने देर रात ही बिठुदास को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जयपुर आते वक्त बगरु स्थित छीतरोली स्टैंड के पास ही हादसा हो गया। मृतकों में बिठुदास की पत्नी दिनेश कुमारी, बेटा अमित का दोस्त विक्की शामिल हैं।

1380 किलो मिलावटी मावा जब्त

जयपुर। शास्त्री नगर स्थित मावा मंडी में सोमवार को 1380 किलो से ज्यादा मिलावटी मावा जब्त कर नष्ट कराया गया। यह कार्रवाई "शुद्ध आहार-मिलावट पर वार" अभियान के तहत की गई। अभियान का नेतृत्व संयुक्त आयुक्त (खाद्य सुरक्षा) डॉ. विजय प्रकाश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम, डॉ. रवि शेखावत ने किया। कार्रवाई आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देशन में की गई।

कार्रवाई सुबह 7:30 बजे से प्रारंभ हुई। टीम ने मावा मंडी क्षेत्र में स्थित एक दर्जन से अधिक प्रतिष्ठानों और गोदामों की गहन जांच की। मौके पर खड़े दो पिकअप वाहनों और एक महिंद्रा जीप में रखे मावे के नमूनों की जांच के दौरान 12 व्यापारियों से कुल 13 नमूने एकत्र किए गए। जांच के दौरान मावे की गुणवत्ता संदिग्ध पाई गई। प्रारंभिक जांच में मावा मिलावटी पाए जाने पर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लगभग 1 हजार 380 किलोग्राम मावा मौके पर ही नष्ट करवाया। यह विशेष अभियान शाम 6 बजे तक लगातार जारी रहा। इस दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने विभिन्न दुकानों पर मावे की गुणवत्ता, भंडारण की स्वच्छता, बिक्री बिल, लेबलिंग और अन्य मानकों की जांच की। अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार शर्मा, वीरेंद्र कुमार सिंह एवं नरेश कुमार चेजारा सक्रिय रूप से शामिल रहे। यह कार्रवाई स्वास्थ्य सुरक्षा और उपभोक्ता संरक्षण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि त्योहारी अवसरों पर मिलावट के किसी भी प्रयास को बख्शा नहीं जाएगा। सभी जिलों में इसी प्रकार की अचानक जांच कार्रवाइयां और निगरानियां निरंतर जारी रहेंगी। आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने कहा कि प्रदेशभर में चलाए जा रहे 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त आयुक्त डॉ. विजय प्रकाश ने बताया कि आने वाले दिनों में मिठाई निर्माण इकाइयों, डेयरी उत्पाद विक्रेताओं और नमकीन निर्माण इकाइयों पर भी जांच अभियान चलाया जाएगा।

"गा मेरे मन गा" सीजन 5 का पोस्टर जारी

जयपुर। संगीत ग्रुप अरुणाज़ गीत गाता चल की ओर से शनिवार 1 नवम्बर को प्रस्तुत किए जाने वाले "गा मेरे मन गा -सीजन 5" कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर संयोजिका अरुणा जैन सहित अजय कल्ला, वीनू मित्तल, जया एवं कार्यक्रम में भाग लेने वाले कुछ गायक कलाकार और संगीत प्रेमी उपस्थित थे। इम्मोर्टल एस जे शीर्षक से होनेवाला गा मेरे मन गा -सीजन 5, मशहूर संगीतकार जोड़ी शंकर जयकिशन द्वारा संगीतबद्ध गीतों को समर्पित रहेगा। कार्यक्रम में उनके सुपर हिट संगीत से सजे एकल और युगल गीतों की महफ़िल सजाई जाएगी। श्रोता बॉलीवुड गीतों के स्वर्णकाल कहे जाने वाले दौर के लगभग 30 मीठे-मधुर गीतों का लुत्फ़ उठा सकते हैं। यह कार्यक्रम 1 नवंबर को शाम 5.30 जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में होगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को जवाहर नगर स्थित निवास पर पहुंचकर विधायक हरीश मीणा के पुत्र हनुमंत मीणा के आकस्मिक देहावसान पर गहरा दुःख व्यक्त किया। देवनानी ने स्व. हनुमंत मीणा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। देवनानी ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

दिवाली अवकाश अवधि में स्कूल संचालन पर दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगाई

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दिवाली अवकाश के दौरान स्कूल का संचालन करने पर कार्रवाई का नोटिस देने से जुड़े मामले में शहर के छह बडे निजी स्कूलों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

जस्टिस संजीत पुरोहित की एकलपीठ ने यह आदेश सोसायटी फॉर अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स की ओर से दायर छह निजी स्कूलों की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में बताया कि प्रदेश की सरकारी स्कूलों के लिए विभाग ने शिविरा पंचांग तय कर रखा है। शिक्षा विभाग इसे गैर सरकारी स्कूलों और अनएडेड स्कूलों पर लागू करना चाहता है। इसके तहत विभाग ने याचिकाकर्ताओं को गत दिनों नोटिस जारी कर कहा कि वे 13 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक दिवाली अवकाश रखे। ऐसा नहीं करने पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उनकी मान्यता तक रद्द की जा सकती है। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि राज्य सरकार के शिविरा पंचांग को निजी स्कूलों पर लागू करने का अधिकार नहीं है। इसके अलावा यदि शिविरा पंचांग को लागू करेंगे तो आरटीई अधिनियम के तहत निर्धारित शैक्षिणक दिवस लागू नहीं हो पाएंगे। शिविरा पंचांग में जहां 105 कार्यदिवस बताए गए हैं, वहीं आरटीई एक्ट में कक्षा पहली से पांचवी तक 200 दिन और कक्षा छह से आठवीं तक 220 दिन कार्यदिवस घोषित किया गया है। ऐसे में विभाग को पाबंद किया जाए वह उनके खिलाफ कार्रवाई ना करे। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने के निर्देश दिए हैं।

जर्मनी में निम्स यूनिवर्सिटी की प्रभावशाली भूमिका की सराहना

"वर्ल्ड हैल्थ समिट 2025" में 140 से अधिक देशों के 4000 से अधिक नीति निर्माता, वैज्ञानिक, चिकित्सक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हुए

बर्लिन। विश्व स्वास्थ्य के क्षेत्र में नीतिगत संवाद और नवाचारों का सबसे बड़ा वैश्विक मंच "वर्ल्ड हैल्थ समिट 2025" जर्मनी की राजधानी बर्लिन में भव्य रूप से आरंभ हुआ। इस सम्मेलन में 140 से अधिक देशों से आए लगभग 4000 से अधिक नीति निर्माता, वैज्ञानिक, चिकित्सक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और सामाजिक संगठन एकत्र हुए। तीन दिनों तक चलने वाले इस शिखर सम्मेलन का मुख्य विषय "विखंडित होती दुनिया में स्वास्थ्य की ज़िम्मेदारी लेना" रहा।

इस वर्ष के सम्मेलन में न केवल जर्मनी द्वारा ग्लोबल फंड टू फाइट एड्स, ट्ययूबरक्युलोसिस एंड मलेरिया के लिए एक अरब यूरो की ऐतिहासिक सहायता की घोषणा की गई, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य के लिए वित्तीय सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाने का आव्हान भी किया गया। इसी के साथ, बर्लिन में आयोजित इस शिखर सम्मेलन के दौरान भारत और विशेष रूप से जयपुर स्थित निम्स यूनिवर्सिटी की उल्लेखनीय भूमिका की खुले मंच पर सराहना की गई।

वर्ल्ड हैल्थ समिट के मंच से इस बार विशेष रूप से उल्लेख किया गया कि वर्ष 2025 में भारत में आयोजित वर्ल्ड हेल्थ समिट रीजनल मीटिंग – नई दिल्ली अब तक की सबसे बडी और प्रभावशाली क्षेत्रीय बैठक थी। इस आयोजन की अगुवाई प्रो. (डॉ.) बलवीर एस. तोमर, इंटरनेशनल प्रेसिडेंट, वर्ल्ड हेल्थ समिट और चांसलर, निम्स यूनिवर्सिटी राजस्थान ने की थी। इस समिट में 5000 से अधिक लोगो ने भाग लिया, जिसमें 160 से अधिक सेशन, 54 से अधिक देशों के लोगो ने भाग लिया।

नई दिल्ली में आयोजित इस बैठक में 54 से अधिक देशों से उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल शामिल हुए थे, जिनमें नीति निर्माता, वैज्ञानिक संस्थान, , और विश्व बैंक के अधिकारी मौजूद थे। सम्मेलन में डिजिटल हेल्थ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वन हेल्थ, हेल्थ इक्विटी और युवाओं की भूमिका पर केंद्रित चर्चाओं ने वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को और सशक्त किया। बर्लिन में उपस्थित विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने इस अवसर पर कहा कि भारत ने न केवल उत्कृष्ट मेजबानी की बल्कि एशिया को वैश्विक स्वास्थ्य विमर्श में एक केंद्रीय स्थान पर स्थापित किया है। डॉ. तोमर के दूरदर्शी नेतृत्व में आयोजित यह कार्यक्रम एशिया की सबसे बड़ी हेल्थ डिप्लोमैटिक मीटिंग के रूप में दर्ज हुआ, जिसने वर्ल्ड हेल्थ समिट की पहचान को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। ज्ञात रहे कि वर्ल्ड हैल्थ समिट 2024 के दौरान प्रो. डॉ. बलवीर एस. तोमर को अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। उन्होंने मोनाश यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया की डॉ. सोफिया ज़ूघनस से नेतृत्व की बागडोर प्राप्त की थी।

डॉ. तोमर ने संबोधित करते हुए कहा कि, आज दुनिया स्वास्थ्य, वित्त और जलवायु के जटिल संकटों से जूझ रही है। हमें सामूहिक जिम्मेदारी लेकर स्वास्थ्य को एक वैश्विक सार्वजनिक संपत्ति के रूप में देखना होगा। भारत ने 'डिजिटल हेल्थ मिशन', 'वन हेल्थ अप्रोच' और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से जो मॉडल प्रस्तुत किया है, वह अन्य देशों के लिए अनुकरणीय उदाहरण है।

'विशेष योग्यजन बच्चों का दत्तक ग्रहण ईश्वर की सेवा समान पुण्य'

राजस्थान संविधान क्लब में विशेष बच्चों के पुनर्वास पर की क्षेत्रीय परामर्श बैठक आयोजित हुई।

जयपुर। केंद्रीय दत्तक -ग्रहण संसाधन प्राधिकरण और राजस्थान के बाल अधिकारिता विभाग की ओर से सोमवार को जयपुर स्थित राजस्थान संविधान क्लब में "विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (दिव्यांग बच्चों) के गैर-संस्थागत पूनर्वास" पर उत्तरी क्षेत्र की क्षेत्रीय परामर्श बैठक आयोजित हुई।

कार्यशाला में उद्घाटन सत्र में अपने सम्बोधन में केंद्रीय दत्तक -ग्रहण संसाधन प्राधिकरण की सीईओ भावना सक्सैना ने कहा कि विषेष योग्यजन बच्चों का दत्तक ग्रहण ईश्वर की सेवा के समान पुण्य सेवा कार्य है, जो सन्तान विहीन माता-पिता यदि ईश्वर की सच्ची सेवा करना चाहते हैं, वे विशेष योग्यजन बच्चों का दत्तक ग्रहण कर इस पुण्य सेवा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (दिव्यांग बच्चों) की विशिष्ट आवश्यकताओं को समझते हुए पुनर्वास के गैर-संस्थागत रूपों को सुदृढ करने के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध किया है, जिसमें दत्तक ग्रहण एक केंद्रीय स्तंभ है। लक्ष्यों को उच्चतम स्तर पर प्राप्त करके हमारा सेवा कार्य सार्थक सिद्ध हो सकता है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक मानसिकता में बदलाव लाकर इस सेवा में आ रही चुनौतियों को दूर किया जा सकता है। देश में दत्तक ग्रहण के लिए नोडल एजेंसी के रूप में को देश में दत्तक ग्रहण को बढ़ावा देने और सुगम बनाने तथा अंतर-देशीय दत्तक ग्रहण को विनियमित करने का दायित्व सौंपा गया है। बाल अधिकारिता आयुक्त आशीष मोदी ने कहा कि विषेष योग्यजन बच्चों के दत्तक ग्रहण का कार्य सिम्पैथी के स्थान पर एमपैथी के संग किया जाना ज्यादा प्रभावी एवं आवश्यक है। सिम्पैथी केवल संवेदना है किन्तु एमपैथी वह वास्तविक जरूरत है, जिससे उत्कृष्ट सेवा सम्पादित की जा सकती।

सार-समाचार

मिलन सौर ऊर्जा केंद्र को सम्मानित किया

जयपुर। मिलन सौर ऊर्जा केंद्र को आरईसी लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम) द्वारा राजस्थान में पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 10 मेगावाट से अधिक रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन का अद्वितीय प्रदर्शन करने के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार मिलन सौर ऊर्जा केंद्र के निदेशक महेश यादव को आरईसी लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक (आरटीएस) सरस्वती द्वारा भव्य समारोह में प्रदान किया गया। इस अवसर पर आरईसी से मधुकर, सोलर संगठन से अरविंद सिंधावा और मोहित अरोड़ा मौजूद रहे। वहीं रीयर संस्था से अजय यादव एवं रोहित गुप्ता ने भी समारोह की शोभा बढ़ाई। सम्मान प्राप्त करते हुए महेश यादव ने आरईसी एवं सभी सम्बंधित पक्षों का आभार जताते हुए हर घर तक हरित ऊर्जा पहुँचाने के अपने संकल्प को दोहराया। आरईसी लिमिटेड ने मिलन सौर ऊर्जा केंद्र के सतत प्रयासों और राज्य में अक्षय ऊर्जा मिशन को बढ़ावा देने की सराहना की। यह उपलब्धि राजस्थान के सौर ऊर्जा क्षेत्र में मिलन सौर ऊर्जा केंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका को चिन्हित करती है और हरित ऊर्जा की दिशा में की जा रही सामूहिक कोशिशों को रेखांकित करती है।

महिला हस्तशिल्प के लिए एम.ओ.यू.

जयपुर (कासं)। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) ने अपनी नई पहल "उन्नति इन्क्यूबेशन हब" के तहत सोमवार को भारतीय शिल्प एवं डिजाइन संस्थान जयपुर के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता आज राजीविका राज्य मुख्यालय, जयपुर में संपन्न हुआ, जिसका उद्देश्य ग्रामीण एवं स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं के हस्तशिल्प आधारित आजीविका को सशक्त बनाना है। इस अवसर पर आईआईसीडी की ओर से नरेंद्र गुप्ता (सचिव, आईआईसीडी) तथा उनकी टीम उपस्थित रहे। वहीं राजीविका की ओर से मिशन निदेशक नेहा गिरि, परियोजना निदेशक प्रीति सिंह, एवं राज्य परियोजना प्रबंधक डॉ. पूजा शर्मा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस समझौते का उद्देश्य डिजाइन आधारित हस्तक्षेपों एवं क्षमता निर्माण के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के कौशल विकास, नवाचार, उत्पाद विविधीकरण एवं विपणन सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

प्रकृति की पुकार थीम पर वार्षिकोत्सव

जयपुर। गॉडशिप अकादमी में प्रकृति की पुकार थीम पर 11वां वार्षिक उत्सव "प्रकृति का क्रंदन कहीं क्रोध न बन जाए" मनाया गया। बच्चों की प्रस्तुति ने यह संदेश दिया कि, संभल जाओ अभी समय है प्रकृति का अत्यधिक दोहन हमारे लिए बहुत खतरनाक हो सकता है। प्रकृति में संतुलन बनाए रखना बहुत आवश्यक है। बच्चों की इन प्रस्तुतियों पर बिरला सभागार का ऑडिटोरियम भी तालियों से गूंज उठा। प्रिंसिपल डायरेक्टर संगीता भवाल ने अभिभावकों और उपस्थित मुख्य अतिथि को धन्यवाद दिया। समारोह में मुख्य अतिथि एल .एन. सोनी (सेवानिवृत्त संभागीय आयुक्त कोटा) रहे।

प्रो. अशोक कुमार को अवार्ड मिला

जयपुर। वेलनेस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में वेलनेस डिस्टिंग्विश्ड अवार्ड फॉर एकेडमिक डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन - 2025 से प्रो. अशोक कुमार को सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, नवाचारपूर्ण नेतृत्व, और विज्ञान एवं अनुसंधान में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया। प्रो. अशोक कुमार एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, प्रख्यात वैज्ञानिक और दूरदर्शी प्रशासक हैं, जिन्होंने पिछले पाँच दशकों में भारतीय उच्च शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान को नई दिशा प्रदान की है। वे विकिरण एवं कैंसर जीवविज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी वैज्ञानिक के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अपने शैक्षिणक जीवन की शुरुआत की और बाद में राजस्थान विश्वविद्यालय, एच.पी. विश्वविद्यालय शिमला तथा लखनऊ विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएँ दीं। वर्ष 2001 में वे प्राणीशास्त्र ( ) के प्रोफेसर बने। उनके मार्गदर्शन में अब तक 7 एम.फिल. और 35 पी.एच.डी. शोधार्थी कार्य कर चुके हैं। उन्होंने 125 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और 20 से अधिक देशों में व्याख्यान दिए हैं, जिनमें जापान, जर्मनी, अमेरिका, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस शामिल हैं।

महिला स्वास्थ्य परिचर्चा सम्पन्न

जयपुर। वॉर्ड 131 स्थित पाथेय भवन मालवीय नगर में महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर एक स्वास्थ्य परिचर्चा आयोजित हुई। डॉ. प्रिया गुप्ता, डॉ. अनुपमा गंगवाल और डॉ. फियोनिका पोरवाल ने ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर और अन्य स्त्री रोगों पर महिलाओं को जानकारी देते हुए बचाव के लिए महत्वपूर्ण बिंदु साझा किए। अंत में कार्यक्रम संयोजक पार्षद गोविन्द छीपा ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर नीरजा सक्सेना, शोभल सिंह, लीना सिंह, माधुरी कुमार, राम कृपाल पारीक सहित अनेक गणमान्य नागरिक और आमजन मौजूद रहे।

Celebrating National Dessert Day

National Dessert Day, celebrated every year on October 14, is a sweet reminder to indulge in life's delightful treats. From creamy cheesecakes and decadent chocolates to fruity tarts and warm pastries, desserts bring joy to every occasion. Beyond their irresistible taste, desserts often symbolize celebration, comfort, and togetherness, whether shared with family, friends, or savoured solo. On this day, bakers, chefs, and dessert lovers alike honour creativity and flavour, experimenting with classic recipes or trying innovative sweets. So go ahead, treat yourself to your favourite dessert, and savour the simple pleasures that make life a little sweeter.

#ARTIFACTS

A Blade of Prestige

The 4,500-Year-Old Crystal Dagger of Copper Age Spain

In the heart of southern Spain, nestled within the Copper Age necropolis of Valencina de la Concepción, archaeologists uncovered a breathtaking artifact that has captivated historians and researchers alike, a 4,500-year-old dagger meticulously crafted from rock crystal. This exceptional blade, set in an ivory hilt, stands as one of the most extraordinary examples of prehistoric craftsmanship ever found in Western Europe.

Unlike the flint tools commonly associated with the era, the use of quartz crystal, a material both challenging to work due to its brittleness and symbolically charged, signals a highly developed level of skill and intention. Shaping such a hard and fragile mineral into a functional and aesthetically refined weapon would have required not only technical knowledge but also a degree of artistic vision rarely attributed to prehistoric artisans.

The dagger's construction from rare and valuable materials, crystal and ivory, immediately sets it apart from everyday tools or weapons. These substances, prized for their beauty and difficulty to acquire, suggest that the blade was never intended for combat or labor. Instead, it likely served a ceremonial or symbolic role, embodying power, status, and possibly spiritual significance. Its discovery in a lavishly equipped tomb, accompanied by other prestige items, hints at its association with a high-ranking individual, perhaps, a local ruler, shaman, or figure of considerable social or religious authority.

This remarkable find not only highlights the technical prowess of Copper Age communities on the Iberian Peninsula but also provides a window into their complex social hierarchies and belief systems. The dagger's placement within an elite burial suggests that such objects functioned as markers of identity and instruments of ritual, reinforcing the status of their owners both in life and in death.

Beyond its immediate archaeological importance, the crystal dagger speaks to a broader human impulse: the drive to create beauty, to assign meaning to materials, and to express cultural values through craftsmanship. Its survival through millennia allows us to glimpse the symbolic worlds of our ancestors, reminding us that even in prehistory, humans were capable of profound expression and sophisticated social organization.

This singular artifact, gleaming after thousands of years in the earth, continues to illuminate the rich cultural tapestry of prehistoric Europe and underscores how much remains to be discovered about the artistry and imagination of our ancient past.

The Parsi New Year : A Tale of Two Calendars

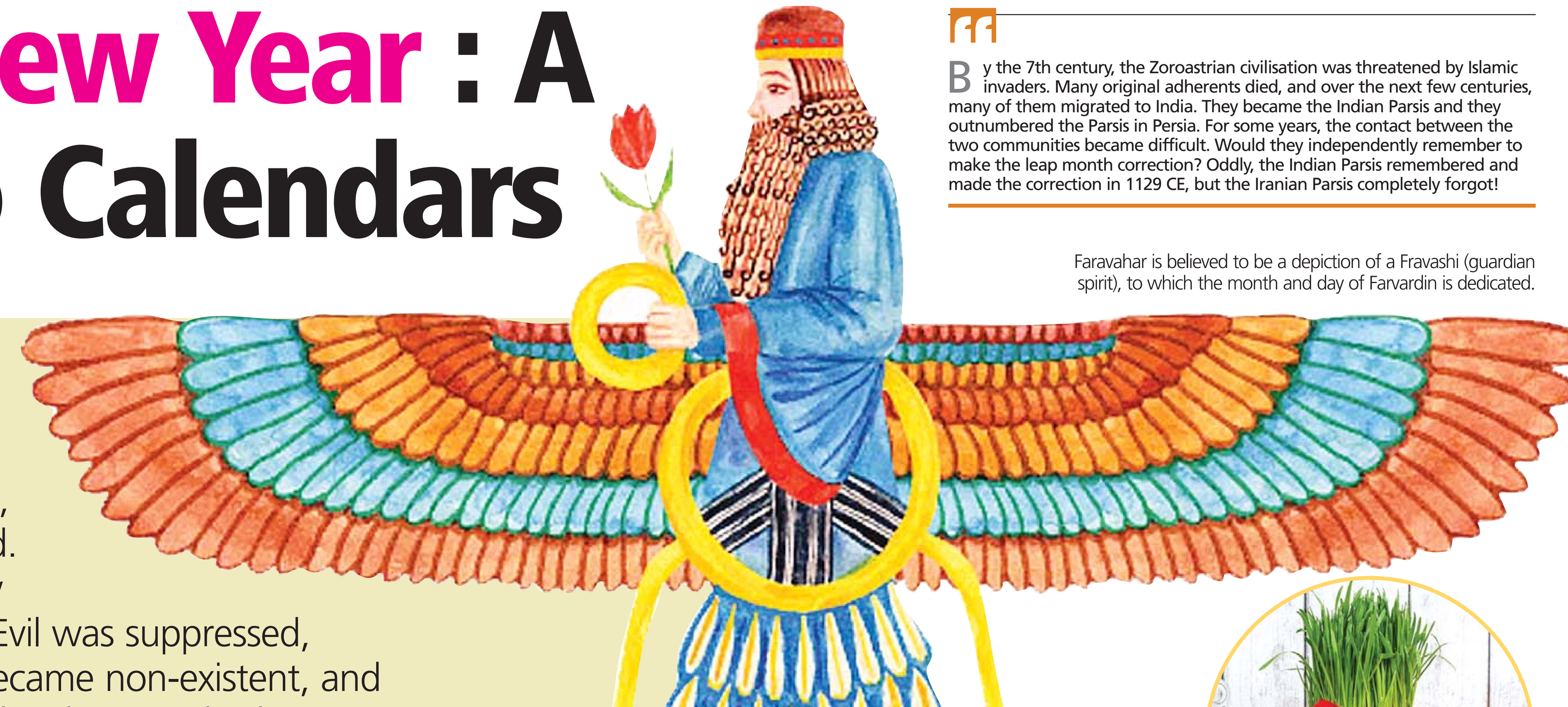

The storm raged for a long time. Then, on the day of the Vernal Equinox (21st March by the modern calendar), the snowstorm passed over, spring arrived, and prosperity returned. Jamshed was now crowned on a new throne, and the good days returned. Evil was suppressed, imperial benevolence grew, disease became non-existent, and people became virtually ageless. The day that Jamshed crowned himself, the Vernal Equinox Day, was celebrated by Parsis as the dawn of a new era. And it was called Navroz (meaning 'New Day') or Jamshedi Navroz.

> By the 7th century, the Zoroastrian civilisation was threatened by Islamic invaders. Many original adherents died, and over the next few centuries, many of them migrated to India. They became the Indian Parsis and they outnumbered the Parsis in Persia. For some years, the contact between the two communities became difficult. Would they independently remember to make the leap month correction? Oddly, the Indian Parsis remembered and made the correction in 1129 CE, but the Iranian Parsis completely forgot!

Faravahar is believed to be a depiction of a Fravashi (guardian spirit), to which the month and day of Farvardin is dedicated.

● Verna Mohon

Different communities across the world celebrate their New Year's Day on different days of the year, based on the calendars they follow. The Parsis celebrate their New Year, Navroze, twice a year! Read on to find out why.

The Parsis are a micro-minority community in India (by one estimate, there are less than 70,000 Indian Parsis). Yet, they have produced a disproportionately large number of high achievers in many spheres: arts, sciences, cinema, business, military and more. They have rich traditions and follow a religion called Zoroastrianism that is at least 3,000 years old.

Parsis from India, c. 1870

One unique tradition is that they celebrate the New Year twice every year. How can a calendar have two beginnings? Let us start from the beginning, from prehistory. According to Parsi tradition, the ancient Persian empire was once ruled for 700 years by the greatest of the Peshdadian dynasty king named Jamshed. (The ancient Persian Empire was much larger than contemporary Iran. It covered vast tracts of West Asia.) Jamshed was wise and compassionate and had the blessings of the Parsi god Ahura Mazda and the counsel of Sarosh Yazad, an angel of the god. Early in his reign, Sarosh Yazad alerted him to take precautions against a humongous snow storm that would strike the world and cover it with ice. So, Jamshed moved his people along with a pair of every species of plant and animal to a higher region.

Ancient Persian Empire, c. 500 BCE

The storm raged for a long time. Then, on the day of the Vernal Equinox (21st March by the modern calendar), the snowstorm passed over, spring arrived, and prosperity returned. Jamshed was now crowned on a new throne, and the good days returned. Evil was suppressed, imperial benevolence grew, disease became non-existent, and people became virtually ageless. The day that Jamshed crowned himself, the Vernal Equinox Day, was celebrated by Parsis as the dawn of a new era. And it was called Navroz (meaning 'New Day') or Jamshedi Navroz. This New Year has been celebrated for centuries ever since, not only in Iran but also neighbouring countries like Tajikistan, Azerbaijan, Armenia, Georgia, Afghanistan and others (which were probably influenced by the greater Persian Empire).

Parsis from India, c. 1870.

#CALENDAR

Khurshedji Cama, fourth from the left, back row.

Remember, many ancient societies (like the Arabs, Egyptians, Greeks, and the Indians, of course) had extremely talented astronomers. Even with naked-eye observations of the Sun and the Moon, they could measure time with a fair degree of accuracy. The Moon gave them measurement of the month, the Sun gave them measurement of the year. Ancient Persian astronomers calculated a month as 30 days (known as Roj). This was an approximation of the actual interval of 29.5 days between one new moon and the next. Interestingly, each Roj had a name (unlike the Gregorian and Hindu calendars, where we have names only for the seven days of the week). These names repeated every 30 days, because each of the 12 months (known as Mahs) had a standard number of 30 days. The Persians also calculated a year as 365 days. Now, the problem was that 12 months did not add up to one year (12 x 30 = 360, not 365). Even in Jamshed's times, they recognised this and added five days (known as Gathas) to the 12th month. The new year began on the first of Farvardin, which was the first month. This system, called the Shahenshahi (or Imperial) Calendar, was a good approximation, and reconciled the lunar and solar calculations of a year. Faravahar is believed to be a depiction of a Fravashi (guardian spirit), to which the month and day of Farvardin is dedicated.

Yet, they ignored one problem. A year (the time taken by the Earth to orbit the sun) is 365.25 days, not 365. At first, 0.25 days seemed like a very small difference. But every four years, it added to a full day. So, every year, the Parsis were celebrating the Navroz earlier and earlier. In the year 1006 CE, the Shahenshahi calendar had swallowed a full year, so that the Vernal Equinox day of the Shahenshahi and Gregorian calendars had a perfect match! The problem was no longer small and so Parsi scholars consulted the Denkard, the Parsi Religious Manual, for a permanent solution.

What they found was amazing! The ancient Parsi sages had already anticipated this problem. The Denkard offered not one but four solutions: a leap day every four years, or ten leap days every forty years, or a leap month every 120 years, or five leap months every 600 years. The first alternative, a leap day every four years, would have been most convenient (this is what Pope Gregory chose in 1582 CE). But the scholars chose the third option: a leap month every 120 years. Now, who would remember to make the correction after 120 years?

By the 7th century, the Zoroastrian civilisation was threatened by Islamic invaders. Many original adherents died, and over the next few centuries, many of them migrated to India. They became the Indian Parsis and they outnumbered the Parsis in Persia. For some years, the contact between the two communities became difficult. Would they independently remember to make the leap month correction? Oddly, the Indian Parsis remembered and made the correction in 1129 CE, but the Iranian Parsis completely forgot! Another 120 years passed. By now, both the Parsi communities had completely forgotten the leap month adjustment.

In 1720, an Iranian Parsi priest, Jamasp Peshotan Velati, came to India and noticed that the calendars for religious dates were not tallying with the Iranian version. Neither party knew why. Around 1745, the priests of Surat in India decided to follow the dates that Velati had mentioned. This became the Qadimi version of the calendar and was followed by some Parsis. The basic issue was still unresolved, though.

In 1906, Khurshedji Cama, a scholarly Parsi reformer from Mumbai (and father-in-law of the Indian freedom fighter Madam Bhikaiji Cama), studied the problem carefully and argued that the best way was to add one leap day after every four years. This day could be added to the five days that they were already adding in the twelfth month. This was called the Fasli Calendar. Fasli supporters argued this was the accurate solution and other forms of the calendar were being followed for political rather than religious reasons. But the Parsi orthodoxy of India was reluctant to change. Meanwhile, by 1930, the Iranian Parsi community formally embraced the Fasli calendar (though some Iranian Parsis still follow the Qadimi system). The Central and West Asian countries observing Navroz also converted to the Fasli system.

So, in Iran and Central Asia, Navroz or New Year is the Vernal Equinox day or 21st March. That is the 1st of Farvardin in their Fasli calendar. The Indian Parsis also celebrate this as Jamshedi Navroz. But functionally, the Indian Parsi New Year begins on the Shahenshahi Navroz which is a shifting date. In 2023, the Shahenshahi Navroz is on 16th August. In 1992, the Shahenshahi, Qadimi and the Fasli calendars coincided on Navroz day. This was a good opportunity to merge all three systems, but the majority of the Parsi community felt that that change would be inconvenient. On 21 March 2632 CE, the Fasli and Shahenshahi calendar will once again coincide; till then, perhaps, the Parsis would joyously celebrate two New Years!

Postscript

1. It is amazing how many ancient civilisations have similar memories of a global disaster. Hindu scriptures talk of Pralaya or a massive flood, and the Old Testament (which is sacred to Muslims, Christians and Jews) also talks of a similar flood. Jamshed's high settlement appears remarkably similar to Mount Ararat in which Noah's Ark anchored.
2. The system of adding one month is not entirely unique to Zoroastrian thought. In some lunisolar Hindu calendars, 12 lunar months of 29.5 days add up to a lunar year of 354 days. But a solar year is 365.25 years, so, an extra month is added after 32.5 months. The Jews make a similar correction after the month of Adar, and the Buddhists do the same after Ashada or Waso month.

rajeshsharma1049@gmail.com

Ancient Persian Empire, c. 500 BCE.

#SLEEP APNEA

Do You Have Sleep Apnea?

About half of the 90 million people who snore have obstructive sleep apnea (OSA), a condition that actually disrupts breathing, and is linked to heart disease

Using a continuous positive air pressure machine is a common way to treat obstructive sleep apnea. But there is growing confusion among many people about whether or not they should use one.

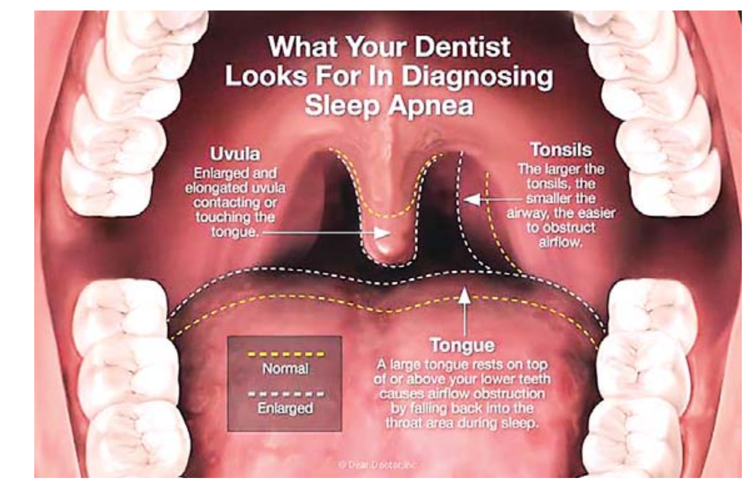

High on the list of sounds no one wants to hear is the snoring of a bed partner. But sometimes that harsh, rasping sound is more than just annoying; it can be life-threatening.

About half of the 90 million people who snore have obstructive sleep apnea (OSA), a condition that actually disrupts breathing, is linked to heart disease, and can even be fatal. Even more troubling, it's possible to have the condition and not even know it. Perhaps unsurprisingly, many people avoid seeking help for snoring because they don't think it's a big deal. Or they do, but don't want to undergo a sleep test in an overnight lab (which is how OSA is typically diagnosed). Or they're worried they'll be diagnosed with OSA and have to use CPAP, the most common, and notoriously difficult to tolerate, treatment.

A recent recall of one company's device has added to public confusion. To clear things up, Henry Yaggi, a pulmonologist and director of the Yale University Center for Sleep Medicine, and Andrey Zinchuk, who directs an Advanced Apnea Management Program at Yale, put together seven things you need to know about obstructive sleep apnea, advances in CPAPs, and other OSA treatments.

1. OBSTRUCTIVE SLEEP APNEA-DEFINED

Obstructive sleep apnea is the most common form of sleep apnea, a disorder in which your breathing during sleep repeatedly stops and starts. There is also central apnea, when the brain doesn't regulate breathing properly, and mixed apnea, a combination of obstructive and central apneas. Whether or not they are aware of it, some people with OSA experience hundreds of episodes of stopped or interrupted breathing each night, and this can have severe impacts on their quality of life in the daytime.

2. THERE HAVE BEEN IMPROVEMENTS TO CPAP MACHINES

A little background. The CPAP machine, considered the 'gold standard' of sleep apnea treatment, is designed to regulate breathing during sleep. However, it is notoriously perceived to be unpleasant and, thus, doesn't work for some people.

3. PUTTING THE RECENT CPAP RECALL IN CONTEXT

One thing that may be top-of-mind for people is the recent recall of some CPAP devices. In June 2021, one CPAP manufacturer, Phillips Respironics, voluntarily recalled certain ventilators, BiPAP, and CPAP machines because of potential health risks.

4. THERE ARE AVAILABLE TREATMENTS OTHER THAN CPAP

There is good news, especially for those who don't tolerate the CPAP machine.

- Lifestyle changes.
- Oral appliances, which are devices placed in your mouth to keep the airways open, may be prescribed.
- Performing upper airway exercises.
- Sleeping on your side or stomach instead of on your back.
- Surgery, including common procedures to the nose, tongue, or palate. One promising CPAP alternative is the surgical implantation of a pacemaker-sized device called the hypoglossal nerve stimulator.

5. IT'S NOW POSSIBLE TO DO SLEEP STUDIES FROM HOME

Up until a few years ago, it was standard for a doctor to recommend sleep tests in overnight labs for suspected sleep apnea. But now, more people are taking their sleep tests at home. The equipment is less cumbersome. "Home tests" have been used for hospitalized patients who are sick with an illness in addition to suspected sleep apnea.

6. A PRECISION MEDICINE APPROACH TO DIAGNOSING OBSTRUCTIVE SLEEP APNEA

Obstructive sleep apnea is not always a simple diagnosis. Machine learning techniques, or 'cluster analytics,' are used to identify patterns important to your health. And one of the most exciting breakthroughs is that by using sleep data analysis, doctors can now often predict who will do well on CPAP therapy and who is likely to have difficulty tolerating it.

7. WHY IT'S IMPORTANT TO TREAT SLEEP APNEA

It's important to know that sleep apnea can affect anyone, but men are at higher risk than women (about 25% of men suffer from OSA), as are people over age 50 and/or overweight, according to the National Sleep Foundation. As important as identifying the condition is figuring out the sleep apnea treatment that is best for you, not only to manage the condition, but also to avoid the litany of other problems sleep apnea can cause. OSA can lead to mental health disorders, including depression. People who have untreated OSA are also at increased risk for cardiovascular conditions, high blood pressure, liver problems, metabolic syndrome, stroke, Type 2 diabetes, and complications with medications and surgery. The list goes on to include poor work performance and car accidents that result from daytime fatigue.

THE WALL

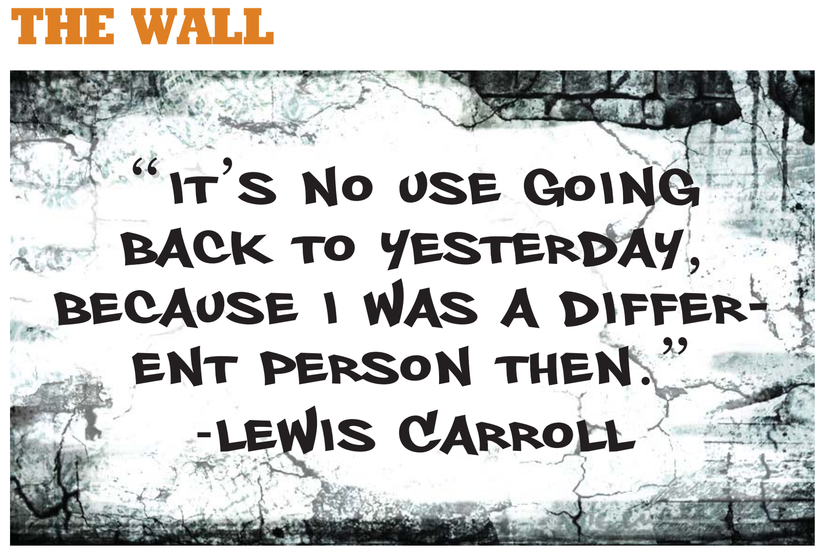

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

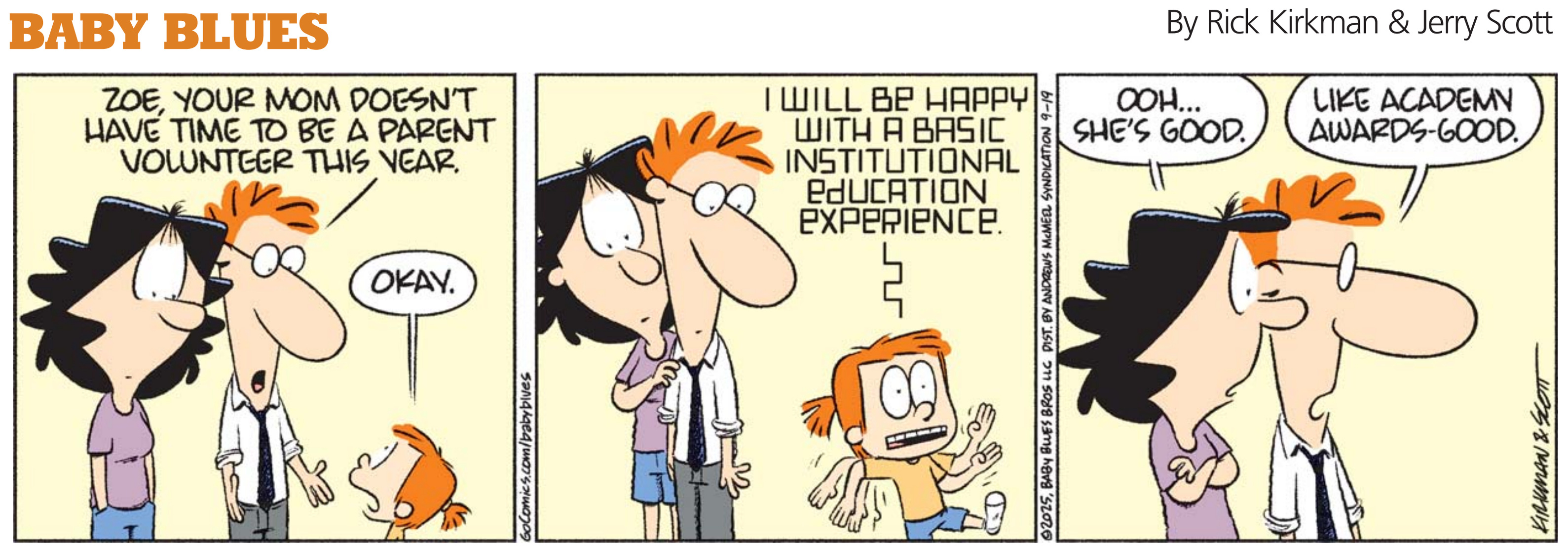

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

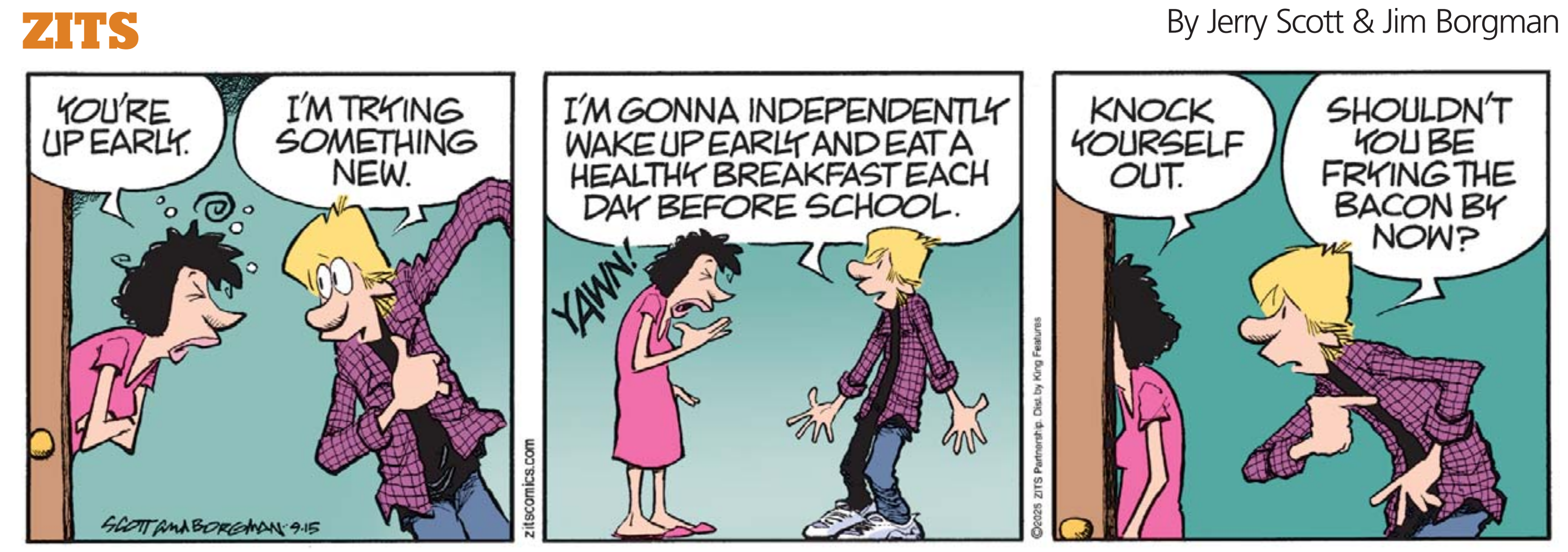

चेकिंग के लिए गये एईएन और अन्य विद्युत कर्मियों से मारपीट मामले ने तूल पकड़ा

अधिकारियों व कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की

- **ग्राम ललाना में बिजली चोरी पाई गई थी, जिस पर कार्यवाही करने पर वहां मौजूद कुछ लोगों ने विद्युत विभाग के एईएन और अन्य विद्युत कर्मचारियों से मारपीट की थी**

पावटा, (निसं)। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के ग्राम ललाना में रविवार को विजिलेंस चेकिंग के लिए गए विद्युत विभाग के एईएन और अन्य विद्युत कर्मचारी के साथ हुई मारपीट को लेकर विद्युत विभाग कार्यालय पावटा एईएन संजीव जाखड़ ने प्रागपुरा थाने में मामला दर्ज करवाया है। एईएन ने बताया कि रविवार को पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के ग्राम ललाना में ठेकेदार की ढाणी में विद्युत कर्मचारी उमेश फोगाट, राजेंद्र तोदवाल, संजय यादव, जाऊदीन कुरैशी व एफआरटी टीम के साथ पहुंचे, जहां जांच के दौरान कैलाश पुत्र रीछपाल स्वामी, मुकेश कुमार पुत्र अर्जुन दास स्वामी के परिसर में बिजली चोरी पाई गई, जिस पर कार्यवाही करने पर वहां मौजूद सतवीर उर्फ सत्तू पुत्र रीछपाल स्वामी, कैलाश स्वामी द्वारा मेरे व मेरे कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई व गाड़ी छीन ली गई। सतवीर उर्फ सत्तू ने मुझे गाड़ी से खींच लिया व मारपीट करते हुए मोबाइल छीनने की कोशिश की। वहां पर मौजूद महिला-पुरुषों की भीड़ ने मारपीट करते हुए गाड़ी को जाने नहीं दिया। किसी तरह से वहां से जान बचाकर प्रागपुरा थाने पहुंचे। जहां उन लोगों के खिलाफ मारपीट व राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज करवा कार्यवाही की मांग की। वहीं सोमवार को विद्युत विभाग एईएन व कर्मचारियों के साथ मारपीट के मामले ने तूल पकड़ लिया है। सोमवार को विद्युत विभाग कार्यालय पावटा पर विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने इस घटना पर आक्रोश जताते हुए धरना प्रदर्शन कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन करते हुए कहा कि यह घटना ने केवल एक सरकारी कर्मचारी पर हमला है, बल्कि शासन की गरिमा व प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सीधा प्रहार है। इस तरह की घटनाओं पर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो शासकीय कार्यों में निरंतर बाधा उत्पन्न होती रहेगी और कर्मचारियों में असुरक्षा की भावना गहराती रहेगी। वहीं अपराधियों के हौसले बुलंद होते रहेंगे। वारदात के बाद भी आरोपी अभी पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं, अगर जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जायेगा व कार्य बहिष्कार किया जाएगा। वहीं विद्युत विभाग कार्यालय पावटा से सभी विभागीय अधिकारी व कर्मचारी एकजुट होकर पैदल मार्च करते हुए उपखंड कार्यालय पावटा पहुंचे, जहां संयुक्त अधिकारी कर्मचारी एकता मंच द्वारा उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंप अपराधियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की, जिस पर उपखंड अधिकारी साधना शर्मा ने शीघ्र ही कार्यवाही का आश्वासन दिया।

इस दौरान पावटा सब डिवीजन से एईएन संजीव जाखड़, जेईएन वीरेंद्र यादव, सोहनलाल स्वामी, आफताब आलम, कर्मचारी टोडाराम, गोविंद शर्मा कोटपूतली डिवीजन सर्किल से विजय यादव, योगेंद्र सिंह, महेश यादव, राधेश्याम, रामसिंह व कोटपूतली सब डिवीजन से जेईएन अमर सिंह, कृष्ण सैनी, रामलखन गुर्जर, एचटीएम एईएन धनपाल सिंह, प्रदीप कुमार जांगिड़, अनिल सैनी , बुधराम गुर्जर, रूप सिंह, सवाई सिंह, नारेहड़ा सब डिवीजन से एईएन बी डी शुक्ला, जेईएन राकेश जाजड़ा, कर्मचारी बुधराम, एआरओ सुनील, सुरेंद्र फौजी, विराटनगर सब डिवीजन से जेईएन अजय बाज्या, अजय गिठाला, कर्मचारी धर्मेंद्र, तेजपाल, श्याम सुंदर, किशनगढ़बास एईएन परमजीत यादव सहित बड़ी संख्या में विभागीय अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

शहरी सेवा शिविर में महापौर और यूआईटी पटवारी के बीच विवाद हुआ

- **यूआईटी ओएसडी और तहसीलदार ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया**

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर निगम परिसर में संचालित हो रहे शहरी सेवा शिविर में सोमवार को जबरदस्त माहौल बन गया। इसका कारण था महापौर राकेश पाठक और यूआईटी पटवारी मानवेंद्र सिंह के बीच विवाद इतना बढ़ा कि यूआईटी ओएसडी चिमनलाल और तहसीलदार नीरज रावत को बीच-बचाव के लिए आना पड़ा, तब जाकर मामला शांत हुआ।

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह शिविर में यूआईटी पटवारी मानवेंद्र सिंह काम कर रहे थे। एक व्यक्ति आए जिन्होंने उन्होंने किसी रिकॉर्ड को लेकर तकाजा किया तो पटवारी ने कहा कि तहसील कार्यालय से रिकॉर्ड आप लेकर आओ। महापौर पाठक भी उस दौरान शिविर में मौजूद थे। वह व्यक्ति महापौर पाठक के पास चला गया। उन्हें अपनी कहानी सुना दी। महापौर पाठक ने पटवारी के पास जाकर कहा कि जब यूआईटी के नाम हो चुकी है तो उसका रिकॉर्ड आप उपलब्ध कराओ। लेकिन पटवारी नहीं माना। पटवारी ने कहा कि आप चाहे महापौर हो तो भी रिकॉर्ड आपको लानी पड़ेगी। इस बात को सुनकर पाठक भड़क गए। हाल ये हो गया कि दोनों के बीच कहासुनी की आवाज शिविर से बाहर तक चली गई। देखते ही देखते लोगों की संख्या इकट्ठी हो गई। इधर से मेयर पाठक ने बोलना जारी रखा तो उधर से पटवारी सिंह अपनी सफाई पेश करता रहा। आखिरकार ओएसडी चिमनलाल और तहसीलदार नीरज रावत को आना पड़ा। वे महापौर को दूसरी ओर लेकर चले गए।

इधर पटवारी ने भी अपनी गलती मानते हुए रिकॉर्ड मंगाने के लिए हामी भर दी। इस मामले को लेकर पटवारी मानवेंद्र सिंह ने कुछ बोलने से इनकार कर दिया तो वहीं ओएसडी चिमनलाल ने कहा कि किसी चीज को लेकर गतिरोध था वह दूर हो चुका है। महापौर पाठक ने कहा कि सरकार ने शिविर इसलिए लगाए ताकि आवेदक को इधर-उधर धक्के न खाने पड़े, लेकिन पटवारी मानवेंद्र सिंह खुद रिपोर्ट देने की बजाय आवेदकों से मंगाकर नाजायज परेशान कर रहा है।

चार प्रतिष्ठानों पर पेनल्टी लगाई

पाली, (निंसं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग जयपुर के निर्देशानुसार दीपावली के त्योहार पर मिठाई, सूखे मेवे, बेकरी उत्पाद इत्यादि के साथ डिब्बा तौलने, कम माप तौल एवं पैकेजिंग निमयों में तय मापदंडों के अनुसार बिक्री न करने इत्यादी की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा 13 से 19 अक्टूबर तक एक विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। रसद अधिकारी मंजीत सिंह ने बताया कि अभियान के तहत गठित संयुक्त जांच दल प्रवर्तन अधिकारी कमल कुमार पंवार, जितेन्द्रसिंह एवं विधिक माप विज्ञान अधिकारी विष्णुदत जोशी द्वारा जिले में सोमवार को पाली शहर स्थित चार प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया, जिसमें अनियमितताएं पाये जाने के कारण सात हजार पांच सौ रूपये की पेनल्टी लगायी गयी।

सौर ऊर्जा परियोजना के नाम पर 80 लाख रुपए की धोखाधड़ी

जयपुर निवासी परिवादी ने जोधपुर, गाजियाबाद और कोलकाता के पांच आरोपियों के खिलाफ सेरूणा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है

- **परिवादी का आरोप है कि इन लोगों ने उसकी कंपनी एग्रोसन एनर्जी लैंड डेवलपर्स के माध्यम से सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित करने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी की है**
- **आरोपियों ने पूनरासर और राजपुरा के बीच 125 बीघा भूमि को सौर ऊर्जा परियोजना के लिए तैयार बताकर 35 मेगावॉट क्षमता के प्लांट का कार्य दिखाया**

बीकानेर, (निसं)। सौर ऊर्जा परियोजना के नाम पर सूडसर इलाके में लाखों की ठगी का मामला सामने आया है। जयपुर निवासी अंशुल पुत्र राधेराम गोदारा ने जोधपुर, गाजियाबाद और कोलकाता के पांच आरोपियों के खिलाफ सेरूणा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। परिवादी का आरोप है कि इन लोगों ने उसकी कंपनी एग्रोसन एनर्जी लैंड डेवलपर्स के माध्यम से सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित करने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी की है।

अंशुल के अनुसार, आरोपियों ने पूनरासर और राजपुरा के बीच 125 बीघा भूमि को सौर ऊर्जा परियोजना के लिए तैयार बताकर 35 मेगावॉट क्षमता के प्लांट का कार्य दिखाया। उन्होंने दावा किया कि यह प्रोजेक्ट निर्माणाधीन है और इसके आधार पर पब्लिक इश्यू लाने की संभावना जताई, जिससे कंपनी को निवेश और बड़ा लाभ मिलेगा। इसी झांसे में आकर परिवादी ने आर्थिक लेन-देन किया। शिकायत के मुताबिक आरोपियों ने लीजशुदा भूमि के 29 वर्ष का किराया (करीब 7 से 9 करोड़ रुपये) चुकाने की जिम्मेदारी और अग्रिम भुगतान के चेक परिवादी से ले लिए। इसके साथ ही, ग्रिड सब स्टेशन से 35 मेगावॉट विद्युत कनेक्टिविटी अपने नाम पर रिजर्व करवाई, जिससे संभावित निवेशकों और अन्य उत्पादकों को नुकसान हुआ। इससे न केवल परिवादी को आर्थिक हानि हुई, बल्कि राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान होने की आशंका है। परिवादी ने आरोप लगाया कि इस धोखाधड़ी से उसकी कंपनी का समय, पूंजी, प्रतिष्ठा और सामाजिक छवि बुरी तरह प्रभावित हुई। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने 80 लाख रुपये उधार लेकर अमानत में खयानत की और झूठे दस्तावेजों के आधार पर रुपये हड़प लिए।

ठगी मामले में चार गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में राजेश विद्यार्थी वृत्ताधिकारी टोंक एवं मेहन्दवास थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा मेहन्दवास क्षेत्र में स्थित बैंकों से प्राप्त संदिग्ध बैंक खातों के रिकॉर्ड व संदिग्ध बैंक खातों के विरूध्द समन्वय पोर्टल पर प्राप्त शिकायत व राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड पोर्टल की शिकायतों का विवरण प्राप्त कर तकनीकी संसाधनों से गहनता से विश्लेषण कर आरोपी मनीष मीणा पुत्र रमेशचन्द मीणा, नरेन्द्र मीणा पुत्र रामकुंवार मीणा, जितेश मीणा पुत्र पप्पुलाल मीणा व दिलखुश पुत्र मनफूल मीणा को आईटी एक्ट में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान आरोपियों के कब्जे से एक वाईट स्कॉर्पियो व फ्रॉड राशि 81 हजार 499 रूपये जब्त की। मेहन्दवास थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी बैंक खाताधारक द्वारा मोबाईल कॉल, इंस्टाग्राम, फेसबुक पर चेटिंग कर अन्य एप डाउनलोड करवाकर व लिंक भेजकर तथा राशि दोगुनी करने व फेंसी ड्रेस खरीदने का प्रलोभन देकर पीड़ितों से अपने खाते में राशि डलवा लेते थे।

‘न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दलहन उपजों की खरीद की गारंटी की घोषणा थोथी’

जयपुर। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह ने राजस्थान के किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दलहन उपजों की शत-प्रतिशत खरीद की गारंटी की घोषणा की है। इसमें चतुर्तापूर्ण भाषा शैली का उपयोग किया गया है। जो भी इसे सुनेगा, सामान्य रूप से प्रफुल्लित हो जाएगा, विशेष कर दलहन उत्पादक किसानों के चेहरे पर चमक आ जाएगी। किंतु वास्तविकता की जानकारी होने पर पर किसान अपने आप को ठगा सा महसूस करेगा, क्योंकि मूंग एवं चना को इस घोषणा में सम्मिलित नहीं करना “कटे घाव पर नमक छिड़कने” के समान है।

रामपाल जाट ने कहा कि देशभर में अरहर में कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, ओड़ीसा के अतिरिक्त संपूर्ण देश के उत्पादन में पांच प्रतिशत उत्पादन के साथ राजस्थान अंतिम छोर पर है। मसूर और अरहर तो राजस्थान में नाममात्र की पैदा होती है। उड़द उत्पादन में मध्यप्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, उत्तरप्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र के बाद राजस्थान का सातवां स्थान है।

जाट ने कहा कि मूंग के उत्पादन में राजस्थान का देश में प्रथम स्थान है, जो देश के सकल उत्पादन का 49 प्रतिशत तक है। चना उत्पादन में मध्य प्रदेश का प्रथम स्थान है, दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र आता है। मसूर उत्पादन में मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश ,पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड के बाद राजस्थान का छठा स्थान है। जिन उपजों का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किया जाता है, उनमें से दलहन एवं तिलहन की कुल उत्पादन में से 25 प्रतिशत से अधिक खरीद नहीं करने की रोक लगाई गई थी। यह भेदभाव की श्रेणी में आता है। 31 अगस्त 2022 को अरहर, उड़द एवं मसूर पर 25 प्रतिशत के स्थान पर 40 प्रतिशत तक छूट दी गई थी। उसके बाद इन तीन दलहनों की शत-प्रतिशत अर्थात दाने-दाने की खरीद करने की अप्रैल 2023 से घोषणा कर दी गई। इन दलहनों में मूंग एवं चना पर 25 प्रतिशत से अधिक नहीं खरीदने का अवरोध यथावत है। यह भेदभाव में भी भेदभाव है। राजस्थान के दलहन उत्पादक किसान 6 वर्ष से इस प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने के लिए आंदोलनरत हैं। इसके संबंध में राज्य सरकार के अतिरिक्त भारत सरकार के कृषि मंत्रियों में नरेंद्र तोमर एवं शिवराज सिंह चौहान से अनेक बार वार्ता हो चुकी है, किंतु परिणाम “ढाक के तीन पात” जैसा ही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी दलहनों में आत्मनिर्भरता की घोषणा मूंग एवं चना उत्पादक किसानों के लिए अर्थहीन रही है।

अप्रैल 2023 की उस घोषणा को ही देश के गृहमंत्री ने नई घोषणा के रूप में दोहराया है। मूंग एवं चना को इस घोषणा में सम्मिलित नहीं करने पर भी राजस्थान के जन प्रतिनिधियों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, जबकि मुख्यमंत्री सहित अनेक जनप्रतिनिधि तो उसे घोषणा के समय उपस्थित थे। दलहन में देश को आत्मनिर्भर बनाने के संबंध में गृहमंत्री के वक्तव्य पर किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने यह प्रतिक्रिया दी है।

अग्निवीर भीम सिंह का शव आज प्रागपुरा पहुंचेगा

अग्निवीर भीम सिंह।

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा के ग्राम भौनावास के रहने वाले इंडियन आर्मी के जवान का शव 70 दिन बाद बरामद हुआ है। अग्निवीर भीम सिंह उत्तराखंड के हर्षिल में आर्मी कैंट के पास बादल फटने के बाद से लापता हो गए था। हादसे में भीम सिंह के साथ सेना के करीब नौ जवान लापता हो गए थे। सेना को हाल ही में एक जवान का शव मिला था, जिसकी डीएनए टेस्ट से पहचान भीम सिंह पुत्र महेश सिंह निवासी भौनावास के रूप में हुई। भीम सिंह आठ महीने पहले ही सेना में भर्ती हुए थे। ये उनकी पहली पोस्टिंग थी। मंगलवार सुबह अग्निवीर का पार्थिक देह प्रागपुरा पुलिस थाने में पहुंचेगी जहां से तिरंगा यात्रा द्वारा सबको पैतृक गांव भौनावास ले जाया जाएगा, जहां उनका सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। अग्निवीर के शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

कार से पौने चार लाख की शराब बरामद

तीन तस्कर गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की है। धम्बोला थाना पुलिस ने संघन कार्रवाई के तहत एक क्रेटा कार से करीब 3 लाख 80 हजार रुपए की महंगी शराब जब्त की है। इस मामले में सीकर निवासी तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

धम्बोला थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस ऑपरेशन स्वच्छता अभियान चला रही है। इसी अभियान के तहत मुखबिर से अवैध शराब तस्करी की सूचना मिली थी। इसके बाद धम्बोला थाना क्षेत्र के सरथुना बॉर्डर पर नाकेबंदी की गई। नाकेबंदी के दौरान एक क्रेटा कार को रोका गया और उसकी तलाशी ली गई। कार के विभिन्न हिस्सों में अवैध शराब छिपाकर रखी गई थी।

पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत कार को जब्त कर लिया। पुलिस ने सीकर निवासी श्रवण गुर्जर, रतनलाल गुर्जर और राजेश गुर्जर को गिरफ्तार किया है। कार से महंगी शराब के नौ कार्टन बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत लगभग 3 लाख 80 हजार रुपए बताई जा रही है। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है ताकि इस अवैध तस्करी गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाया जा सके।

बीकानेर मंडी में करीब 15 हजार बोरी मूंगफली की रोजाना आवक शुरू

क्षेत्र में इस साल करीब तीन लाख बोरी मूंगफली का उत्पादन रहने का अनुमान सामने आया

बीकानेर, (निसं)। गरीब का मेवा यानि मूंगफली की बम्पर फसल खेत से अनाज मंडी में आने को तैयार खड़ी है। प्रदेश की सबसे बड़ी मूंगफली मंडी बीकानेर में करीब 15 हजार बोरी मूंगफली की रोजाना आवक शुरू हो गई है। क्षेत्र में इस साल करीब तीन लाख बोरी मूंगफली का उत्पादन रहने का अनुमान सामने आया है। प्रति बीघा उत्पादन भी 7 से 9 क्विंटल के बीच रह रहा है। परन्तु सरकारी समर्थन मूल्य (एमएसपी) 7263 रुपए प्रति क्विंटल और मंडी भाव में करीब दो हजार रुपए प्रति क्विंटल का अंतर है। सरकारी खरीद अभी शुरू नहीं हुई है। इसका सीधा नुकसान किसानों को हो रहा है।

दीपावली पर मंडियों में मूंगफली की आवक जोर पकड़ जाएगी। बीकानेर में पैदा मूंगफली प्रदेशभर में काम आती है। पड़ोसी राज्य पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, बिहार और उत्तरप्रदेश के व्यापारी भी खरीद कर ले जाते हैं। देश में गुजरात के बाद राजस्थान मूंगफली दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। बीकानेर प्रदेश की सबसे बड़ी मंडी है। यहां से पड़ोसी देशों को मूंगफली निर्यात भी होती है। अभी पाकिस्तान से व्यापार बंद होने, बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपालके आर्थिक हालात ठीक नहीं होने का असर निर्यात पर पड़ रहा है। इस बार कनाडा, मलेशिया, इंडोनेशिया सहित कई देशों में मूंगफली निर्यात के अनुबंध व्यापारी कर रहे हैं। सरकारी खरीद कर मूंगफली को गोदामों में रखते हैं। बाद में बाजार महंगाई नियंत्रण के हिसाब से सरकार कम रेट पर वापस बेचती है। अब मूंगफली सीजन शुरू हो रहा है। दूसरी तरफ सरकार जमा पड़ी मूंगफली को बेच रही है। अभी पिछले साल की करीब 20 लाख बोरी अभी सरकार के पास है। इसे 5500 से 5900 रुपए के भाव पर बेचा जा रहा है। ऐसे में नई मूंगफली भी खुली बोली पर इस भाव से ऊपर नहीं जा रही। इसका खामियाजा भी किसान भुगत रहे हैं।

बीकानेर अनाज मंडी में इस सालसवा करोड़ बोरी मूंगफली की आवक रहने का अनुमान है। जिले की अन्य मंडियां ऊन मंडी, श्रीडूंगरगढ़, लूणकरनसर, नोखा, छतरगढ़, खाजूवाला, बज्जू, नापासर में भी 50 लाख बोरी से ज्यादा माल आएगा। आस-पास सरदारशहर, श्रीबिजयनगर, नागौर आदि में भी मूंगफली की आती है। गोटा-तेलमील वाले भी किसान से सीधी खरीद कर लेते हैं। स्थानीय खपत, सिकाई, बीज और किसान के स्टॉक को जोड़ने पर कुल आंकड़ा तीन करोड़ बोरी के आस-पास बैठता हैं। मूंगफली सीजन दीपावली के बाद जोर पकड़ेगा। किसानों के लिए मूलभूत सुविधाएं भी मंडी में रहेगी। मूंगफली से मंडी और सरकार को बड़ा राजस्व मिलता है। ऐसे में किसानों को अधिकतम भाव और सरकारी खरीद में पारदर्शिता का पूरा प्रयास करेंगे।

नवोदय विद्यालय की इंचार्ज प्रिंसिपल समेत तीन पर मामला दर्ज

हत्या के प्रयास और सबूत मिटाने सहित दलित उत्पीड़न का मामला थाने में दर्ज हुआ

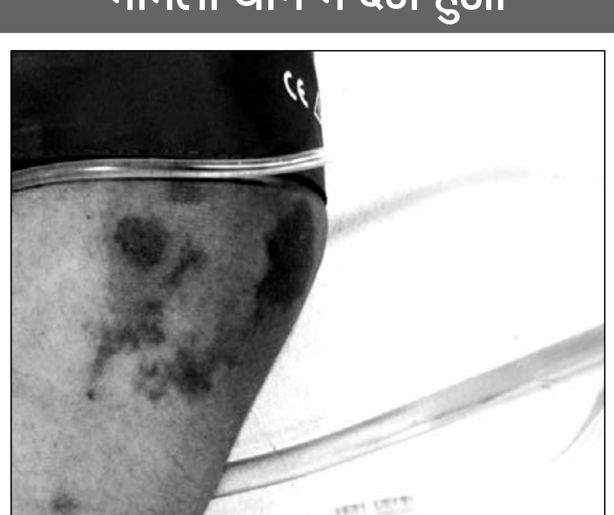

धीरज के हाथों में चोट के निशान।

- **परिवादी ने रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि उसके पोते के दोनों हाथों पर चोट के निशान हैं**
- **नवोदय विद्यालय में दसवीं कक्षा के छात्र का आत्महत्या के प्रयास का मामला, छात्र जयपुर अस्पताल में भर्ती, उपचार जारी**

पाटन, (निसं)। कस्बे के जवाहर नवोदय विद्यालय की इंचार्ज प्रिंसिपल समेत तीन जनों पर हत्या के प्रयास और सबूत मिटाने सहित दलित उत्पीड़न का मामला पाटन थाने में दर्ज हुआ है।

थानाधिकारी विद्याधर शर्मा ने बताया कि नीमकाथाना के राव जी का मोहल्ला निवासी मोतीलाल ने रिपोर्ट दी कि उसका पोता धीरज कुमार नवोदय विद्यालय में दसवीं का छात्र था। गत नौ अक्टूबर को उन्हें इंचार्ज प्रिंसिपल पूनम खेदड़, महिपाल सिंह और सुमन यादव ने फ़ोन करके नीमकाथाना अस्पताल में आने के लिए कहा।

इस पर वह अस्पताल पहुंचे तो स्कूल वालों ने बताया कि धीरज ने आत्महत्या का प्रयास किया है और उसकी हालत गंभीर है। इस पर स्कूल स्टाफ़ के साथ परिजन छात्र को जयपुर जेके लॉन हॉस्पिटल लेकर गये, जहां छात्र की हालत गंभीर बनी हुई है। परिवादी ने रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि उसके पोते के दोनों हाथों पर खून आलूदा चोट के निशान हैं जबकि स्कूल स्टॉफ ने बताया है कि फंदे पर लटक कर आत्महत्या करने का प्रयास किया है। परिजनों को शक है कि छात्र को मारपीट करने के बाद फंदे पर लटकाया गया था, बाद में सबूत मिटाने के लिये स्कूल स्टाफ़ और कुछ अन्य छात्रों द्वारा खून को धोकर साफ किया जाकर सबूत मिटाने का प्रयास किया गया है। रिपोर्ट पर पुलिस ने हत्या का प्रयास और सबूत मिटाने तथा दलित उत्पीड़न का मामला दर्ज कर जाँच नीमकाथाना डिप्टी एस पी अनुज डल को सौंपी है।

सुरेन्द्र सैनी जिला अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी का कहना है कि नीमकाथाना जिला हटाने के बाद से आये दिन अपराध की घटना बढ़ती जा रही है। अजय कुमार बलाई हत्यकांड में परिजन पिछले 55 दिन से धरने पर बैठे हैं लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा गिरफ्तारी न करना, लगता है नीमकाथाना में जंगल राज चल रहा है। जवाहर नवोदय विद्यालय जैसे शिक्षा के मंदिर में जहाँ बच्चों को शिक्षा मिलनी चाहिए वहां शिक्षक पढ़ाने की जगह बच्चों के साथ मारपीट कर रहे हैं। पीड़ित धीरज कुमार के परिवार के लोगों ने बताया तीन दिन तक बच्चे को अध्यापकों ने बेरहमी से पीटा बाद में जब धीरज कुमार बेहोश होने लगा, तब जाकर फांसी पर लटकाकर मारने की कोशिश की।

सेना की जिप्सी पलटी, मेजर की मौत, महिला अधिकारी समेत चार घायल

- **सड़क पर मोड़ था, लेकिन जिप्सी मुड़ नहीं पाई और पलट गई**
- **सेना के चार अधिकारी जिप्सी में सवार होकर लोंगेवाला की ओर जा रहे थे**

जैसलमेर, (निसं)। सरहद के गमनेवाला के पास आर्मी की जिप्सी पलट जाने से मेजर की मौत हो गई। वहीं, एक लेफ्टिनेंट कर्नल और दो मेजर समेत चार लोग घायल हो गए। हादसा तनोट थाना इलाके में रामगढ़ से लोंगेवाला के बीच गमनेवाला गांव के पास रविवार शाम पांच बजे हुआ। घायलों का सेना के हॉस्पिटल में इलाज चल रहा हैं।

तनोट थाना के अचलराम ने बताया कि हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सड़क पर मोड़ था, लेकिन जिप्सी मुड़ नहीं पाई और पलट गई। सेना के चार अधिकारी जिप्सी में सवार होकर रविवार शाम को लोंगेवाला की ओर जा रहे थे। गमनेवाला गांव के पास जिप्सी बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में लेफ्टिनेंट कर्नल प्रशांत राय (32), मेजर टीसी भारद्वाज (33), मेजर अमित (30), मेजर प्राची शुक्ला और ड्राइवर नसीरुद्दीन घायल हो गए। घायलों को सेना की गाड़ी में रामगढ़ हॉस्पिटल लेकर गए, जहां इलाज के दौरान मेजर टीसी भारद्वाज की मौत हो गई। वहीं अन्य घायलों का प्राथमिक इलाज कर सेना के हॉस्पिटल रेफर कर दिया। मेजर अमित के आंख के पास चोट आई हैं। मेजर प्राची शुक्ला के सिर में गंभीर चोट है, जबकि ड्राइवर नसीरुद्दीन का बायां कान कट गया। सभी का इलाज सेना के हॉस्पिटल में जारी है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही तनोट थाना और रामगढ़ थाना पुलिस हॉस्पिटल पहुंची। मेजर टीसी भारद्वाज का शव पोस्टमॉर्टम के बाद सेना को सौंप दिया।

शमशान भूमि के रास्ते को लेकर विवाद हुआ

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद क्षेत्र की दौलतगढ़ चौकी के अंतर्गत तिलौली पंचायत के देवनगर गांव में एक बार फिर शमशान भूमि के रास्ते को लेकर विवाद खड़ा हो गया। गांव के ही कुछ लोगों ने अंतिम संस्कार के लिए ले जाए जा रहे एक वृद्ध महिला के शव को बीच रास्ते में रोक दिया।

जानकारी के अनुसार, देवनगर निवासी 80 वर्षीय जम्मी देवी मेघवंशी का सोमवार को निधन हो गया था। जब परिजन और ग्रामीण शव को शमशान भूमि की ओर ले जा रहे थे, तभी गांव के ही कुछ लोगों ने कथित तौर पर उस रास्ते पर शव को रोक दिया, जो उनकी खातेदारी भूमि से होकर निकलता है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह रास्ता सार्वजनिक है, जबकि दूसरे पक्ष का दावा है कि यह उनकी निजी जमीन है। यह विवाद नया नहीं है, कुछ दिन पूर्व भी रास्तों को लेकर इसी तरह का मामला सामने आया था। शव रोके जाने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, इसके साथ ही आसींद तहसील दार जयसिंह भी मौके पर पहुंचे। देर शाम तक समझाइश का प्रयास किया जा रहा था।

ग्रामीण बैंक प्रबंधक के लिये 45 हजार रूपये की रिश्वत लेते दलाल गिरफ्तार

आरोपी प्रबंधक राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा मेताली जिला डूंगरपुर को भी डिटेन किया

■ किसान क्रेडिट कार्ड पर ऋण के एवज में 50 हजार रिश्वत राशि मांगी थी

डूंगरपुर, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, डूंगरपुर द्वारा सोमवार को कार्रवाई करते हुये आरोपी अभिमन्यु कुमार सिंह, प्रबंधक राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा मेताली जिला डूंगरपुर के लिए दलाल भूपेन्द्र कुमार परमार बैंक मित्र मुख्य शाखा राजस्थान ग्रामीण बैंक डूंगरपुर को परिवादी से 45 हजार रूपये रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी की टीम ने दलाल को गिरफ्तार कर प्रबंधक को डिटेन किया। (गोले में)

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एबसीबी चौकी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, डूंगरपुर को 7 अक्टूबर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी व उसके भाई एवं मां के नाम से राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा मेताली से कृषि भूमि के लिए किसान क्रेडिट कार्ड पर ऋण लेने के लिए अलग-अलग कुल 11 लाख रूपये के ऋण के लिए आवेदन किया था, जो ऋण पास कराने के लिए परिवादी बैंक मैनेजर अभिमन्यु कुमार सिंह से मिला तो परिवादी के ऋण के 2 लाख रूपये दिये व 2 लाख रूपये बाकी रखे व कहा कि तुम्हारे परिवार वालों के मैने जो 11 लाख रूपये का ऋण पास किया है उसके लिए मैं पचास हजार रूपये लूंगा, जो 50 हजार रूपये लेने के लिए मेरे मिलने वाले व्यक्ति का आपके पास फोन आयेगा उसे दे देना। बैंक मैनेजर द्वारा परिवादी का ऋण स्वीकृत करने की एवज में 50 हजार रूपये कि रिश्वत की मांग की जा रही है। जिस पर एसीबी रेंज उदयपुर के प्रहलाद सिंह कृष्णिया, उप महानिरीक्षक पुलिस के सुपरविजन में एसीबी डूंगरपुर के रतनसिंह राजपुरोहित पुलिस उप अधीक्षक के निर्देशन में राजेन्द्रसिंह, पुलिस निरीक्षक मय टीम द्वारा ट्रेप कार्रवाई को अंजाम देते हुए आरोपी अभिमन्यु कुमार सिंह हाल प्रबंधक राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा मेताली जिला डूंगरपुर के लिए दलाल भूपेन्द्र कुमार हाल बैंक मित्र मुख्य को परिवादी से अपनी मांग अनुसार 45 हजार रूपये रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार कर रिश्वत राशि बरामद की गई व आरोपी अभिमन्यु कुमार सिंह, प्रबंधक राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा मेताली जिला डूंगरपुर को भी डिटेन कर लिया है। एसीबी द्वारा आरोपियों से पूछताछ तथा अग्रिम कार्रवाई जारी है।

कार और ट्रक की टक्कर में दो जनों की मौत, तीन घायल

एक कार चालक की ड्राइविंग सीट पर ही जिंदा जलने से मौत हो गई

■ प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सभी यात्री लूणकरणसर क्षेत्र के निवासी थे और बाड़मेर की ओर जा रहे थे

बीकानेर, (निसं)। जिले में सोमवार को एक दिलदहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। नापासर थाना क्षेत्र के अंतर्गत भारतमाला रोड पर रायसर के पास एक अर्टिगा कार और ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। मृतकों में से एक कार चालक की ड्राइविंग सीट पर ही जिंदा जलने से मौत हो गई, वहीं एक अन्य घायल ने बीकानेर के पीबीएम ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सभी यात्री लूणकरणसर क्षेत्र के निवासी थे और बाड़मेर की ओर जा रहे थे।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा सुबह के समय हुआ जब बाड़मेर से लूणकरणसर की ओर जा रही एक अर्टिगा कार तेज रफ्तार में भारतमाला रोड पर आगे चल रहे एक ट्रक से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में तत्काल आग लग गई। आग की चपेट में आने से कार चालक ड्राइविंग सीट पर ही जिंदा जल गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही नापासर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किए। पुलिस ने घायलों को तत्काल बीकानेर के पीबीएम ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया, जहां गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, अर्टिगा कार में कुल छह लोग सवार थे, जिनमें तीन महिलाएं शामिल थीं। इनमें जमना, ज्योति और संतोष के नाम सामने आए हैं। संतोष की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि जमना और ज्योति सहित अन्य घायलों का इलाज चल रहा है। एक अन्य घायल रामचंद्र और दिनेश भी गंभीर हालत है। कार चालक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, क्योंकि वह हादसे में पूरी तरह जल गया।

टोंक में विभिन्न प्रकरणों में दो आरोपी को गिरफ्तार : थानाधिकारी मेहन्दवास के द्वारा गठित टीम ने नाकाबंदी के दौरान उस्मानपुरा कट सोनवा टोल प्लाजा के पास एनएच 52 पर एक संदिग्ध से पूछताछ के बाद डिटेन कर संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर एवं मादक पदार्थ में लिप्त पाये जाने जाने पर आरोपी महेन्द्र गुर्जर पुत्र रमेश चन्द गुर्जर निवासी हमीदपुरा थाना बरोनी को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान आरोपी की तलाशी लेने पर पेंट की जेब से 25 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक मिलने पर जब्त कर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया जाकर अनुसंधान शुरू किया गया। वहीं मेहन्दवास पुलिस टीम ने अरनियानील से करीमपुरा जाने वाली रोड पर अवैध टोपीदार एकनाली बदूंक ले जाते पाये जाने पर आरोपी केसरा मोग्या पुत्र भूरा मोग्या को गिरफ्तार कर बंदूक जब्त की।

अजमेर शहर कांग्रेस अध्यक्ष का निर्णय सचिन पायलट पर छोड़ा, प्रस्ताव पास

अजमेर उत्तर एवं दक्षिण विधानसभा के नेताओं, कार्यकर्ताओं ने बैठक में अजमेर से सांसद रहे सचिन पायलट में विश्वास जताया

■ कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के केंद्रीय पर्यवेक्षक अशोक तंवर के सानिध्य में नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई

अजमेर, (कासं)। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के केंद्रीय पर्यवेक्षक अशोक तंवर के सानिध्य में अजमेर दक्षिण एवं उत्तर विधानसभा के सैकड़ों की संख्या में नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं की बैठक जयपुर रोड स्थित एक वाटिका में आयोजित हुई। बैठक में मौजूद समस्त कांग्रेस जनों ने महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया, जिसमें एआईसीसी के राष्ट्रीय महासचिव और अजमेर लोकसभा से सांसद रह चुके सचिन पायलट अजमेर शहर कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए जो भी नाम प्रस्तावित करेंगे, वह हम सबके लिए सर्व मान्य होगा। जिस पर बैठक में मौजूद सैकड़ों की संख्या में मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों ने हाथ खड़े कर एक सुर में पायलट के पक्ष में अपना विश्वास व्यक्त किया और सचिन पायलट जिंदाबाद के नारों से बैठक स्थल गूंजायमान हो गया। बैठक में तंवर का पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष विजय जैन, उत्तर विधानसभा प्रत्याशी महेंद्र सिंह रलावता, दक्षिण विधानसभा से पीसीसी सदस्य हेमंत भाटी ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

तंवर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि एआईसीसी का यह अभियान कांग्रेस संगठन को पुनर्गठित, सक्रिय और जनसरोकारों से जुड़ा बनाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। अजमेर जिले में इस अभियान से पार्टी को स्थानीय कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाने और आंतरिक संवाद मजबूत करने की दिशा में बल मिलेगा। अभियान का मकसद जिला कांग्रेस कमेटियों से लेकर बूथ स्तर तक पार्टी को सक्रिय करना और संगठन को जवाबदेही के नए पैमाने पर खड़ा करना है।

शिक्षक के घर हुई चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने डूंगरपुर शहर के शिवाजी नगर में एक शिक्षक के सूने घर में हुई चोरी की वारदात का सोमवार को खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सूने घर से 2.20 लाख नगद और 2.50 लाख के जेवर चोरी कर ले गया था। पूछताछ में आरोपी ने चोरी एक और वारदात कबूली है।

कोतवाली थाने के थानाधिकारी शैलेन्द्रसिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र में शिवाजी नगर भू-जल विभाग के पीछे निवासी उमेश त्रिवेदी सरकारी शिक्षक है। उनकी ड्यूटी डूंगरपुर एसडीएम ऑफिस में है। आठ अक्टूबर को उमेश ड्यूटी पर गए थे। पत्नी प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने गई थी। वहीं, बच्चे भी स्कूल गए थे। उमेश दोपहर के समय जब घर आया तो घर के ताले टूटे हुए थे। चोर घर के अंदर अलमारी खोलकर उसमें से 2 लाख 20 हजार का कैश और 2 तोला के जेवर चुरा ले गए थे। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस दौरान पूर्व में चालानशुदा एक आरोपी की गतिविधियां संदिग्ध लगी। जिस पर पुलिस ने भाटपुर निवासी लोकेश उर्फ चौधरी पुत्र देवीलाल डामोर को डिटेन कर पूछताछ शुरू की। पूछताछ में लोकेश ने उक्त वारदात को करना कबूल किया। जिस पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। वहीं,पूछताछ में आरोपी के खिलाफ कई ओर मामले भी दर्ज हैं। खेडा गांव में भी चोरी की एक अन्य वारदात को भी कबूल किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

Government of Rajasthan
Office of the DSO CHURU
Email:-dsofood-chu-rj@nic.in Phone No.: 01562-250927
F()/PDS/Tender/2025-26/5978 Date:-07/10/2025
NOTICE INVITING BID
e-Bids for selection of Handling and Transportation of Food grains Under PDS from FCI Depots in District Churu were invited from interested bidders up to 27.10.2025Till 6.00PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in or http://sppp.rajasthan.gov.in of the state, The approximate value of the procurement is Rupees 3.9 Crore for One year.
NIB No. : CCH2526A 0010
UBN No. :- CCH 2526SL0B00017
ANSHU TIWARI
District Supply Officer
Churu
DIPR/C/14978/2025

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, P.W.D., CIRCLE-JHALAWAR
Room No.158, Ground Floor (Public Works Department), Mini Secretariat, Jhalawar
E-mail: piu jhalawar@rediffmail.com/sejwar.pwd@rajasthan.gov.in, Phone No.: 07432-233336
S. No. :- 817 NIT No. 09/2025-26 Date: 03.10.2025
Notice Inviting Bid
NIB No. PWD202526A3668
Bids for "Construction of Non-patchable & Missing link Roads in Dist. Jhalawar in compliance with point number 17 of the Budget Announcement for the year 2025-26" are invited from interested bidders upto 6.00 PM, Dated 30.10.2025 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://erpoc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the Rajasthan http://pwd.rajasthan.gov.in website. The approximate value of the procurement is Rs. 180.18 Lacs. and
UBN No.-PWD2526WSOB13818
(Mukesh Chand Meena)
Superintending Engineer
Public Works Department
Circle-Jhalawar
DIPR/C/14903/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड कोटडा, उदयपुर
क्रमांक-630 NIT No. 12/2025-26 दिनांक-03.10.2025
Notice Inviting Bid
Bids for "Various Road's Construction, Renewal, Strengthening Works in various schemes in District Udaipur (Raj.) are invited from interested bidders upto 6.00 PM, Dated 20.10.2025 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://erpc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the Rajasthan and http://pwd.rajasthan.gov.in website. The approximate value of the procurement is Rs. 143.68 Lacs.
NIB:- PWD2526A3695
UBN No. 1:-PWD2526WSOB13909
UBN No. 2:-PWD2526WSOB13911
(Vijay Kumar Meena)
Executive Engineer
Public Works Department
Division Kotra Udaipur
DIPR/C/14879/2025

नगर निगम जोधपुर-दक्षिण
क्रमांकः- एफ.10/2025-26/5239 दिनांकः- 07.10.2025
:: अल्पकालीन ई-निविदा सूचना ::
(UBN NO. DLB2526WSOB20996)
नगर निगम जोधपुर-दक्षिण की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।
महापौर
नगर निगम जोधपुर-दक्षिण
आयुक्त
नगर निगम जोधपुर-दक्षिण
राज.संवाद/सी/25/12028

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org
क्रमांक/निर्माण/2025-26/17092 दिनांक 08.10.2025
ई- निविदा-सूचना सं0 132/2025-26
नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
निविदा की कुल लागत 14.43 लाख
UBN Number DLB2526WSOB21171
आयुक्त
नगर निगम, बीकानेर
राज.संवाद/सी/25/12032

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर
क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2025-26/14138 दिनांक :- 09/10/2025
ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 20/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण, में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में E1/EWSD-1 श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 03 कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।
उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.urban.rajasthan.gov.in/uitbharatpur एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।
निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal का अवलोकन करें।
UBN विवरण :- WAQ2526WSOB00241, WAQ2526WLOB00242, 00243
राज.संवाद/सी/25/12009
अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत)

कार्यालय नगरपरिषद, राजसमन्द
जिला परिषद रोड, राजनगर
टेलिफोन नं. 02952-220034, फेक्स नं. 02952-221233, ई-मेल rajsamandnagarpalika@gmail.com
क्रमांक : एफ( )नपरा/इंजी/ई निविदा/20/2025-26/5515 दिनांक :- 09.10.2025
ई-निविदा सूचना संख्या 20/2025-26
नगर परिषद राजसमन्द द्वारा विकास कार्यो हेतु समस्त विभागों में पंजीकृत संवेदकों, कम्पनी, संगठनों/संस्थानों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन तकनीकी व वित्तिय निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।

निविदा क्रार्यक्रम	तिथि व समय
कार्य की संख्या	6
कार्यो की अनुमानित लागत	125.10 लाख
निविदा अपलोड की तिथि	09.10.2025 06:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	10.10.2025 09:00 PM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	20.10.2025 06:00 PM
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की तिथि	21.10.2025 01:00 PM
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	21.10.2025 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in
दोष निवारण अवधी	नियमानुसार
UBN NO-	DLB2526WSOB21094, 21095, 21096, 21097, 21098 & 21099

राज.संवाद/सी/25/11984 सभापति आयुक्त

सरकारी स्कूलों में अब कोचिंग जैसे रिवीजन मॉडल पर जोर रहेगा

■ शिक्षा विभाग ने निर्देश जारी किए हैं कि सभी स्कूलों में 15 नवंबर तक पाठ्यक्रम पूरा कर लिया जाए

■ पाठ्यक्रम पूरा होने पर दिसंबर में होने वाली अर्द्धवार्षिक परीक्षा से पहले रिवीजन कराया जा सके

बीकानेर, (निसं)। कोचिंग सेंटरों की तर्ज पर अब सरकारी स्कूलों में भी रिवीजन पर जोर रहेगा। शिक्षा विभाग ने निर्देश जारी किए हैं कि सभी स्कूलों में 15 नवंबर तक पूरा पाठ्यक्रम पूरा कर लिया जाए, ताकि दिसंबर में होने वाली अर्द्धवार्षिक परीक्षा से पहले रिवीजन कराया जा सके।

शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि नियमित अध्ययन और पुनरावृत्ति से विद्यार्थियों की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार होता है। रिवीजन केवल याद करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि समझ को गहरा करने और ज्ञान को लंबे समय तक बनाए रखने का प्रभावी तरीका है। रिवीजन के दौरान विद्यार्थी अपनी कमजोरियों को पहचान सकते हैं और उनमें सुधार कर सकते हैं। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और परीक्षा के समय तनाव व घबराहट कम होती है। आदेश में कहा गया है कि जब विद्यार्थी किसी विषय की बार-बार पुनरावृत्ति करते हैं, तो वह जानकारी अल्पकालिक स्मृति से निकलकर दीर्घकालिक स्मृति में स्थायी रूप से दर्ज हो जाती है।

इससे परीक्षा के समय उत्तर तेजी और सटीकता से दिए जा सकते हैं। सभी शिक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 15 नवंबर तक अपने-अपने विषयों का पाठ्यक्रम पूरा करें, ताकि इसके बाद केवल रिवीजन सत्र पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। रिवीजन के दौरान कठिन विषयों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़े और कमजोर विषयों में भी वे बेहतर प्रदर्शन कर सके। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि गत शिक्षा सत्र में राज्य स्तरीय समान परीक्षा से संबंधित जो नीलपत्र और दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, वे इस सत्र में भी यथावत रहेंगे। सभी विद्यालयों को इन निर्देशों के अनुरूप तैयारी करने और परीक्षा पूर्व रिवीजन की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।

सेवा शिविर में रिश्वत लेते राजस्व निरीक्षक गिरफ्तार

■ पट्टा बनाने के नाम पर परिवादी से 12 हजार रुपए की रिश्वत ली

राजगढ़, (निसं)। पालिका प्रशासन की ओर से सेवा शिविर में पट्टा बनाने के नाम पर परिवादी से 12 हजार रुपए की रिश्वत लेते रामहेत बैरवा राजस्व निरीक्षक को एसीबी के एएसपी महेंद्र मीणा ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार परिवादी की और से कस्बे के रेबारपुरा राजगढ़ मे 242 वर्ग गज प्लाट का पट्टा बनाने के लिए 3 अक्टूबर को 75978 की राशि जमा कराई। इसके बाद भी पट्टा नहीं बनाने पर 9 अक्टूबर को परिवादी रामहेत बाबू से मिला, तो उसने पत्नी के नाम पट्टा जारी करने एवं भूमि का कन्वर्जन आदेश जारी करने के नाम पर 15 हजार की रिश्वत की मांग की। इस पर आरोपी की ओर से तीन हजार रुपए 10 अक्टूबर को रिश्वत माग़ कर वसूली की।

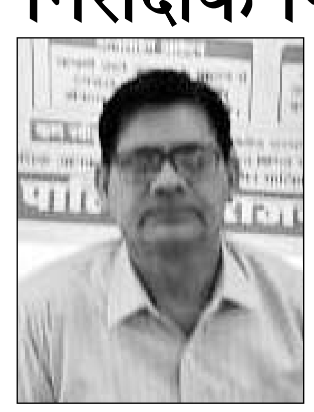

आरोपी रामहेत बैरवा राजस्व निरीक्षक।

शिकायत का सत्यापन होने के बाद आरोपी की ओर से पट्टे के नाम पर दस हजार रुपए एवं कन्वर्जन के नाम पर दो हजार रुपये सहित 12 हजार रिश्वत की मांग करना स्पष्ट पाया गया। इस पर ट्रेप की कार्रवाई का आयोजन किया गया, जिसमें आरोपी रामहेत बैरवा राजस्व निरीक्षक भूमि शाखा नगर पालिका राजगढ़ की बाई जेब टी-शर्ट से परिवादी की ओर से दी गई रिश्वत की राशि बरामद की। एसिबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देश पर एसीबी चौकी अलवर प्रथम के राजेश सिंह महानिरीक्षक के सुपरविजन मैं कार्रवाई से शिविर में हड़कंप मच गया।

ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत

■ युवक सुबह अपने घर बीछावाला से पालड़ी तिराहे की तरफ कोचिंग के लिए आ रहा था, रास्ते में हादसा हुआ

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र के पालड़ी तिराहे के पास ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई।

मेड चौकी प्रभारी विनोद चेची ने दर्ज मामले के आधार पर बताया कि विकास गुर्जर (20) सुबह अपने घर बीछावाला से पालड़ी तिराहे की तरफ कोचिंग के लिए आ रहा था तभी साइड में आ रहे ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार विकास गुर्जर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना स्थल पर मौजूद विक्रम गुर्जर ने बताया कि बाइक सवार अपनी साइड से सही तरह से आ रहा था। साइड से ओवरलोड ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने लापरवाही से रोड पर चढ़ाते हुए बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की बाइक सवार युवक का बैग दूर जाकर खेतों में गिर गया और युवक ट्रैक्टर से थोड़ी दूर तक घसीटा हुआ चला गया और युवक की ट्रैक्टर के टायर नीचे आने से मौके पर मौत हो गई। घटना की सूचना जैसे ही युवक के परिजनों को मिली तो मेड सीएचसी में कोहराम मच गया। मृतक दो भाई दो बहनें हैं। ग्रामीण भैरूराम गुर्जर व योगेश जांगिड़ ने बताया कि मृतक विकास गुर्जर सबसे बड़ा था। मृतक विकास गुर्जर के परिवार की स्थिति बहुत ही दयनीय है। परिवार कच्चे घर में अपना जीवन-यापन करता है। पुलिस ने घटना के बाद मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया साथ मृतक के पिता की रिपोर्ट के आधार पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

मृतक फाइल फोटो

पिकअप की टक्कर से युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना क्षेत्र के पुनाली के पास रविवार शाम बाइक सवार युवक की पिकअप से टक्कर लगने के बाद मौत हो गई। युवक पेट्रोल पंप की ओर बाइक से जा रहा था।

दोवड़ा थाना पुलिस के अनुसार, प्रहलाद सिंह पुत्र पदमसिंह शक्तावत ने रिपोर्ट में बताया गया कि उनके जीजा मदनसिंह पुत्र फतेहसिंह चौहान निवासी टेकला बाइक लेकर गांव जा रहे थे। पुनाली के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी पिकअप ड्राइवर मौके से फरार हो गया। हादसे में मदनसिंह के हाथ, पैर और सिर पर गंभीर चोटें आईं। उन्हें 108 एंबुलेंस से डूंगरपुर जिला अस्पताल लाया गया, जहां इमरजेंसी डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही दोवड़ा थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को मोर्चरी में रखवाया। सोमवार को पुलिस ने पिकअप ड्राइवर के खिलाफ तेज रफ्तार से वाहन चलाकर दुर्घटना कारित करने का मामला दर्ज किया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है।

खेत में बने पॉण्ड में डूबने से युवक की मौत

निवाई, (निसं)। सोमवार की सुबह गांव जयसिंहपुरा के एक खेत में बने हुए फॉर्म पॉण्ड में डूबने से एक युवक की मौत हो गई।

थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि धर्मराज (20) पुत्र रामावतार रैगर निवासी जामडोली हाल सौरभ विहार कॉलोनी जयसिंहपुरा सोमवार को गांव जयसिंहपुरा में एक खेत पर बने फॉर्म पॉण्ड में नहाने गया था। नहाते समय वह डूब गया। जिसकी सूचना पर पुलिस मौके पर पंहुची और सिविल डिफेंस की टीम को बुलवाया। टीम द्वारा काफी मशकक्त के बाद देर शाम को युवक के शव को फार्म पॉण्ड में से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। उन्होंने बताया कि मृतक धर्मराज सोमवार को सुबह बकरियां चराने गया था, जो दोपहर बाद भी घर नहीं लौटा तो उसके परिजन उसको ढूंढते हुए खेतों की तरह पहुंचे। गांव जयसिंहपुरा में स्थित फार्म पॉंड के किनारे उसके कपड़े व मोबाइल मिले। इस पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि मृतक धर्मराज के दो छोटे भाई व तीन छोटी बहिनें हैं। धर्मराज सबसे बड़ा था। वह पढ़ाई के साथ मजदूरी का कार्य करता था। उन्होंने बताया कि मंगलवार की सुबह शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

रेप मामले में कार्रवाई नहीं होने से महिला टंकी पर चढ़ी

■ आरोप है कि पुलिस ने महिला की शिकायत पर कार्रवाई नहीं की

भरतपुर, (निसं)। रेप के मामले में कार्रवाई नहीं होने से नाराज एक महिला भरतपुर के मथुरा गेट थाना इलाके में पानी की टंकी पर चढ़ गई। करीब एक घंटे तक पुलिस ने महिला से समझाइश की, जिसके बाद महिला को टंकी से नीचे उतारा गया। उसके बाद पुलिस की टीम आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए थाने से रवाना हुई।

दो महीने से पुलिस महिला की कोई सुनवाई नहीं कर रही थी। 21 अगस्त को महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह मथुरा गेट थाना इलाके की रहने वाली है। रविंद्र मीणा नाम का व्यक्ति उससे दो साल रेप करता आ रहा है। उसके खिलाफ महिला ने मथुरा गेट थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया था। समाज के लोगों द्वारा समझाने के बाद महिला ने मुक़दमे में राजीनामा कर लिया गया। उसके बाद भी रविंद्र महिला को परेशान कर रहा है। 21 अगस्त 2025 को रविंद्र ने महिला को फोन किया और कहा कि मुझे मिलना है। जब महिला ने रविंद्र से मिलने को मना कर दिया तो, रविंद्र ने महिला को जान से मारने की धमकी दी। उसी दिन जब महिला घर के जरूरी काम से बाजार जा रही थी तो, रविंद्र ने उसे रास्ते में रोका और महिला को एक होटल में ले गया। होटल की छत पर जाकर रविंद्र ने जबरन महिला को बियर पिलाई और कमरे में ले जाकर उसके साथ रेप करने की कोशिश करने लगा। उसके कुछ दिन बाद रविंद्र ने महिला को रोककर गालियां दी। उसके बाद महिला अपने घर आ गई। उसी रात रविंद्र महिला के घर पहुंचा और उससे गलियां देते हुए उसका अपहरण करने की कोशिश करने लगा। जब महिला के रविंद्र के घर उसकी शिकायत की तो, रविंद्र के परिजनों ने महिला से गालियां दी। महिला ने परेशान होकर इसकी शिकायत मथुरा गेट थाने पर दी लेकिन उस पर भी मथुरा गेट थाने ने कोई कार्रवाई नहीं की, पुलिस ने रविंद्र को शांतिभंग की धारा में बंद कर छोड़ दिया। उसके बाद भी रविंद्र महिला को परेशान करता रहा।जिससे तंग आकर आज महिला मथुरा गेट थाने के पास स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गई। महिला को टंकी पर चढ़ा देख मौके पर काफी लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना पर मथुरा गेट थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और समझाइश के बाद महिला को टंकी से नीचे उतारा। जिसके बाद तुरंत पुलिस की टीम आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए थाने से रवाना की गई।

18 किलो गांजे की तस्करी कर रहे युवक की जमानत याचिका खारिज की हाईकोर्ट ने

गौरतलब है कि एन.डी.पी.एस. एक्ट में 20 किलो से कम मात्रा के मादक पदार्थों की तस्करी को वाणिज्यिक के बजाय निजी उपयोग माना जाता है, ऐसे में तस्करों को आसानी से जमानत मिल जाती है

- परंतु इस बार हाईकोर्ट ने कस्टम विभाग द्वारा एयरपोर्ट पर 18 किलो ''हाईड्रोफोनिक वीड'' के साथ पकड़े गए तस्कर की जमानत यह कहते हुए खारिज की है कि, ''तस्करों ने एक नया तरीका अपना लिया है कि वह ज्यादा नशीले मादक पदार्थों की 20 किलो से कम मात्रा में तस्करी पढ़े-लिखे नौजवानों से करवाते हैं, ताकि उन्हें आसानी से जमानत मिल सके।''
- अदालत ने अपने आदेश में कहा कि ''वह यह नहीं चाहती कि वह ड्रग्स तस्करी के ऐसे प्रकरणों में जमानत याचिका स्वीकार करके नौजवान युवकों के लिए एक गलत मिशाल तय करे, जो कि उन्हें अपराध की दुनिया की ओर बढ़ाता हो''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग द्वारा 18 करोड़ रु. बाजार मूल्य के मादक पदार्थ गांजा ''हाईड्रोफोनिक वीड'' के साथ पकड़े गए युवक की जमानत याचिका खारिज कर दी है।

उल्लेखनीय है कि आरोपी युवक करीब 18.5 किलो गांजे के साथ पकड़ा गया था। हालांकि एनडीपीएस एक्ट की धारा 37 के तहत 20 किलोग्राम से कम की ड्रग्स की मात्रा को कमर्शियल क्वांटिटी (वाणिज्यिक मात्रा) से कम माना जाता है। यानि कि कानून की नजरों में यह मात्रा आरोपी द्वारा स्वयं के उपयोग के लिए मानी जाती है, ना कि बाजार में बिक्री के लिए।

इसी तथ्य को बताते हुए याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में कहा गया कि, आरोपी करण मेहरा पढ़ा-लिखा व्यक्ति है, उस पर कोई भी अपराधिक केस नहीं है। इसलिए अदालत जमानत याचिका स्वीकार कर आरोपी की रिहाई के आदेश दे।

वहीं केन्द्र सरकार की ओर स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर चंद्रशेखर सिन्हा ने अदालत को बताया कि, इस मामले में आरोपी करण मेहरा गांजे की विशिष्ट प्रजाति ''हाईड्रोफोनिक वीड'' को तस्करी करके ला रहा था, जिसमें टी.एच.सी. की मात्रा बहुत अधिक होती है। इस गांजे को विशिष्ट जगहों पर ही उगाया जाता है। उन्होंने अदालत को कहा कि, यह गांजा बहुत ज्यादा नशीला और व्यस्नकारी होता है, इस वजह से इस गांजे का मूल्य भी बाजार में बहुत ज्यादा है। बाजार में सामान्य गांजे की कीमत प्रति किलो 5 से 10 लाख रु. तक की मानी जाती है, जबकि इस तरह का गांजा करीब 1 करोड़ रु. प्रति किलो के भाव माना जाता है। चंद्रशेखर सिन्हा ने अदालत को बताया कि, अंतर्राष्ट्रीय तस्कर अब पढ़े-लिखे नौजवानों को बहला-फुसलाकर मुफ्त में अंतर्राष्ट्रीय यात्रा करवाने तथा घुमाने-फिराने के बहाने अपने जाल में फंसाते हैं और फिर उनके जरिए कानून में वर्णित 20 किलो से कम मात्रा की तस्करी करवाते हैं, ताकि युवकों को आसानी से जमानत मिल जाए।

अदालत ने इस पूरे मामले की सुनवाई करने के बाद कहा कि, उन्हें हैरानी है कि किस तरह से अपराधिक तस्कर गिरोह कॉलेज में पढ़ने वाले नौजवानों को महंगी विदेश यात्राएं और पैसों का लालच देकर उन्हें तस्करी के गर्त में धकेल रहे हैं और ऐसे युवकों को अगर आसनी से जमानत मिल जाए तो यह अन्य युवकों के लिए भी अपराध का रास्ता चुनने का प्रोत्साहन हो जाएगा।

अदालत ने कहा कि, वह यह नहीं चाहती कि वह आरोपी करण मेहरा की जमानत याचिका स्वीकार करके नौजवान युवकों के लिए एक गलत मिशाल तय करे। इसलिए न्यायाधीश अनिल कुमार उपमन ने इस पूरे मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी की जमानत याचिका खारिज की।

हाईकोर्ट ने खारिज की पेपरलीक के आरोपियों की जमानत याचिका

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने वरिष्ठ अध्यापक द्वितीय श्रेणी भर्ती परीक्षा के पेपरलीक के आरोपी पुखराज, अनिल कुमार, अरूण शर्मा और भूपेन्द्र सारण की जमानत याचिका खारिज की है। इस मामले में पेपर बेचकर पैसों की हेराफेरी करने के मामले में ई.डी. द्वारा जांच की जा रही है।

अदालत में याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि, उन पर मनी लॉड्रिंग (पैसों की हेराफेरी) के आरोप सिद्ध नहीं हुए हैं, जांच लंबित है। सभी लोग काफी समय से जेल में बंद है, इसलिए उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया जाए।

इस मामले में ई.डी. की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता अक्षय भारद्वाज ने कहा कि, सभी अभियुक्तों पर अलग-अलग पेपरलीक करने के आरोप हैं। आरोपी अनिल कुमार के खिलाफ ई.डी. ने शिकायत दर्ज की थी, आरोप है कि अनिल ने पेपरलीक के पैसों से प्रॉपर्टी की खरीद की। भूपेन्द्र सारण, मुख्य आरोपी है, जिसने पेपरलीक का पूरा गिरोह चलाया है। आरोपी अरूण शर्मा वर्ष 2019 में फर्जी रेलवे भर्ती परीक्षा में भी मुख्य आरोपी है, इस पर 2.5 करोड़ रु. हड़पने के मामले सामने आये हैं। वहीं आरोपी पुखराज और उसके साथ सुरेश व पीराराम को उच्च माध्यमिक भर्ती परीक्षा में ईडी ने एक साथ पेपर बेचने के आरोप में पकड़ा था।

ई.डी. की ओर से बताया गया कि, इन आरोपियों पर आरपीएससी के तत्कालीन सदस्य बाबूलाल कटारा से सीधे पेपर खरीदने के आरोप हैं। ऐसे में इन्हें जमानत नहीं दी जाए।

इस मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि, सभी आरोपियों पर काफी गंभीर आरोप हैं, अभी तक जितने भी तथ्य कोर्ट के समक्ष पेश हुए हैं, उन्हें देखते हुए जमानत याचिका स्वीकार करना ठीक नहीं है। इस टिप्पणी के साथ न्यायाधीश अशोक जैन ने आरोपियों की जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

सहकार दीपोत्सव मेले में 55 प्रतिशत तक छूट पर मिलेंगे शिवकाशी के ग्रीन पटाखे

सहकारिता मंत्री ने किया 'सहकार दीपोत्सव मेला-2025' का विधिवत शुभारम्भ

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने सोमवार को दीपोत्सव मेले का उद्घाटन करने के बाद स्टॉल्स का अवलोकन किया।

- जयपुर में 13 से 19 अक्टूबर तक आयोजित होगा मेला, यहां ग्रीन पटाखे और त्यौंहारी सामग्री भी मिलेगी

जयपुर (कासं)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने सोमवार को जयपुर के भवानी सिंह रोड स्थित नवजीवन सहकारी बाजार में राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफेड) द्वारा आयोजित किए जा रहे 'सहकार दीपोत्सव मेला-2025' का गणेश प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर विधिवत शुभारम्भ किया। यह मेला 19 अक्टूबर तक प्रात: 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। यहां शिवकाशी (तमिलनाडु) के ग्रीन पटाखे, 55 प्रतिशत तक डिस्काउंट पर मिलेंगे। आमजन के लिए यहां गुणवत्तापूर्ण ग्रीन पटाखे और अन्य त्यौंहारी सामग्री उचित दरों पर उपलब्ध करवाई गई है।

मंत्री गौत्तम कुमार दक ने कहा कि सहकारिता गुणवत्ता का प्रतीक है। मेले में एमएमटीसी के चांदी के सिक्के भी उचित मूल्य पर उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। मेले के प्रति लोगों का रिस्पॉन्स देखते हुए उम्मीद है कि पिछले वर्ष की अपेक्षा अधिक बिक्री होगी। सहकारिता मंत्री ने मेले में लगी सभी स्टॉल्स का अवलोकन कर बिक्री के लिए लाये गए उत्पादों तथा उन पर दी जा रही छूट के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली और मेले में सुरक्षा एवं अग्निशमन संबंधी आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सहकार दीपोत्सव मेले में जयपुरवासियों के लिए खुले व गिफ्ट पैक में ग्रीन पटाखे, बर्तन, सजावटी फ्लॉवर, डिजाइनदार कैंडल्स, बेडशीट्स के साथ ही पूजन सामग्री भी उपलब्ध करवाई गई है।

इसके अतिरिक्त, सूखे मेवे के उपहार पैक, नमकीन, परिधान और हाउस होल्ड सामान भी उपलब्ध है। साथ ही, मिलेट उत्पादों का आउटलेट भी दीपोत्सव मेले में लगाया गया है। इस अवसर पर विधायक हमीर सिंह भायल, सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल, कॉनफेड की प्रबंध निदेशक शिल्पी पांडे सहित सहकारिता विभाग व उपभोक्ता संघ के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिकों को कराया जयपुर भ्रमण

जयपुर। टाईम बैंक ऑफ इंडिया की ओर से 75 वर्ष से अधिक आयु के सदस्यों को नि:शुल्क जयपुर भ्रमण कराया गया। 35 ऐसे वरिष्ठ नागरिकों को डबल डेकर बस द्वारा जयपुर के पर्यटन स्थलो की सैर कराई गई। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बिरला मंदिर से हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। टाईम बैंक ऑफ इंडिया देश में एक अनूठा विचार लेकर आया है, जहां एकाकी बुजुर्गों को नि:शुल्क रूप से मानवीय सहायता प्रदान कर उनकी देखभाल की जाती है। सेवा के समय की बैंक की पासबुक में घंटों के रूप में प्रविष्टि भी की जाती है। सदस्य इस जमा समय का उपयोग भविष्य में कर सकते है। उनका विभाग वरिष्ठ नागरिकों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर है। इस अवसर पर मंत्री अविनाश गहलोत ने कुछ अति वरिष्ठ नागरिकों के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद भी लिया। गहलोत ने बुजुर्गों की सेवा में विशिष्ट योगदान के लिए एक अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर टाईम बैंक ऑफ इंडिया को प्राप्त पुरस्कार के लिए बधाई दी। बस में भ्रमणार्थियों की सहायता के लिए बैंक के युवा सदस्य आकाश शर्मा, पूजा शर्मा एवं अंजू पीयूष साथ रहे।

राजस्थान अध्ययन दल ने डेनमार्क में भारतीय राजदूत मनीष प्रभात से की मुलाकात

राजस्थान और डेनमार्क के बीच कृषि और पशुपालन के क्षेत्रों में सहभागिता और साझेदारी बढ़ाने पर हुआ विचार विमर्श

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। किसानों की क्षमता वृद्धि के लिए नॉलेज एनहांसमेंट प्रोग्राम के तहत पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत के नेतृत्व में पंचायती राज व ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटा राम देवासी, पशुपालन राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम सहित प्रदेश के 38 प्रगतिशील किसानों का दल तीन मंत्रियों के नेतृत्व में इन दिनों डेनमार्क दौरे पर है। डेनमार्क में यह दल वहां कृषि और पशुपालन की नई तकनीकों और नवाचारों के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहा है।

अध्ययन दल ने डेनमार्क प्रवास के दौरान भारत के राजदूत मनीष प्रभात से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों पक्षों के बीच कृषि, पशुपालन, जल प्रबंधन और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में आपसी सहयोग एवं ज्ञान-विनिमय पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान दल के सदस्यों ने राजस्थान में चल रही कृषि, पशुपालन, जल प्रबंधन तथा नवीकरणीय ऊर्जा से संबंधित पहलुओं पर चर्चा की तथा डेनमार्क के अनुभवों से सीखने की अपनी उत्सुकता व्यक्त की।

मंत्री जोराराम कुमावत, ओटा राम देवासी और जवाहर सिंह बेढम ने 38 प्रगतिशील किसानों के साथ डेनमार्क में भारतीय राजदूत से मुलाकात की।

राजदूत मनीष प्रभात ने अध्ययन दल का स्वागत करते हुए कहा कि राजस्थान जैसे राज्य में डेनमार्क की तकनीकी विशेषज्ञता और नवाचार विशेष रूप से कृषि, पशुपालन और डेयरी प्रबंधन के क्षेत्रों में उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। उन्होंने भारत-डेनमार्क साझेदारी को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

दूतावास की ओर से राजस्थान के अध्ययन दल को रात्रि भोज पर आमंत्रित किया गया जहां देश के प्रवासी भारतीयों के साथ दल के सदस्यों का संवाद हुआ और राजस्थान तथा डेनमार्क के बीच किन किन क्षेत्रों में सहभागिता हो सकती है इस पर विस्तृत विचार विमर्श हुआ।

उल्लेखनीय है इस दल में पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, पंचायती राज व ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटा राम देवासी, पशुपालन राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर.चौधरी, पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा, कृषि विभाग के शासन सचिव राजन विशाल के साथ साथ कृषि, उद्यानिकी एवं पशुपालन विभागों के 9 अधिकारी तथा 38 किसान और पशुपालक भी शामिल हैं।

दल का नेतृत्व पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत कर रहे है। दल के सदस्यों ने बताया कि यह राजदूत मनीष प्रभात के साथ मुलाकात अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक रही। डेनमार्क की उन्नत तकनीकों और नीतिगत नवाचारों का अनुभव राजस्थान में कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र के विकास को नई दिशा प्रदान करेगा और हमारा यह अनुभव राज्य में नई योजनाओं के क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध होगा।

वित्त आयोग अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी को दुबई में 'राजस्थान रत्न अवार्ड' से नवाजा

जयपुर। राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्थान राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी को दुबई में आयोजित भव्य समारोह में 'राजस्थान रत्न अवार्ड-2025' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें समाजसेवा, लोककल्याण तथा राजस्थान के समग्र विकास के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

राजस्थान राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी को दुबई में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया।

यह सम्मान राजस्थान बिज़नेस एंड प्रोफेशनल ग्रुप (आरबीपीजी) दुबई एवं राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दिवाली उत्सव 2025 कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया। डॉ. चतुर्वेदी के नेतृत्व में राजस्थान राज्य वित्त आयोग ने पंचायतों और नगरीय निकायों को सशक्त बनाने, वित्तीय संसाधनों के न्यायसंगत वितरण तथा स्थानीय निकायों के विकास को गति देने के लिए कई अभिनव पहलें की हैं। वित्तीय विकेंद्रीकरण की दिशा में आयोग द्वारा किए जा रहे कार्यों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिल रही है। राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड़ ने बताया कि इस अवसर पर दुबई में पिछले 75 वर्षों से राजस्थान मूल के लोगों की सहायता कर रहे वासु श्रॉफ, तथा बीएनडब्ल्यू डेवलपर्स के मालिक एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट अंकुर अग्रवाल को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 'प्रवासी सम्मान अवार्ड-2025' से सम्मानित किया गया।आरबीपीजी अध्यक्ष हरिकिशन रांकावत ने कहा कि डॉ. अरुण चतुर्वेदी को समाज कल्याण, शिक्षा और सुशासन के क्षेत्र में उनके समर्पण के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। कार्यक्रम में दुबई में भारत के कॉन्सुल जनरल सतीश शिवन, आरबीपीजी चेयरमैन लालाराम, बोर्ड डायरेक्टर डॉ. केसर कोठारी, उपाध्यक्ष डॉ. रोमित पुरोहित सहित संगठन के सभी ट्रस्टी एवं लगभग 1200 प्रवासी राजस्थानी डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट और उद्योगपति परिवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजस्थान मूल के प्रसिद्ध संगीतकार शारिब-तोशी की प्रस्तुति ने समां बाँध दिया।

तकनीकी नवाचारों से मिलेगी शहरी विकास को रफ्तार : रवि जैन

स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव ने दिया क्षमता संवर्धन कार्यशाला में नवनियुक्त अधिकारियों को व्याख्यान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व और मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में स्वायत्त शासन विभाग जनसेवा के नये आयाम स्थापित कर रहा है।

एमएनआईटी के अमरूत सेंट्र में नवनियुक्त अधिशासी और राजस्व अधिकारियों की क्षमता संवर्धन के लिए 45 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। शासन सचिव रवि जैन ने इस कार्यशाला में सोमवार को अधिकारियों से संवाद कर उनका मार्गदर्शन किया। जैन ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में सीखने की कोई उम्र नहीं होती है, अभ्यास से ही वह अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हो जाता है। उन्होंने कहा की क्षेत्र अधिकारी के रूप में, आपका कार्य केवल फाइलों तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य सरकार की प्रगति और समृद्धि की नींव को मजबूत करना है। आज के तेज़ी से बदलते समय में, हमें कुछ नया और अलग सोचने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा की तकनीकी नवाचारों से राजस्थान के अर्बन गवर्नेंस को गति मिलेगी, हमे चाहिए की हम नवीन विचारों को अपनाएं और जन कल्याण के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों और विधियों को सीखें।हमे परंपरा और आधुनिकता को जोड़ते हुए उत्कृष्टता की ओर बढ़ना है।

स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने एमएनआईटी में नवनियुक्त अधिशासी और राजस्व अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित किया।

जैन ने व्याहवारिक ज्ञान पर प्रकाश डालते हुए सभी नयनियुक्त अधिकारियों को अपना आचरण सौम्य और संवेदनशील बनाए रखने का आव्हान किया। उल्लेखनीय है कि 111 प्रशिक्षणार्थियों को इस 45 दिवसीय कार्यशाला में तकनीकी विषयों एवं निर्माण कार्यों से संबंधित विभिन्न तकनीकी नवाचारों का प्रशिक्षण दिया जायेगा। कार्यशाला में विभिन्न सत्र होंगे जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिया जायेगा। इस उद्घाटन सत्र में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक प्रतीक जुईकर सहित अन्य अधिकारी, एमएनआईटी के प्रोफेसर एवं सभी प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

भारतीय मजदूर संघ की बैठक

जयपुर। भारतीय मजदूर संघ, जयपुर जिला इकाई की कार्यसमिति बैठक सोमवार को संघ कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री रंजीत सिंह गुर्जर, अध्यक्ष - भारतीय मजदूर संघ, जयपुर जिला इकाई ने की। बैठक में आगामी प्रदेश स्तरीय श्रमिक हुंकार रैली की तैयारियों पर चर्चा हुई, जो 26 दिसंबर को जयपुर में आयोजित की जाएगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी पदाधिकारी व सदस्य विभिन्न संगठनों से जुड़कर अधिकतम संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि संगठन की एकता और शक्ति का प्रदर्शन हो सके। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रचारक जयंतीलाल और प्रदेश महामंत्री हरिमोहन शर्मा ने कार्यसमिति को मार्गदर्शन प्रदान किया।

विधानसभा पहुंचने पर देवनानी का अभिनंदन

बारबाडोस सम्मेलन और यू.के. अध्ययन यात्रा से लौटे हैं देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का सोमवार को यहां विधान सभा पहुँचने पर विधान सभा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अभिनंदन किया। देवनानी बारबाडोस में 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेकर और संसदीय परम्पराओं का यू.के. में अध्ययन यात्रा के बाद रविवार को वापस लौटे है।

देवनानी का विधान सभा कर्मियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर, साफा, फूल माला और दुपट्टा पहनाकर और शॉल ओढाकर अभिनंदन किया। देवनानी ने सभी विधान सभा कर्मियों के हाल-चाल पूछे। देवनानी के साथ इस यात्रा में प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा भी गये थे। उल्लेखनीय है कि बारबाडोस में 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में देवनानी ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। सम्मेलन में राउंड टेबल परिचर्चा में लोकतंत्र को समर्थन देने के लिए हमारी संस्थानों का सुदृढ़ीकरण, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्वास्थ्य के लिए इसका खतरा-स्थायी समाधान ढूँढना और सुशासन, बहुपक्षवाद और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में राष्ट्रमंडल की भूमिका पर विचार व्यक्त किये। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के भी अध्यक्ष देवनानी ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की वार्षिक साधारण सभा में भी भाग लिया। लंदन यात्रा के दौरान देवनानी ने सावरकर हाउस, अम्बेडकर हाउस सहित ऐतिहासिक भवनों का अवलोकन किया। लंदन में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर देवनानी ने पुष्पाजंलि अर्पित की। यू.के. और बारबाडोस में भारतीय प्रवासी समुदाय से मुलाकात कर उनके योगदान और भारतीय संस्कृति व लोकतांत्रिक मूल्यों को विश्व में बढ़ावा देने के लिये किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। देवनानी ने राजस्थान विधान सभा के डिजिटल पहल, महिला सशक्तिकरण, पारदर्शिता, समावेशी शासन मॉडल सहित सनातन संस्कृति के अनुरूप प्रकाशित विधान सभा कैलेण्डर और डायरी सहित विभिन्न नवाचारों को वैश्विक मंच पर साझा किया।

विधानसभा में सोमवार को अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का स्वागत किया।

पेट्रोल पंप पर सेल्समैन ने की मारपीट

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना इलाके में बाइक में पेट्रोल भरवाने आए एक युवक और सेल्समैन की कहासुनी हो गई और देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में तब्दील हो गई। पेट्रोल पंप पर कार्यरत सेल्समैन ने बाइक सवार युवक से मारपीट शुरु कर दी। तभी कुछ लोगों ने बीच बचाव का प्रयास किया तो कुछ लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने पेट्रोल पंप संचालक को सीसीटीवी फुटेज समेत थाने बुलवाया। हालांकि अभी तक दोनों पक्षों की ओर से किसी भी तरह का कोई मुकदमा दर्ज नहीं कराया गया है।पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि सोशल मीडिया पर 11 अक्टूबर का एक वीडियो वायरल हो रहा था।

जिसमें पेट्रोल पंप पर कार्यरत सेल्समैन एक युवक से मारपीट करता हुआ दिखाई दे रहा है। वीड़ियों के सत्यापन के बाद पेट्रोल पंप संचालक को सीसीटीवी फुटेज सहित थाने बुलवाया गया है। सीसीटीवी फुटेज के सत्यापन के बाद जांच की जाएगी।

डेढ़ साल से जमा गंदे पानी के निकास के लिए क्या कर रहा है प्रशासन?

- राजस्थान हाईकोर्ट ने हिंडौन सिटी के बीच से निकल रहे मंडावरा रोड के मुख्य मार्ग पर करीब डेढ़ साल से जमा सीवरेज, वर्षा और गंदे पानी की निकासी के लिए कोई कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हिंडौन सिटी के बीच से निकल रहे मंडावरा रोड के मुख्य मार्ग पर करीब डेढ़ साल से जमा सीवरेज, वर्षा और गंदे पानी की निकासी के लिए कोई कार्रवाई नहीं होने के चलते स्थानीय निवासियों को हो रही परेशानी पर नाराजगी जताई है।

इसके साथ ही अदालत ने प्रमुख स्वायत्त शासन सचिव, स्वायत्त शासन निदेशक, जिला कलेक्टर करौली और एसडीओ हिंडौन सहित स्थानीय नगर परिषद आयुक्त से जवाब मांगा है। वहीं अदालत ने जिला कलेक्टर और नगर परिषद आयुक्त को आगामी तारीख तक शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि मुख्य मार्ग पर भरे इस गंदे पानी की निकासी के लिए अब तक क्या किया गया है और भविष्य की क्या कार्य योजना है। जस्टिस संजीत पुरोहित ने यह आदेश गिर्राज प्रसाद व अन्य की याचिका पर दिया।याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक व विनोद सिंघल ने बताया कि याचिकाकर्ता हिंडौन के मंडावरा रोड के निवासी हैं। यहां मुख्य रोड पर करीब डेढ़ साल से सीवरेज व वर्षा सहित घरों के गंदे पानी का जमावड़ा हो रहा है। इस रोड से 25 कॉलोनियों और कई गांव के लिए रास्ते जाते हैं। इन रास्तों पर रोजाना हजारों वाहन व पैदल यात्री निकलते हैं। आए दिन गंदे पानी में लोग गिर जाते हैं। गंदे पानी की निकासी के लिए कोई नाली भी नहीं है। इस बारे में स्थानीय जिला प्रशासन व नगर परिषद को कई बार प्रतिवेदन दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसलिए गंदे पानी की निकासी के लिए कोई ठोस कार्रवाई की जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए शपथ पत्र पेश कर आगामी कार्य योजना पेश करने को कहा है।

विद्याश्रम स्कूल में री-यूनियन समारोह हुआ

जयपुर। विद्याश्रम स्कूल, जयपुर के 2004 बैच के पूर्व छात्रों ने अपने स्कूल के 21 साल पूरे होने के अवसर पर एक यादगार रियूनियन समारोह आयोजित किया।

यह आयोजन बैच के सहपाठियों द्वारा स्वयं आयोजित किया गया और जयपुर के प्रसिद्ध क्लेबोर्न रेस्तरां में संपन्न हुआ।

इस रियूनियन समारोह में देश भर से पूर्व छात्र अपने पुराने दोस्तों से मिलने के लिए पहुंचे। कई सहपाठी वर्षों बाद एक-दूसरे से मिले, जिससे समारोह में खुशी और उत्साह का माहौल रहा। सभी ने अपने स्कूल के दिनों की पुरानी यादों को ताजा किया और पुराने दिनों को याद करते हुए भावुक हो उठे।

पहली बार ओलंपिक में खेलने पर दुनिया ने हमारे कौशल और प्रतिभा को देखा और वहीं हमारी हॉकी टीम का शानदार सफर शुरु हुआ।
- अशोक कुमार

भारतीय हॉकी खिलाड़ी, भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूरा होने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

रवि शास्त्री

लंबे समय बाद टीम इंडिया के सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली आगामी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। वहीं इन दोनों दिग्गजों को लेकर पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने बयान दिया है। रवि शास्त्री का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की 2027 वर्ल्ड कप खेलने की उम्मीदें उनकी फॉर्म, फिटनेस और जज्बे पर टिकी हैं। रोहित-कोहली के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज इन पहलुओं की एक अहम परीक्षा होगी। इन दोनों दिग्गजों को अपनी जगह पक्की करने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन करना होगा।

क्या आप जानते हैं ?... वेस्टइंडीज की टीम पिछले 17 वर्षों से भारत के खिलाफ कोई द्विपक्षीय वनडे इंटरेशनल सीरीज नहीं जीत सकी है।

दूसरे टेस्ट में जीत के लिए भारत को 58 रनों की दरकार

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह (तीन-तीन) के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद केएल राहुल और साई सुदर्शन के शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन सोमवार को स्टंप के समय एक विकेट पर 63 रन बना लिये और उसे अभी जीत के लिए 58 रनों की दरकार है। उसके पास अभी नौ विकेट शेष हैं।

चायकाल के बाद जस्टिन ग्रीव्स ने अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 85 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 50 रन बनाये। 119वें ओवर की पांचवी गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने जेडेन सील्स (32) को आउट कर 390 के स्कोर पर फालोऑन खेल रही वेस्टइंडीज की दूसरी पारी का अंत किया। भारत को जीत के लिए 121 रनों का लक्ष्य मिला। जस्टिन ग्रीव्स और जेडेन सील्स ने 10वें विकेट के लिए 79 रन जोड़े। इस जोड़ी ने 22 से अधिक ओवरों तक मिलकर बल्लेबाजी की।

इसके बाद 121 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की यशस्वी जयसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने नौ रन बनाये थे कि दूसरे ओवर में जोमेल वारिकन ने यशस्वी जयसवाल (आठ) को एंडरसन फिलीप के हाथों कैच आउट कराकर भारत को पहला झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये साई सुदर्शन ने केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए रन जोड़े। दिन का खेल समाप्त होने के समय भारत ने एक विकेट पर 63 रन बना लिये है और उसे जीत के लिए 58 रनों की जरूरत है। केएल राहुल (नाबाद 25) और साई सुदर्शन (नाबाद 30) क्रीज पर मौजूद हैं।

इससे पहले शाई होप ने भोजनकाल के बाद अपना शतक पूरा किया। इसके कुछ देर बाद मोहम्मद सिराज ने उन्हें बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। शाई होप ने 214 गेंदों में 12 चौके और दो छक्के लगाते हुए 103 रनों की पारी खेली। यह शाई होप ने टेस्ट करियर का तीसरा और भारत के खिलाफ यह उनका पहला टेस्ट शतक था। होप के बल्ले से आठ साल के इंतजार के बाद यह शतक आया है। उन्होंने आखिरी बार 2017 में शतक लगाया था।

इसके बाद कुलदीप यादव ने टेविन इमलाक (12), कप्तान रोस्टन चेज (40) और खारी पिएर (शून्य) को अपना शिकार बनाया। वहीं जोमेल वारिकन (तीन) को जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड आउट किया। एंडरसन फिलीप (दो) को भी बुमराह ने आउट किया। चायकाल तक वेस्टइंडीज ने नौ विकेट पर 361 रन बना लिये थे। आज सुबह वेस्टइंडीज ने कल के दो विकेट पर 173 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में जॉन कैंपबेल ने छक्का लगाकर अपने टेस्ट करियर का पहला शतक पूरा किया। उन्होंने अपने शतक के लिए 174 गेंदों का सामना किया। इस दौरान नौ चौके और तीन छक्के लगाये। इसी के साथ वह सात साल बाद भारत के खिलाफ सेंचुरी लगाने वाले वेस्टइंडीज के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले रोस्टन चेज ने यह कारनामा किया था। 64वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने उन्हें पगबाधा आउटकर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। उन्होंने 199 गेंदों में 12 चौको और तीन छक्को की मदद से 115 रनों की पारी खेली।लंच के समय तक वेस्टइंडीज ने तीन विकेट पर 252 रन बनाये थे।

जोशना चिनप्पा ने जीता जापान ओपन का खिताब

योकोहामा (जापान), 13 अक्टूबर। दो बार की एशियन चैंपियन भारत की जोशना चिनप्पा ने सोमवार को एक बार फिर दमदार प्रदर्शन करते हुए जापान ओपन 2025 स्क्वैश टूर्नामेंट में मिस्त्र की हया अली को हराकर महिला एकल का खिताब अपने नाम किया। आज यहां खेले गये मुकाबले में 39 वर्षीय भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी ने तीसरी वरीयता प्राप्त दुनिया की 53वें नंबर की मिस्त्र की हया अली को 11-5, 11-9, 6-11, 11-8 से हराकर पीएसए चैलेंजर प्रतियोगिता में अपने शानदार प्रदर्शन का समापन किया। यह उनके करियर का 11वां पीएसए खिताब है। उल्लेखनीय है कि जोशना चिनप्पा की यह हया अली के साथ दूसरी भिड़ंत थी। इससे पहले दोनों स्क्वैश खिलाड़ी ने इस साल बरमूडा ओपन के दूसरे राउंड में एक-दूसरे का मुकाबला किया था। इस मुकाबले में जोशना को 11-8, 10-12, 5-11, 11-9, 11-8 से हार का सामना करना पड़ा था। पूर्व विश्व नंबर 10 स्क्वैश खिलाड़ी, जोशना हांगझोऊ में एशियन गेम्स 2023 के बाद घुटने की सर्जरी के बाद से शानदार वापसी कर रही हैं। एशियन गेम्स में वह भारत की कांस्य पदक विजेता महिला टीम का भी हिस्सा थीं। जोशना ने इस साल की शुरुआत में युवा स्टार खिलाड़ी अनाहत सिंह के साथ जून में एशियन चैंपियनशिप में महिला युगल का खिताब जीता था। इसके अलावा इंडियन ओपन के सेमीफाइनल में भी जगह बनाई थी, जहां उन्हें अनाहत से हार का सामना करना पड़ा और अनाहत चैंपिनय बनीं।

इंग्लैंड के खिलाफ मिशेल सैंटनर होंगे न्यूजीलैंड की टी-20 टीम के कप्तान

वेलिंगटन, 13 अक्टूबर। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी-20 सीरीज के लिए मिशेल सैंटनर को टीम का कप्तान बनाया है और स्टार ऑलराउंडर रचिन रविंद्र को भी टीम शामिल किया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार रविंद्र चेहरे की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हालिया श्रृंखला से बाहर होने के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं, जबकि सैंटनर हाल ही में हुई पेट की सर्जरी से उबर चुके हैं और शनिवार से क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में शुरू होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला में टीम की कप्तानी करेंगे। गुरुवार को विदेश से लौटे विलियमसन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से बाहर रहेंगे और 26 अक्टूबर से तौरंगा में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रवींद्र की जगह आखिरी समय में टीम में आए जिमी नीशम को तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के रूप में चुना गया है। उनके साथ जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मैट हेनरी और काइल जैमीसन जैसे तेज गेंदबाज भी होंगे। सेंटनर के साथ स्पिन विभाग में माइकल ब्रेसवेल शामिल होंगे। टिम सीफर्ट विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

राजस्थान के वुशू खिलाड़ी अर्केश्वर, रजत प्रकाश व भव श्रीमाली का भारतीय टीम में चयन

जयपुर, 13 अक्टूबर। अंतर्राष्ट्रीय वुशू महासंघ के तत्वावधान में दिनांक 14 से 20 अक्टूबर 2025 तक इमिशान, चीन में 10वी विश्व वुशू कुंगफु

प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। 10वी विश्व वुशू कुंगफु प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय वुशू टीम में राजस्थान के तीन खिलाडी प्रतिनिधित्व करेंगे। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि 10वी विश्व वुशू कुंगफु प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय टीम में राजस्थान के अर्केश्वर मेडतवाल, रजत प्रकाश गुप्ता व भव श्रीमाली भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। कोच राजेश कुमार टेलर ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय वुशू टीम दिनांक 13 अक्टूबर को दिल्ली से रवाना हुई।

वीर शिवा क्लब और गेम चेंजर क्लब बने विजेता

जयपुर, 13 अक्टूबर। एसएमएस स्टेडियम पर आज संपन्न गुर इकबाल सिंह भुल्लर स्मृति शिक्षा साइट पुरुष। हॉकी प्रतियोगिता प्रतियोगिता का किताब वीर शिवा क्लब ने तथा। श्रीमती नरेंद्र कौर

भुल्लर स्मृति 6 साइड महिला हॉकी प्रतियोगिता का किताब गेम चेंजर क्लब ने जीता। पुरुष हॉकी का फाइनल बेहद रोमांचक रहा। विजेता टीम वीर शिवा क्लब के लिए एकमात्र गोल कप्तान कुलजीत सिंह ने तीसरे मिनट में किया। हालांकि उपविजेता टीम ब्लैक डायमंड क्लब ने गोल बराबरी के अथक प्रयास किया किंतु वह निष्फल के। महिला हॉकी वर्क का फाइनल। उतार चढ़ाव से भरा रहा। फाइनल में गेम चेंजर ने रेड रेंजर को तीन दो गोल से से हराया। विजय गोयल खेल के अंतिम चरणों में ही आया। विजेता गेम चेंजर के लिए प्रिय मनीष और रीना बलावत ने गोल किए। जबकि पराजित टीम रेड रेंजर के लिए तीन व पायल ने गोल धागे। पारितोषिक वितरण शरद मेहरा आइ. ए. एस. महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रा कान। राजस्थान ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जे. एस. सनधु पूर्व सीसीएस उत्तर पश्चिम रेलवे ने की। विशिष्ट अतिथि दिव्य शर्मा एमडी राष्ट्रदूत एवं डॉक्टर अनुराग शर्मा रहे। इस अवसर पर कई पूर्व एवं वर्तमान राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी उपस्थित रहे।

पोलो की दिल्ली में वापसी, पांच साल बाद भारत का सामना विश्व की नंबर 1 टीम अर्जेंटीना से

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। पांच साल के अंतराल के बाद, अंतर्राष्ट्रीय पोलो राजधानी में शानदार वापसी करने के लिए तैयार है। कोग्निवेरा आईटी सॉल्यूशंस, भारतीय पोलो संघ और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से, प्रतिष्ठित जयपुर पोलो ग्राउंड में भारत और अर्जेंटीना के बीच एक प्रतिष्ठित मुकाबले की मेजबानी करेगा।

वैश्विक पोलो की अग्रणी टीम अर्जेंटीना, अपने बेजोड़ घुड़सवारी और खेल में महारत के लिए प्रसिद्ध विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के साथ आ रही है। टीम इंडिया के लिए, यह मुकाबला एक कठिन चुनौती और एक सुनहरा अवसर दोनों है, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने और अंतर्राष्ट्रीय पोलो मंच पर भारत की स्थिति को फिर से मजबूत करने का एक मौका।

इस मैच का गहरा ऐतिहासिक महत्व है। यह मैच इतिहास में डूबा हुआ है। पोलो, जिसका जन्म 2,000 साल पहले भारत के मणिपुर में हुआ था, पश्चिम की ओर बढ़ा और अर्जेंटीना में विकसित हुआ।

इस अक्टूबर में, यह अपने जन्मस्थान पर लौटकर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों का सामना करेगा। भारत-अर्जेंटीना का यह मुकाबला एक खेल तमाशे से कहीं बढ़कर है; यह पोलो की विरासत, उत्कृष्टता और चिरस्थायी भावना का उत्सव होगा।

भारत की चुनौती का नेतृत्व विरासत, कौशल और युवाओं के मिश्रण वाली एक गतिशील चौकड़ी कर रही है:- **महाराजा पद्मनाभ सिंह** - शाही विरासत, भारतीय पोलो के वैश्विक राजदूत। **शमशीर अली** - निडर हमलावर और तीक्ष्ण रणनीतिक खेल। **सिमरन शेरगिल** - अनुभवी और लगातार विश्व कप प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी। **सिद्धांत शर्मा** - भारतीय पोलो के भविष्य को आकार देने वाला उभरता सितारा।

कोग्निवेरा आईटी सॉल्यूशंस के एमडी और सीईओ कमलेश शर्मा ने इस आयोजन के पीछे के व्यापक दृष्टिकोण पर ज़ोर देते हुए कहा: "कोग्निवेरा में, हम हमेशा से तकनीक, नवाचार और अब खेल के माध्यम से सेतु बनाने में विश्वास करते रहे हैं। पोलो विरासत से कहीं बढ़कर है; यह दूरदर्शिता, सटीकता और टीम वर्क का प्रतीक है, ये वे मूल्य हैं जो हमारे संगठन को आगे बढ़ाते हैं। यह मैच वैश्विक पोलो जगत में भारत के स्थान को पुनर्जीवित करने, युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करने, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और इस खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाने के बारे में है। पोलो की शुरुआत भारत में हुई थी; अब समय आ गया है कि दुनिया इस पर फिर से ध्यान दे।" यह आयोजन भारत और अर्जेंटीना के बीच संस्कृति, सौहार्द और साझा जुनून का मिश्रण करते हुए एक जीवंत सामाजिक उत्सव होने का भी वादा करता है।

अरशद नदीम के कोच पर लगा आजीवन बैन

पाकिस्तान के एथलेटिक्स महासंघ ने लिया फैसला

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। पाकिस्तान के शीर्ष भाला फेंक एथलीट अरशद नदीम के लंबे समय से कोच सलमान इकबाल पर रविवार को देश के एथलेटिक्स महासंघ ने पंजाब एथलेटिक्स संघ के संविधान का उल्लंघन करने के आरोप में आजीवन प्रतिबंध लगा दिया। वह इस संघ के अध्यक्ष हैं।आजीवन प्रतिबंध के तहत इकबाल किसी भी एथलेटिक्स गतिविधि में भाग नहीं ले सकते और कोचिंग भी नहीं दे सकते हैं और किसी भी स्तर पर कोई पद पर काबिज नहीं हो सकते हैं। पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ ने इकबाल पर पंजाब संघ के चुनाव कराकर उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, जो अगस्त में हुए थे।

सितंबर में एक जांच समिति का गठन किया गया था और इसने पाकिस्तान खेल बोर्ड को दिए गए उनके जवाब के एक दिन बाद 10 अक्टूबर को इकबाल पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी। ये फैसला हाल में इकबाल द्वारा पीएसबी को भेजे गए जवाब से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है, जिसमें उन्होंने उनसे टोक्यो में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नदीम के खराब प्रदर्शन के बारे में स्पष्टीकरण मांगा था। पीएसबी ने भाला फेंक खिलाड़ी की ट्रेनिंग और यात्रा पर हुए खर्च के बारे में भी जानकारी मांगी थी।

इकबाल ने अपने जवाब में कहा कि, अरशद की तैयारियों में पिंडली की मांसपेशियों की समस्या के कारण हुई सर्जरी के कारण बाधा आई। टोक्यो में ट्रैक हार्ड था।

14 साल के सूर्यवंशी बने बिहार रणजी टीम के उपकप्तान

पटना, 13 अक्टूबर। वैभव सूर्यवंशी को बुधवार से शुरु हो रहे रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन के शुरुआती दो राउंड्स के लिए बिहार की टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। टीम की कमान साकिबुल गनी को दी गई है। सीजन के शुरु होने से दो दिन पहले यह घोषणा हुई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के आदेश के बाद बिहार क्रिकेट एसोसिशन को दो सदस्यीय चयन समिति में एक अस्थायी चयनकर्ता को जोड़ना पड़ा। बीसीबी को जल्द पांच सदस्यीय चयन समिति गठित करने का निर्देश दिया गया है। सूर्यवंशी की यह नियुक्ति उनकी शानदार फॉर्म के कारण हुई है। उन्होंने हाल ही में भारत अंडर-19 टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शीर्षक्रम में तेज शुरुआत दी। उन्होंने ब्रिसबेन में पहले चार दिवसीय मैच में 78 गेंदों में शतक जड़ा और तीन पारियों में 133 रन बनाए।

आईओए ने पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए पदक जीतने वालों को सम्मानित किया

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने सोमवार को नई दिल्ली के ताज मान सिंह होटल में 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के भारत के लिए पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया। इस समारोह में आईओए अध्यक्ष डॉ. पी.टी. उषा, माननीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, स्पांसर और खेल जगत के सदस्य उपस्थित थे। इस समारोह में उन भारतीय एथलीटों का सम्मान किया गया जिन्होंने इन खेलों में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से देश को गौरव और प्रेरणा दी। भारत ने पेरिस 2024 में अपना अभियान छह पदकों (एक रजत और पांच कांस्य) के साथ समाप्त किया था। नीरज चोपड़ा ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर टोक्यो ओलंपिक में अपने गौरव को और बढ़ाया। इससे विश्व मंच पर उनका दबदबा और भी मज़बूत हुआ। निशानेबाज मनु भाकर ने दो कांस्य पदक (एक महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में और दूसरा सरबजोत सिंह के साथ मिश्रित टीम वर्ग में) जीते। इसके अलावा स्वप्निल कुसाले ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोज़िशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया था जबकि युवा पहलवान अमन सहरावत ने पुरुषों की 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत के सबसे कम उम्र के ओलंपिक पदक विजेताओं में से एक बन गए। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने भी पोडियम पर वापसी की और तीसरे स्थान के मैच में स्पेन पर 2-1 से जीत के साथ अपने मजबूत अभियान के बाद कांस्य पदक जीता।

चतुर्थ डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता

जयपुर, 13 अक्टूबर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज से एन.बी. क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में प्रारम्भ चतुर्थ डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये उद्घाटन मुकाबले में एलिट स्पोर्टस एकेडमी ने मनीष शर्मा 60 रन नाबाद (25 गेंद, 4 चौके, 6 छक्के) तथा 18 रन पर 4 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन तथा जसविंदर सिंह की घातक गेंदबाजी 19 रन पर 5 विकेट जिसमें हैट्रिक भी शामिल है की बदौलत मंगलम क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये मंगलम क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये विशाल शर्मा 60 रन (54 गेंद, 7 चौके, 2 छक्के) की पारी के बावजूद जसविंदर सिंह 19 रन पर 5 विकेट तथा मनीष शर्मा 18 रन पर 4 विकेट की घातक गेंदबाजी के समक्ष 18.5 ओवर में मात्र 103 रन पर ही समेट दिया। जिसमें जसविंदर सिंह द्वारा ली गई हैट्रिक भी शामिल है। जवाबी पारी में एलिट स्पोर्टस एकेडमी ने मनीष शर्मा 60 रन नाबाद (25 गेंद, 4 चौके, 6 छक्के) की आतिशी पारी की बदौलत विजय लक्ष्य 104 रन 3 विकेट मात्र 9.5 ओवर में ही हासिल कर 7 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इससे पूर्व आज आर.सी.ए. के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष जेडीसीए के पूर्व अध्यक्ष तथा मैत्री क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष डॉ. बी.आर. सोनी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच मनीष शर्मा एलिट स्पोर्टस एकेडमी रहे।

एआईएफएफ ने लिया बड़ा फैसला

दो विवादित धाराओं को छोड़कर अपनाया सुप्रीम कोर्ट का संविधान

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। दो विवादास्पद अनुच्छेदों को छोड़ कर अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने सुप्रीम कोर्ट के संविधान को अपनाया है। दरअसल, 12 अक्टूबर को अपनी विशेष बैठक में सुप्रीम कोर्ट द्वारा मंजूर संविधान को अपनाया लेकिन उन दो विवादास्पद अनुच्छेदों को छोड़ दिया जो अदालत के निर्देश पर लंबित हैं। उच्चतम न्यायालय ने 19 सितंबर को न्यायधीश एल नागेश्वर राव द्वारा तैयार किए गए एआईएफएफ के संविधान के मसौदे को कुछ संशोधनों के साथ मंजूरी दे दी थी। उच्चतम न्यायालय ने तब महासंघ को इसे चार हफ्तों के भीतर अपनाने का निर्देश दिया था। हालांकि, संविधान के मसौदे के दो अनुच्छेद शीर्ष पदाधिकारियों के लिए सिरदर्द बन गए थे।

एडहॉक कमेटी ने जोधपुर जिला क्रिकेट संघ की मान्यता को रद्द किया

जयपुर, 13 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का सियासी घमासान लगातार बढ़ता जा रहा है। एडहॉक कमेटी के कन्वीनर दीनदयाल कुमावत ने धनंजय सिंह खींवसर की अध्यक्षता वाले जोधपुर जिला क्रिकेट संघ की मान्यता को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही दीनदयाल कुमावत ने कमेटी के तीन और सदस्यों के खिलाफ लोकपाल में आरसीए के संविधान के खिलाफ काम करने को लेकर शिकायत की है। ऐसे में तीन और जिला क्रिकेट संघ पर अब जांच के साथ कार्रवाई की तलवार लटक गई है। इनमें प्रतापगढ़ के पिंकेश जैन, अलवर के मोहित यादव और सीकर के आशीष तिवाड़ी शामिल हैं। दीनदयाल कुमावत ने एडहॉक कमेटी के चार सदस्यों की बैठक को अवैध बताया और उसके फैसलों को बेबुनियाद बताते हुए प्रभावहीन (लागू नहीं होंगे) करार दिया। इसके बाद एक बार फिर राजस्थान में क्रिकेट की लड़ाई मैदान से बाहर आ गई है। दीनदयाल कुमावत ने कहा, राजस्थान खेल अधिनियम 2005 और आरसीए संविधान के अनुसार किसी भी बैठक को आहुत करने का अधिकार केवल संयोजक या अध्यक्ष के पास होता है। ऐसी किसी बैठक के लिए अति आवश्यक परिस्थितियों में भी लिखित आवेदन और कारण बताना अनिवार्य है। लेकिन इस मामले में ऐसा कोई आवेदन या सूचना नहीं दी गई। कुमावत ने आरोप लगाया कि यह बैठक उनकी जानकारी और सहमति के बिना, पीठ पीछे आयोजित की गई है, इसलिए इस तथाकथित बैठक में पारित सभी प्रस्ताव पूर्णतः शून्य, आधारहीन और प्रभावहीन हैं।

सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं : धनंजय

सरकार द्वारा गठित एडहॉक समिति में मुझे सरकार के निर्देशानुसार सदस्य स्वरूप महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसका निर्वहन मैं आज भी पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता और ईमानदारी से कर रहा हूँ। मैं एवं मेरे साथ समिति के चार सदस्यगण, संयोजक दीनदयाल कुमावत द्वारा लिए गए गलत निर्णयों और भ्रष्टाचारपूर्ण कार्यप्रणाली के विरुद्ध पहले ही आपत्ति दर्ज करा चुके हैं, क्योंकि सत्य के पक्ष में खड़े रहना सदैव आवश्यक होता है। मैंने हमेशा सही व्यवस्था और पारदर्शी प्रक्रिया का समर्थन किया है और भविष्य में भी करता रहूँगा। आज शाम जो घटना हुई, उसमें राजनीतिक द्वेषता से प्रेरित होकर एडहॉक समिति के कन्वीनर दीनदयाल कुमावत द्वारा जोधपुर जिला क्रिकेट संघ की मान्यता रद्द करने की घोषणा की गई है, जो पूर्णतया असंवैधानिक है। मैं आपको सूचित करना चाहता हूँ कि एडहॉक समिति के पूर्ण बहुमत के बिना किसी भी जिला क्रिकेट संघ की मान्यता रद्द करने का अधिकार कन्वीनर के पास नहीं है। मैं पुनः स्पष्ट करना चाहता हूँ कि खेल नीति और आरसीए के संविधान के अनुसार जोधपुर जिला क्रिकेट संघ आज भी पूर्ण मान्यता प्राप्त एवं वैध है। इसकी मान्यता रद्द होने की खबर सिर्फ मेरी आवाज दबाने का एक प्रयास है और दीनदयाल कुमावत द्वारा लिखा गया पत्र और निर्णय पूर्णतया अवैध है। जहां भी क्रिकेट का अहित होगा, किसी भी निर्णय में अपारदर्शिता और भ्रष्टाचार होगा उसके खिलाफ मेरी आवाज सदैव मुखर रहेगी।

बीसीसीआई वीनू मांकड़ अंडर-19 ट्रॉफी में राजस्थान ने उत्तर प्रदेश को 2 विकेट से हराया

राजस्थान के जीत में हनी प्रताप सिंह, भव्य राज, हर्ष दगडी का शानदार प्रदर्शन, बीसीसीआई सीनियर वीमेन टी 20 ट्रॉफी (राजस्थान - महाराष्ट्र मैच)

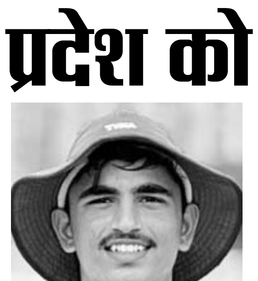

जयपुर, 13 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआईकी रांची में खेली जा रहे वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान ने हनी प्रताप सिंह, भव्य राज व हर्ष दगडी के शानदार प्रदर्शन की सहायता से उत्तर प्रदेश को 2 विकेट से हराया।

वीनू मांकड़ अंडर 19 ट्रॉफी राजस्थान - असम मैच

उत्तर प्रदेश पारी 238 आल आउट

टीम के लिए कार्तिकेय 48 व शांतनु 45 रन, राजस्थान के गेंदबाज हनी प्रताप सिंह 48 /5 व भव्य राज 35 /4 विकेट, राजस्थान पारी 239/8, टीम के लिए हर्ष दगडी 61, शिफॉन 36, जयवर्धन 31 रन, उत्तर प्रदेश के गेंदबाज आदित्य, आयन 2 -2 विकेट।

बीसीसीआई सीनियर वीमेन टी 20 ट्रॉफी राजस्थान - महाराष्ट्र मैच :- महाराष्ट्र पारी 144 /7, टीम के लिए ऐ पाटिल 52, ईश्वरी 45 रन, राजस्थान की गेंदबाज सोनल कलाल 20 /3 व सुमन मीणा 21 /2 विकेट, राजस्थान पारी 100 /7, टीम के लिए कौशल्या चौधरी नाबाद 40, सुमन मीणा 21 व डिंपल कँवर 16 रन, महाराष्ट्र की गेंदबाज दयांशवारी, ऐ पाटिल, एम् मगरी 2 -2 विकेट। राज्य स्तरीय अंडर 16 ट्रॉफी प्री क्वाटर फाइनल मैच :- जयपुर - अजमेर (जयपुर 8 विकेट से जीती), अजमेर पारी 151/9, जयपुर पारी 152 /2, जयपुर के गौरव सैनी 91 रन

राजसमंद - नागौर (राजमसंद 63 रन से जीती), राजसमंद पारी 259/9, नागौर पारी 191 आल आउट, श्रीगंगानगर - डूंगरपुर (श्रीगंगानगर 164 रन से जीती), श्रीगंगानगर पारी 237 आल आउट (हर्ष 59 रन), डूंगरपुर पारी 73 आल आउट, श्रीगंगानगर के गेंदबाज आदित्य बागड़ा 13 /4, हनुमानगढ़ - उदयपुर (हनुमानगढ़ 102 रन से जीती), हनुमानगढ़ पारी 269 आल आउट, आदित्य 111 रन, उदयपुर पारी 167 आल आउट, भीलवाड़ा - टोंक (टोंक 9 विकेट से जीती), भीलवाड़ा पारी 94 आल आउट, टोंक पारी 95/1, जैसलमेर - चूरू (जैसलमेर 49 रन से जीती), जैसलमेर पारी 187 /8, चूरू पारी 138 आल आउट, बीकानेर - सीकर (सीकर 4 विकेट से जीती) स्वास्तिक चौधरी 46 /5, बीकानेर पारी 207 आल आउट, सीकर पारी 211 /6, भरतपुर - बाड़मेर (बाड़मेर 1 विकेट से जीती), भरतपुर पारी 175 आल आउट, बाड़मेर पारी 179 /8, स्वरुप 88 रन।

पूर्व छात्रों ने पोलो, गोल्फ, क्रिकेट, फुटबॉल और पिकलबॉल प्रतियोगिता में लिया हिस्सा

जयपुर, 13 अक्टूबर। मेयो कॉलेज, अजमेर की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य समारोह की श्रृंखला के अंतर्गत, जयपुर चैप्टर द्वारा पूर्व छात्रों के लिए एक विशेष खेल उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पोलो, गोल्फ, क्रिकेट, फुटबॉल और पिकलबॉल जैसी विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने के लिए देशभर से पूर्व छात्र उत्साहपूर्वक जयपुर में एकत्र हुए। रामबाग गोल्फ क्लब में 30 से अधिक पूर्व छात्रों ने हिस्सा लिया। वेटरन कैटेगरी में विक्रम आदित्य सिंह विजेता रहे, जबकि नागेश शर्मा उपविजेता बने। वहीं, 0-9 कैटेगरी में रजत करवासरा विजेता रहे और वेदांत सिंह उपविजेता। इसी प्रकार, 10-18 कैटेगरी में सम्रिमजय सिंह विजेता रहे और एस.पी. सिंह उपविजेता। सिद्धार्थ जैन ने 262 यार्ड की लॉन्गेस्ट ड्राइव मारी, जस्मीत सोढ़ी ने 9 फीट पर क्लोज़ेस्ट टू द पिन जीता, और एस.पी. सिंह ने 10 फीट 4 इंच पर स्ट्रेटेस्ट ड्राइव अपने नाम की। बेस्ट गोल्फर ओवरऑल का सर्वोच्च सम्मान सिद्धार्थ शर्मा को 74 के स्कोर के साथ प्राप्त हुआ। जयपुरिया क्रिकेट अकादमी में मेयो एलुमनाई ईस्ट ने क्रिकेट ट्रॉफी जीती। उदय तोतुका, संजय जोशी, संयम अग्रवाल और वेदांग अग्रवाल (फाइनल) को उनके संबंधित खेलों में मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। राघवेंद्र हर्ष की निरंतर बेहतरीन बल्लेबाज़ी ने उन्हें बेस्ट बैट्समैन और मैन ऑफ द सीरीज़ दोनों का खिताब दिलाया, जबकि दुष्यंत राठौड़ बेस्ट बॉलर और सुदीप्तो बोस ने बेस्ट फील्डर का टाइटल जीता।

‘इतने कम समय में 7 लाख करोड़ रूपए के एमओयू ज़मीन पर उतरे, बहुत बड़ी उपलब्धि है’

गृह मंत्री अमित शाह ने 4 लाख करोड़ रूपए के एमओयू का भूमि पूजन किया व कानून प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

जयपुर, 13 अक्टूबर। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि लोकप्रिय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास को गति देने के लिए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अन्तर्गत बेहतरीन काम किया है। समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हस्ताक्षरित हुए, जिनमें से तीन लाख करोड़ के एमओयू का कार्य पूर्व में धरातल पर शुरू हो चुका है। वहीं, आज लगभग चार लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू से जुड़ी योजनाओं का भूमि पूजन हुआ है। शाह ने कहा कि हम जो कहते हैं, वो करते हैं। मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में इतने कम समय में 7 लाख करोड़ रुपये के एमओयू जमीन पर उतरे हैं। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को जे ई सी सी सीतापुरा में नए आपराधिक कानूनों पर आधारित भव्य प्रदर्शनी ‘नव विधान : न्याय की नई पहचान‘ का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रदर्शनी का गहनता से अवलोकन किया तथा पूरी प्रक्रिया का लाइव डैमो देखा।

अमित शाह ने सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एवं कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में 9 हजार 300 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया।

उन्होंने प्रदेश के लगभग 40 लाख विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म के लिए 240 करोड़ रुपये एवं दुग्ध उत्पादकों को दूध सब्सिडी के 364 करोड़ रुपये की राशि का हस्तान्तरण किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इन नए कानूनों को प्रभावी रूप से लागू करने के क्रम में, पुलिस विभाग, न्यायिक अधिकारियों और प्रशासनिक तंत्र को इन नए कानूनों का व्यापक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि, ये तीन नए कानून स्वतंत्र भारत के इतिहास में क्रांतिकारी कदम हैं। पीड़ितों के अधिकारों को इन कानूनों में प्राथमिकता दी गई है, जिससे पीड़ितों को त्वरित न्याय और सम्मान मिल सकेगा। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए भी इन कानूनों में विशेष प्रावधान किए गए हैं।

उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा इन नए आपराधिक कानूनों के अन्तर्गत नियम और अधिसूचना जारी करके इनका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। ये नए कानून केवल दण्ड देने के लिए नहीं, बल्कि समाज को राह दिखाने का माध्यम बनेंगे।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधि मंत्री जोगाराम पटेल, सांसद मदन राठौड़, केन्द्रीय गृह सचिव गोविन्द मोहन, मुख्य सचिव सुधांश पंत, एनसीआरबी निदेशक आलोक रंजन आदि उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बड़ी संख्या में पुलिस कार्मिक भी उद्घाटन कार्यक्रम से जुड़े।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में नए आपराधिक कानूनों पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

- केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल समिट के अंतर्गत बेहतरीन कार्य के लिए मुख्यमंत्री व उनकी टीम की प्रशंसा की।
- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि नये कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पुलिस विभाग, न्यायिक अधिकारियों व प्रशासनिक तंत्र को व्यापक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

अमेरिका व चीन में ट्रेड वॉर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चीन के कब्ज़े में थे, अपनी जगह बना सकता है। भारत के कई उद्योग अभी से इस अवसर को समझ रहे हैं। वस्त्र और परिधान क्षेत्र, जो देश के सबसे बड़े रोज़गार देने वाले क्षेत्रों में से एक है, को अमेरिकी ऑर्डरों में तेज़ वृद्धि देखने को मिल सकती है, खासकर उन श्रेणियों में, जहाँ अब तक चीन का दबदबा था।

खिलौने और जूते-चप्पल बनाने वाले उद्योगों को भी फायदा होने की उम्मीद है, क्योंकि सस्ते माल की श्रेणी में चीन की बढ़त अब कमज़ोर होती दिख रही है। भारतीय निर्यातक मनु गुप्ता ने बताया कि “टारगैट” जैसे प्रमुख अमेरिकी खुदरा विक्रेता पहले से ही नई उत्पाद श्रृंखलाओं के लिए भारतीय आपूर्तिकर्ताओं से संपर्क कर चुके हैं। इसी तरह, इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरण, जैसे वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर और छोटे घरेलू सामान बनाने वाले उद्योगों को भी नए ऑर्डर मिलने की संभावना है, क्योंकि अमेरिकी इम्पोर्टर अब चीनी फ़ैक्ट्रियों के विकल्प तलाश रहे हैं। अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भी, जैसे-जैसे चीन दुर्लभ धातुओं और संबंधित तकनीकों के निर्यात को सीमित कर रहा है, भारतीय सौर पैनल और पवन टरबाइन पुर्ज़े बनाने वाली कंपनियाँ भी अपनी जगह मज़बूत कर सकती हैं।

उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के लिए अब सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वह गुणवत्ता, स्थिरता और समय पर आपूर्ति के मानकों से कोई समझौता न करे। अगर भारतीय निर्माता अंतरराष्ट्रीय स्तर की विश्वसनीयता साबित कर पाए, तो वे मौजूदा टैरिफ अशांति से कहीं आगे तक इन लाभों को सुरक्षित रख सकते हैं।

जहाँ, भारत एक विजेता के रुप में उभर सकता है, वहीं, अन्य अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान उठाना पड़ सकता है। यह व्यापार युद्ध मेक्सिको, कैनडा, जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसी अर्थव्यवस्थाओं की आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित कर सकता है, क्योंकि ये देश चीनी मध्यवर्ती वस्तुओं (इन्टरमीडियरी गुड्स) पर बहुत अधिक निर्भर हैं। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जी.टी.आर.आई.) की एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि इलेक्ट्रिक वाहन पुर्ज़ों, विंड टरबाइन और सेमीकंडक्टरों की वैश्विक कीमतें तेज़ी से बढ़ सकती हैं, जिससे दुनिया भर में मँहगाई का दबाव और बढ़ जाएगा। भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2024-25 में 131.84 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया, जिससे अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया है और भारत के कुल निर्यात का लगभग पाँचवाँ हिस्सा अमेरिका को जाता है। मौजूदा टैरिफ वॉर ने इन संबंधों को और मज़बूत करने का अवसर दिया है। दोनों देश जब एक नए द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में काम कर रहे हैं, तो अमेरिकी आपूर्ति श्रृंखला में भारत के शामिल होने की प्रक्रिया और तेज़ हो सकती है, खासकर तब, जब अमेरिकी कंपनियाँ चीन के विकल्प के रुप में राजनीतिक रूप से स्थिर और कम लागत वाले विकल्पों की तलाश में हैं।

अगर भारत इस मौक़े का पूरा लाभ उठाते हुए निर्यात प्रक्रिया को सरल बनाए, बंदरगाहों का ढाँचा सुधारे और निर्यातकों को त्वरित ऋण उपलब्ध कराए, तो अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध भारत के लिए एक बड़ा व्यापारिक वरदान साबित हो सकता है, जो उसके निर्यात क्षेत्र को नया रूप देगा और उसे विश्वसनीय वैश्विक मैनुफैक्चरिंग पार्टनर के रूप में स्थापित करेगा।

अब एनडीए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संभावना है और इसके सदस्य भाजपा या अन्य दलों में शामिल हो जाएंगे। हालांकि, पिछले दो दशकों की सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इन्कंबेंसी) के बावजूद, नीतीश कुमार की महिला मतदाताओं और अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) में अब भी मजबूत पकड़ है। बड़ी सम्भावना इस बात की भी है कि यदि यह धारणा मजबूत होती है कि कुमार अब मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे, तो इन वर्गों का एनडीए से मोहभंग हो सकता है। बिहार की राजनीति के अनुभवी एवं चतुर खिलाड़ी नीतीश कुमार ने कई बार विपरीत परिस्थितियों से वापसी की है, इसलिए यह कहना मुश्किल है कि आगे चलकर वे कौन-सा ट्रम्प कार्ड खेलेंगे।

सीट शेयरिंग की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव आयोग ने बिहार की 243 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में मतदान की घोषणा की है जो 6 और 11 नवंबर को होगा। पहले चरण के नामांकन 6 अक्टूबर से और दूसरे चरण के 13 अक्टूबर से शुरू हुए। लेकिन प्रचार शुरू होने से पहले ही एनडीए को खुले विद्रोह से जूझना पड़ रहा है।

एक नाटकीय घटनाक्रम में, जेडीयू के वरिष्ठ मंत्री जय कुमार सिंह ने अपनी ही पार्टी के नेतृत्व पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और मंत्री ललन कुमार सिंह पर टिकट बेचने और वफादार कार्यकर्ताओं की उम्मीदों को नष्ट करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पार्टी की आत्मा को निजी लाभ के लिए नीलाम किया जा रहा है। नेतृत्व ने गठबंधन गणित के नाम पर अपने कैडर से विश्वासघात किया है।

इधर, भाजपा में भी असंतोष की लहर उठी। केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने खुले मंच से केन्द्रीय शिक्षा मंत्री और बिहार प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान की आलोचना की, उन पर उम्मीदवार चयन में भारी अव्यवस्था का आरोप लगाया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कई मौजूदा विधायक और पूर्व सांसदों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी शिकायतें नहीं सुनी गई तो वे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरेंगे।

आंतरिक संकट ने एनडीए के राज्य और केन्द्रीय नेतृत्व, दोनों को हिला कर रख दिया है। महागठबंधन की बढ़ती गति का मुकाबला करने की उम्मीद कर रहे एनडीए को अब विद्रोह रोकने, नाराज सहयोगियों को मनाने और जन छवि सुधारने जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि यह बगावत एनडीए के भीतर चुनावी संभावनाओं को लेकर गहरी बेचैनी को दर्शाती है। एक वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, गठबंधन में घबराहट के संकेत साफ दिखाई दे रहे हैं। आंतरिक दरारों ने इसकी कमजोरी उजागर कर दी है।

मतदान में अब एक महीने से भी कम समय बचा है और एनडीए के लिए सबसे बड़ी चुनौती विपक्ष से नहीं, बल्कि अपने ही घर के भीतर से उभर रही है।

तेजस्वी यादव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पिछले चुनाव में कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन केवल 17 सीटें जीत पाई थी। इस खराब प्रदर्शन के कारण ही, महागठबंधन सरकार नहीं बना सका था।

सूत्रों का कहना है कि अदालत द्वारा लालू यादव और उनके परिवार के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिये जाने के बाद, कांग्रेस, खासतौर से राहुल गांधी और गांधी परिवार, यादव परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान इस मुद्दे का इस्तेमाल तेजस्वी यादव पर हमला करने के लिए करेगी।

अब सीट बंटवारे की औपचारिक घोषणा और तेजस्वी यादव को इंडिया गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में नामित करने का ऐलान पटना में किया जाएगा, क्योंकि तेजस्वी आज देर शाम वापस बिहार रवाना हो गए हैं।

करुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को रैली के दौरान भगदड़ हुई थी। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 41 लोगों की मृत्यु और 100 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

शीर्ष अदालत ने टीवीके और पनीरसेल्वम पिचाईमुथु, एस प्रभाकरन, सेल्वराज पी, जी एस मणि तथा अन्य की याचिकाओं पर अपना यह आदेश पारित किया। याचिकाओं में सीबीआई जांच की मांग की गई थी।

हमास ने बीस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में कम से कम बीस देश भाग ले रहे हैं।

कैदियों की अदला-बदली देखने और इज़रायली संसद को संबोधित करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप मिस्र के इस तटीय शहर पहुंचे, जहाँ वे क्षेत्र में स्थायी शांति लाने के लिए आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। इस सम्मेलन में बीस से अधिक देश भाग ले रहे हैं। यह प्रक्रिया निश्चित रूप से लंबी होगी और हर मुद्दे पर सहमति बनाना एक कठिन और समय लेने वाला काम साबित होगा।

तीन विद्वानों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था। यह परिवार बहुत मुश्किलों से नाज़ी नरसंहार में बच गया था।

फिलिप अघियन एक फ्रांसीसी अर्थशास्त्री हैं जो लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अध्यापन करते रहे हैं।

पीटर होविट कनाडाई अर्थशास्त्री हैं, जो नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र में पीएचडी प्राप्त करने के बाद विभिन्न विश्वविद्यालय में शिक्षण कार्य कर रहे हैं।

Jaipur: E-101, Road No. 8, Vkia Area, Jaipur, Prem Motors: 8058791634, 8058794187, 8058794102, 8058794177 | Chitrakoot Marg, Satya Colony, Tagore Nagar, Jaipur, Auric Motors: 8690988784,8890988912, 8690988758 | E-197(A), RIICO Industrial Area, Mansarovar, Jaipur, KP Automotives: 9549651769, 9116190346 | B 1 Govind Marg, Rajapark Opp. Pink Square Mall, KP Automotive: 9549851770, 9116190344 | A-209, Rajendra Prasad Nagar, 200ft Bypass, Ajmer Road, Jaipur, Satnam MotoCorp: 7413900007, 7413900009, 7821823626, 8290654400, 7568249500, 9358868371 | 13 Jhotwara Industrial Area, Near Jhotwara Police Station, Jaipur, KTL: 7412068475, 7412077170. | Sector-35,Pratap Nager, Tonk Road, Jaipur, Sanga Autonation Pvt Ltd.: 9057809180| Padmawati Colony- II, opposite Metro Pillar No 25, Mansarover Metro Station Jaipur, Vipul Motors Pvt. Ltd.: 9829333522, 9829351470, 9079191348. Alwar: Near Alwar Public School, Jaipur Road, Alwar, MG Motors: 7240012934, 7728892248, 7073130666 | Opposite Matila police station Alwar bypass Road Bhiwadi, Fortune Cars: 8875001550, 9214094335 | Manhar Villa, Near Jail Circle, Vijay Nagar Road, Alwar, Fortune Cars: 7230029310, 7230029304.

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908